{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 01 अक्टूबर 2026
अश्विन कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 11
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	72,480.29
निफ्टी	-	22,620.45
सोना	-	1,58,159
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	95.90

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वॉट्सएप बिजनेस आज से फ्री नहीं

नई दिल्ली । अब वॉट्सएप बिजनेस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने पर चार्ज लगेगा। अब तक के नियम के अनुसार, जब कोई ग्राहक किसी बिजनेस को मैसेज करता था, तो कंपनी अगले 24 घंटे के अंदर बिना कोई फीस दिए ग्राहक को जवाब दे सकती थी। यह बदलाव केवल एपीआई का इस्तेमाल करने वाले बड़े कारोबारों और कंपनियों पर लागू होगा। साधारण वॉट्सएप इस्तेमाल करने वाले आम लोगों और वॉट्सएप बिजनेस एप चलाने वाले छोटे कारोबारियों के लिए यह सेवा पहले की तरह ही फ्री रहेगी। कंपनियों को 30 सितंबर तक पेमेंट का तरीका अपने अकाउंट में जोड़ना होगा। ऐसा नहीं करने पर 1 अक्टूबर से उनके सर्विस मैसेज की डिलीवरी रोक दी जाएगी।

श्राद्ध कर रहे परिवार के 5 लोगों की मौत

झांसी। झांसी में श्राद्ध कर्म के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सुखनई नदी में एक ही परिवार के 5 लोग डूब गए। हादसे में बाप-बेटे, भतीजे और भांजे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंची। करीब 30 मिनट तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर पांचों शवों को बाहर निकाला गया। देवीसिंह पुरा में रहने वाले अनूप तिवारी (45) अपने बेटे अर्पित (12), भांजे पुष्कर शुक्ला (23), भतीजे अभिनव तिवारी (26) और श्रेयांश तिवारी (21) के साथ सुखनई नदी के किनारे पिंडदान करने गए थे। पुष्कर जालौन का रहने वाला था। अनूप पूजा करने नदी में उतरे। वह नदी के बीच पहुंचे ही थे कि डूबने लगे। उनको डूबता देखकर अर्पित, पुष्कर, अभिनव और श्रेयांश उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदे। कुछ ही देर में सभी गहरे पानी में डूब गए। पांचों को को डूबता देखकर आसपास मौजूद लोगों ने चीख-पुकार मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रानीपुर चौकी और मऊरानीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

3000 करोड़ की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार

मुंबई। ईरानी नाव में 3,000 करोड़ रूपए की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात ड्रग्स ने गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन को समुद्री रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे। सिक्योरिटी फोर्सेस ने यह कार्रवाई लक्षद्वीप के पास 25 सितंबर को की थी। हालांकि, इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात तट के पास एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की थी, जिसकी कीमत 1,800 करोड़ रुपए बताई गई।

कुछ ना कहना

एसआईआर पर महासंग्राम : इंडिया गठबंधन की बैठक में सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ ती प्रस्ताव तैयार.

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष के आंदोलन का रोडमैप तैयार... 20 दल, 5 रैलियां, चौतरफ घेराबंदी

2 अक्टूबर से 'इंडिया' का सेव डेमोक्रेसी मार्च

नई दिल्ली । चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ आंदोलन की इंडिया ब्लॉक ने बड़ी तैयारी कर ली है। बुधवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुई बैठक में इंडिया गठबंधन के 20 दल शामिल हुए, तीन घंटे से ज्यादा चली मीटिंग में तय हुआ है कि छह अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग दफ्तर की तरफ मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेताओं की पांच अलग-अलग बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी।चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत 20 विपक्षी पार्टियां 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगी। 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव किया जाएगा। करीब 3 घंटे चली बैठक में 3 बातों पर सहमति बनी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाया जाए। वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों को सार्वजनिक किया जाए। नाम हटाने से पहले वोटर को नोटिस और अपील का मौका मिले। ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। बैठक के बाद खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी- शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है। भाजपा चुनाव आयोग के साथ वोट चोरी कर रही है।

इंडिया गठबंधन की बैठक में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि यह बैठक साढ़े 3 घंटे तक चली। इसमें 20 पार्टियों ने हिस्सा लिया। बैठक में कुछ नेता वर्चुअली भी जुड़े। बहुत से नेताओं ने अपने विचार रखे। उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी बात रखी। खड़गे ने कहा कि मुझे खुशी है कि सभी ने चुनाव आयोग के खिलाफ मिलकर और मजबूती के साथ लड़ाई लड़ने की बात की है। बहुत से सुझाव भी राहुल गांधी ने और ममता बनर्जी ने भी दिए हैं। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग कठपुतली की तरह काम कर रहा है। वह सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। खड़गे ने कहा कि सरकार ही वोट चोरी करा रही है। हम सब मजबूती से लड़ने के लिए एकजुट हैं। दो-तीन लोगों को मोहरा बनाकर, वे लोग वोटों की चोरी करवा रहे हैं और चुनाव जीत रहे हैं। जहां भी हमारे नेता न्यायपूर्ण लड़ाई लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं, युवाओं के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें भी तंग करने का प्रयास किया जा रहा है। खड़गे ने कहा कि विपक्ष की पांच बड़ी रैलियां होंगी। राष्ट्रपति के सामने अपनी बात रखेंगे।

2-8 अक्टूबर तक हर जिले में सेव डेमोक्रेसी मार्च-खड़गे

कांग्रेस चीफ ने कहा कि 2-8 अक्टूबर तक हर जिले में सेव डेमोक्रेसी मार्च होगा। जिला मजिस्ट्रेट के सामने जाकर प्रदर्शन किया जाएगा और जनता को अवगत करवाया जाएगा कि हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद 'मार्च टू इलेक्शन कमीशन' करेंगे। हम आज ही ये मार्च करने वाले थे लेकिन हमने सभी सांसदों को आमंत्रित करके मार्च निकालने के लिए 6 तारीख रखी है।

राष्ट्रपति से मिलकर अपनी बात रखेंगे

खड़गे ने आगे कहा कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में मिलने का समय मांगेंगे। हमारी जो समस्याएं हैं और संवैधानिक अड़चनें जो सरकार पैदा कर रही है, जिसके तहत लोगों को तंग और तबाह करके अपनी राय बनाकर झूठी सरकार चलाने का प्रयास किया जा रहा है। उसे लेकर हम राष्ट्रपति को स्थिति समझाना चाहते हैं। इसके बाद हमारी बड़ी रैली होगी। उसकी तारीख और स्थान तय करके बताए जाएंगे। ये रैली अक्टूबर-नवंबर में होगी। नवंबर 1 से दिल्ली में एक बड़ी रैली होगी। अब सभी का ध्यान हमारी ओर आकर्षित है।

ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए- ममता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा, हमारा इंडिया गठबंधन एकजुट है। आज जो बड़ा घोटाला है, यह घिनौना मामला है,ज जो वोट चोरी की बात राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बिहार में उठाई थी, जिस वोट चोरी को करके भाजपा 2026 में जीती, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बिहार में जीती, बंगाल में पूरी लूट की। ममता ने कहा कि हम अपनी शिकायत को लेकर यहां आए थे, हम चुनाव आयोग के पास भी गए, सुप्रीम कोर्ट में भी गए, सारे दरवाजे खटखटाए लेकिन कुछ नहीं हुआ। ममता ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। हमें लोकतंत्र बचाना होगा। मतदान का अधिकार हमारा संवैधानिक अधिकार है। अगर लोग वोट नहीं देंगे, अगर चुनाव में धांधली होगी तो देश कहां जाएगा। ज्ञानेश कुमार अगर इस्तीफा नहीं देंगे तो ये आंदोलन बहुत आगे जाएगा। हम लोगों को एक साथ लड़ना होगा। उन्होंने वोटों की लूट की, चोरी की। ईवीएम की मशीनें क्यों जलाई गईं?

भारतीय लोकतंत्र इस देश के हर व्यक्ति से बड़ा है- राहुल

इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि काफी अच्छी चर्चा हुई। वोट चोरी हुई है, सभी नेता यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों ने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद किया है, उन्हें सजा मिले। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने सीनियर हैं या कौन हैं। भारतीय लोकतंत्र इस देश के हर व्यक्ति से बड़ा है। बैठक में यह भावना भी थी कि विपक्ष भारत के लोगों तक यह बात पहुंचाने में काफी सफल रहा है कि चुनाव में धांधली हुई है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है, और लोगों में, खासकर युवाओं में, विरोध की एक नई भावना पैदा हुई है कि भारत में जो हो रहा है वह गलत है और उसे रोका जाना चाहिए।

वोटर रजिस्ट्रेशन फॉर्म-6 से घोषणा पत्र हटा

चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा हो चुके राज्यों में ऑनलाइन फॉर्म 6 से अतिरिक्त घोषणा हटा दी है। यानी एसआईआर पूरा होने के बाद फॉर्म 6 में एसआईआर से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी नहीं मांगी जाएगी। हालांकि जिन राज्यों में एसआईआर जारी है, वहां फॉर्म 6 में यह घोषणा अब भी दिख रही है। यह बदलाव मंगलवार देर रात ईसीआईनेट पोर्टल पर किया गया। चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को इसका ऐलान किया था। दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने इस पर आपत्ति जताई थी। फॉर्म 6 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए होता है।

किसानों को मोदी सरकार का तोहफा, 6 रबी फसलों का एमएसपी बढ़ाया

-1.86 लाख करोड़ के ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर को भी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रबी सीजन 2027-28 के लिए गेहूं समेत 6 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। सरकार का कहना है कि इसका मकसद किसानों को उनकी फसल का बेहतर और उचित दाम दिलाना है। इन 6 फसलों में गेहूं, जौ, चना, मसूर, सरसों-रेपसीड और कुसुम शामिल हैं।

सरकार ने सबसे ज्यादा बढ़ोतरी कुसुम के एमएसपी में की है। इसका एमएसपी 675 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है। इसके बाद सरसों और रेपसीड के एमएसपी में 413 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

बाकी फसलों के एमएसपी में इतनी बढ़ोतरी की गई है-

मसूर- 390 रुपये प्रति क्विंटल
जौ- 136 रुपये प्रति क्विंटल
चना- 83 रुपये प्रति क्विंटल
गेहूं- 25 रुपये प्रति क्विंटल

एमएसपी बढ़ने का फैसला क्यों लिया गया?

सरकार ने बताया कि एमएसपी में यह बढ़ोतरी 2018-19 के केंद्रीय बजट में तय किए गए नियम के मुताबिक है। इस नियम के तहत किसानों को उनकी फसल की औसत लागत से कम से कम 1.5 गुना एमएसपी देने का लक्ष्य रखा गया था। सरकार के अनुमान के मुताबिक, फसल उगाने की लागत निकालने के बाद किसानों को गेहूं में करीब 106 प्रतिशत, सरसों और रेपसीड में 96 प्रतिशत, मसूर में 92 प्रतिशत, चना में 59 प्रतिशत, जौ में 58 प्रतिशत और कुसुम में 50 प्रतिशत तक का फायदा मिल सकता है।

दाल और तिलहन की खेती को भी बढ़ावा

सरकार पिछले कुछ सालों से किसानों को सिर्फ गेहूं-चावल जैसी अनाज वाली फसलों पर निर्भर रहने के बजाय दाल और तिलहन जैसी फसलें उगाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए इन फसलों का एमएसपी तुलनात्मक रूप से ज्यादा रखा जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि इससे किसान दूसरी फसलों की खेती की ओर भी जा सकते हैं।

गेहूं की सरकारी खरीद कितनी बढ़ी?

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2014-15 से 2025-26 के बीच सरकार ने करीब 3,715 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा। इससे पहले 2004-05 से 2013-14 के 10 साल के दौरान गेहूं की सरकारी खरीद करीब 2,254 मीट्रिक टन थी। यानी पिछले दौर की तुलना में सरकार की ओर से गेहूं की खरीद काफी बढ़ी है।

6 रबी फसलों की सरकारी खरीद

अगर गेहूं के साथ 6 प्रमुख रबी फसलों को देखें, तो 2004-05 से 2013-14 के दौरान इनकी कुल सरकारी खरीद करीब 2,302 मीट्रिक टन थी। वहीं, 2014-15 से 2025-26 के दौरान यह बढ़कर करीब 3,921 मीट्रिक टन हो गई।

किसानों को एमएसपी के तहत कितना भुगतान हुआ?

गेहूं उगाने वाले किसानों को भी एमएसपी के तहत मिलने वाला भुगतान बढ़ा है। 2014-15 से 2025-26 के दौरान गेहूं किसानों को एमएसपी के तहत करीब 7.31 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। वहीं, 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह रकम करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये थी।

अक्टूबर से बदल जाएंगे बैंकिंग, यूपीआई, कर व्यवस्था, एलपीजी के कई नियम

यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क भी होगा लागू, आम नागरिकों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली। अक्टूबर से कई अहम बदलाव लागू होने जा रहे हैं, जिनका असर आम नागरिकों की जेब पर पड़ सकता है। इन बदलावों में बैंकिंग, यूपीआई, कर व्यवस्था, एलपीजी और एनपीएस से जुड़े नियम शामिल हैं। सबसे प्रमुख परिवर्तनों में नया यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क है, जो 2,000 रुपए से ज्यादा के मर्चेंट लेनदेन पर लागू होगा। हालांकि ग्राहकों से एमडीआर नहीं लिया जाएगा और व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) यूपीआई लेनदेन पहले की तरह मुफ्त रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करदाताओं के लिए राहत की खबर यह है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय-सीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्टूबर कर दी है, जबकि आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है। एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 1 अक्टूबर से सब्सिडी मूल्य पर गैस रिफिल बुक करने के लिए आधार बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरा करना अनिवार्य होगा, जो उपभोक्ता यह प्रक्रिया पूरी नहीं करेंगे, उन्हें एलपीजी पर सब्सिडी का लाभ नहीं मिलेगा।

बैंकिंग क्षेत्र में देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने 1 अक्टूबर से सैलरी पैकेज अकाउंट धारकों के लिए अन्य बैंकों के एटीएम से हर महीने मुफ्त लेनदेन की सीमा 10 से घटाकर पांच कर दी है। यह सीमा वित्तीय और गैर-वित्तीय, दोनों तरह के लेनदेन पर लागू होगी। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट खातों के लिए महीने में चार नकद निकासी मुफ्त रहेंगी, जिसके बाद प्रति लेनदेन 15 रुपए समेत जीएसटी शुल्क लिया जाएगा। अन्य बदलावों में गैर-निवासी विक्रेताओं से संपत्ति खरीदने वाले निवासी व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों को लागू टीडीएस अनुपालन के लिए अब अलग से टीएएन की जरूरत नहीं होगी और वे पैन का इस्तेमाल कर सकेंगे।

पटाखों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, पूरी तरह बैन नहीं; तय समय में ही आतिशबाजी

नई दिल्ली। दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों को लेकर बड़ा रुख साफ किया है। अदालत ने बुधवार को कहा कि पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश नहीं दिया जाएगा, लेकिन 24 घंटे आतिशबाजी की अनुमति भी नहीं होगी। कोर्ट ने कहा कि ऐसा रास्ता निकालना होगा, जिसमें लोगों की धार्मिक और सामाजिक भावनाओं के साथ-साथ प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का भी ध्यान रखा जा सके।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पटाखे जलाने के लिए एक निर्धारित समय तय किया जाना चाहिए। अदालत ने विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों पर पटाखों के धुएं और शोर के प्रभाव का भी उल्लेख किया।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से ग्रीन पटाखों को लेकर एक प्रस्ताव रखा गया। इसमें कुछ विशेष अगली पीढ़ी के ग्रीन पटाखों को सीमित और शर्तों के साथ अनुमति देने की बात कही गई है। ऐसे पटाखों के लिए निर्धारित उत्सर्जन और शोर सीमा का पालन करना जरूरी होगा और प्रतिबंधित रसायनों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

वहीं पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल से जुड़े मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट 15 अक्टूबर को आगे सुनवाई करेगा। यानी फिलहाल पटाखों को लेकर अंतिम नियमों का पूरा खाका आगे की सुनवाई और विशेषज्ञ संस्थाओं की रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा।

मोदी-ट्रंप के बीच अहम बातचीत, व्यापार से टेक्नोलॉजी तक सहयोग की समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बुधवार को अहम बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और आपसी हित से जुड़े अन्य क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बातचीत की जानकारी साझा करते हुए कहा कि दोनों देशों की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति बनी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के लोगों के हित में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान व्यापार और रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा क्षेत्र तथा महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में हुई प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

कांग्रेस कैंडिडेट को मिली जमानत पर सरकार कोर्ट पहुंची

सुप्रीम कोर्ट बोला- आपकी याचिका खारिज होगी, लेकिन हम ऐसा सोमवार को करेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को मिली अंतरिम जमानत के खिलाफ बंगाल की भाजपा सरकार बुधवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से कहा कि मिलन प्रधान हत्या के केस में गिरफ्तार किए गए हैं। उन्हें चुनाव लड़ने के नाम पर हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी। इसलिए इस मामले पर जल्द सुनवाई होनी चाहिए। इस पर टिप्पणी करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- कल कई मामले सुनवाई के लिए पहले से लगे हैं। हम आपको आश्वस्त कर सकते हैं कि आपकी याचिका खारिज होगी, लेकिन हम यह कल नहीं सोमवार यानी 5 अक्टूबर को ऐसा करेंगे। प्रधान को 2007 में दर्ज छह आपराधिक मामलों में अंतरिम जमानत मिली है। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन के आरोप शामिल हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 29 सितंबर को उन्हें 20 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी थी। इससे वे 6 अक्टूबर को होने वाले नंदीग्राम उपचुनाव के लिए प्रचार कर सकेंगे। हाईकोर्ट ने मिलन प्रधान को 21 अक्टूबर को ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने का निर्देश दिया है।

रेल यात्रा में ओरिजिनल पहचान पत्र नहीं दिखाया तो यात्रा मानी जाएगी अवैध

पास-पीटीओ पर भी होगा लागू, 1 अक्टूबर से रेलवे शुरु कर रहा चेकिंग अभियान

नई दिल्ली। सेंट्रल रेलवे 1 अक्टूबर से टिकट चेकिंग के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है। यह अभियान 1 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान सेंट्रल रेलवे के तहत आने वाली ट्रेनों और स्टेशनों पर टिकट की जांच पहले से ज्यादा सख्ती से की जाएगी। इस अभियान में रियायती टिकट, अलग-अलग रिजर्वेशन कोटा के तहत बुक किए गए टिकट, रेलवे पास और अनारक्षित टिकटों की जांच की जाएगी। त्योहारों में यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए रेलवे यह अभियान चला रहा है। अगर एक ही टिकट पर कई लोग सफर कर रहे हैं तो टिकट पर दर्ज यात्रियों में से कम से कम एक व्यक्ति के पास तय ओरिजिनल पहचान पत्र होना जरूरी है। अगर टिकट पर दर्ज कोई भी यात्री जांच में ओरिजिनल पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो रेलवे के नियमों के तहत पूरे ग्रुप को बिना वैध टिकट यात्रा करने वाला माना जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ई-टिकट से यात्रा करने वालों के लिए भी यह नियम अहम है। मौजूदा नियमों के मुताबिक एक ही ई-टिकट पर यात्रा कर रहे लोगों में से कोई एक यात्री अपना मान्य फोटो पहचान पत्र दिखाकर बाकी यात्रियों की पहचान की पुष्टि कर सकता है। इनमें चुनाव आयोग की ओर से जारी वोटर फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और केंद्र या राज्य सरकार की ओर से जारी सीरियल नंबर वाला फोटो पहचान पत्र शामिल हैं। इसके अलावा स्टूडेंट पहचान पत्र, फोटो वाली राष्ट्रीयकृत बैंक की पासबुक, बैंक की ओर से जारी फोटो वाला लैमिनेटेड क्रेडिट कार्ड और आधार कार्ड भी मान्य पहचान पत्रों में शामिल हैं। ई-पास या प्रिविलेज टिकट ऑर्डर यानी पीटीओ के जरिए यात्रा करने वाले यात्रियों को भी तय ओरिजिनल पहचान पत्र साथ रखना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक यात्रियों को यह भी तय करना होगा कि यात्रा शुरू करने से पहले ई-पास या पीटीओ को यात्रा के लिए जरूरी अधिकार पत्र में सही तरीके से बदला गया हो। रेलवे अधिकारी अनारक्षित टिकटों की वैधता की भी जांच करेंगे। टिकट चेकिंग स्टाफ टिकट सही है या नहीं, इसकी जांच के लिए टीटीई ऐप का इस्तेमाल कर सकता है। रेलवे ने बिना वैध टिकट यात्रा करने पर न्यूनतम जुर्माना 250 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए कर दिया है। नई व्यवस्था 20 जून 2026 से लागू है।

चौपाटी के बाहर बेतरतीब खड़े वाहन बढ़ा रहे यातायात की परेशानी

कालीपुतली चौक के पास शाम होते ही सड़क किनारे वाहनों की कतार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कालीपुतली चौक के समीप स्थित चौपाटी में शाम के समय बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं। चौपाटी पर आने वाले लोगों द्वारा अपने दोपहिया और अन्य वाहन सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े किए जाने के कारण क्षेत्र की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि कई वाहन आसपास स्थित कार्यालयों के प्रवेश द्वार के सामने तक खड़े कर दिए जाते हैं।जिससे कर्मचारियों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शाम 7 से रात 9 बजे तक बढ़ जाती है परेशानी

स्थानीय लोगों के अनुसार शाम करीब 7 बजे से रात 9 बजे तक चौपाटी क्षेत्र में भीड़ बढ़ने के साथ सड़क किनारे वाहनों की संख्या भी काफी बढ़ जाती है। चौपाटी के सामने स्थित बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय के गेट के सामने भी लोग अपने वाहन खड़े कर देते हैं। इससे कार्यालय में आने-जाने वाले कर्मचारियों और अन्य लोगों को प्रवेश एवं निकासी में परेशानी होती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कार्यालय के गेट के सामने वाहनों के खड़े रहने से कई बार वाहन निकालने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। सड़क किनारे दोनों ओर वाहनों की पार्किंग के कारण मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव भी बढ़ जाता है।

कालीपुतली चौक से जयस्तंभ चौक मार्ग पर असर

चौपाटी के सामने सड़क के दोनों छोर पर वाहनों के खड़े रहने का असर कालीपुतली चौक से जयस्तंभ चौक की ओर आने-जाने वाले वाहनों पर भी पड़ रहा है। सड़क का उपयोग करने वाले वाहन चालकों को कई स्थानों पर संकरे रास्ते से निकलना पड़ता है, जिससे जाम जैसी स्थिति बनने की आशंका बनी रहती है।विशेषकर शाम के व्यस्त समय में पैदल आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की संख्या बढ़ने से समस्या और गंभीर हो जाती है।

यातायात विभाग से कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने यातायात विभाग से मांग की है कि चौपाटी क्षेत्र में व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने वालों को निर्धारित नियमों के तहत कार्रवाई की जाए।साथ ही कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठानों के प्रवेश द्वार के सामने वाहन खड़े करने पर रोक लगाई जाए। ताकि कर्मचारियों, आम नागरिकों और वाहन चालकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जनहित को देखते हुए शाम के व्यस्त समय में यातायात विभाग द्वारा इस क्षेत्र में निगरानी और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की जरूरत है, ताकि चौपाटी की रौनक के साथ शहर की यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे।

धंसी पुलिया बनी हादसे का खतरा, सड़क के बीच उभरा बड़ा गड्ढा

लांजी। लांजी अनुभाग के ग्राम नंदोरा में नंदोरा चौक से कड़ता मार्ग पर करीब 50 मीटर की दूरी पर बनी पाइप पुलिया इन दिनों हादसे को न्योता दे रही है। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित यह पुलिया अंदर से धंस जाने के कारण सड़क के बीचोंबीच बड़ा गड्ढा उभर आया है। मुख्य मार्ग पर बनी पुलिया की यह स्थिति वाहन चालकों और राहगीरों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है।

नंदोरा से कड़ता को जोड़ने वाले इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क के बीच पुलिया धंसने से बना गड्ढा वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। खासकर तेज रफ्तार वाहनों के लिए यहां अचानक उभरा गड्ढा दुर्घटना का कारण बन सकता है। वहीं रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में गड्ढा दूर से आसानी से दिखाई नहीं देता।

अंदर से धंसी पुलिया, ऊपर सड़क पर दिखने लगा असर

ग्रामीणों के अनुसार पुलिया अंदर से धंस चुकी है, जिसके चलते ऊपर सड़क का हिस्सा भी प्रभावित होकर गड्ढे के रूप में दिखाई देने लगा है। समस्या सामने आने के बावजूद अब तक पुलिया की स्थायी मरम्मत नहीं होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। लगातार वाहनों की आवाजाही के कारण गड्ढे के और बढ़ने की आशंका भी बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और प्रतिदिन सैकड़ों वाहन यहां से गुजरते हैं। ऐसे में पुलिया की खराब स्थिति को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो किसी बड़े हादसे के बाद ही विभाग की नींद खुलेगी, यह सवाल भी ग्रामीणों के बीच उठ रहा है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मौके का तत्काल निरीक्षण कराने, पुलिया की तकनीकी स्थिति की जांच करने तथा सड़क पर बने गड्ढे को अस्थायी रूप से सुरक्षित करने के साथ पुलिया की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग समय रहते कार्रवाई करे, ताकि संभावित दुर्घटना को टाला जा सके और इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

बीएसआई के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला एवं नगर शाखा बालाघाट के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह बूढ़ी वार्ड स्थित संस्था के जिला कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसआई मप्र राज्य शाखा अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम ने की।कार्यक्रम में पूज्य भंते बुद्धपाल वाड़ी (नागपुर), आयुनी हेमलता डोंगरे, आर.के. कटाने, राजकपूर कामड़े सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक पूजा-वंदना से हुई।मुख्य अतिथि डॉ. ढेंगरे ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों के लिए प्रत्येक व्यक्ति को 3 टी- टाइम, टेलेंट और ट्रेजरी का योगदान देना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों को संस्था के उद्देश्यों और उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी दी।भंते बुद्धपाल ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए सभी को धम्म कार्यों से जुड़कर कार्य करने का आशीर्वाद दिया। इसके बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संस्था के संविधान के अनुसार निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली।कार्यक्रम में 25 अक्टूबर को मुंबई मुख्यालय के मार्गदर्शन में एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। समापन गाथा के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सुकली मैंगनीज मॉयल में मजदूरों के शोषण का आरोप

घर कैसे चलाए?, 3 माह से नहीं मिली मायल मजदूरों को मजदूरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी तहसील के ग्राम सुकली में संचालित मैंगनीज मॉयल में काम करने वाले ग्रामीण मजदूरों ने ठेकेदार और प्रबंधन पर आर्थिक शोषण एवं कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। मजदूरों का कहना है कि उन्हें नियमित रूप से मजदूरी नहीं मिल रही है और कई बार दो से तीन महीने तक भुगतान अटका रहता है। मजदूरी मांगने पर कथित तौर पर काम से निकालने की धमकी दी जाती है। मामले को लेकर बुधवार को मजदूरों ने ग्राम पंचायत सुकली के सरपंच घनश्याम कुंजाम को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई और न्याय की मांग की है।साथ ही मजदूरों ने तत्काल भुगतान की मांग करते हुए,मजदूरी का पूर्ण भुगतान ना होने पर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

महीनों तक भुगतान अटकने का आरोप

मजदूरों के अनुसार वे रोजाना खदान में जोखिम उठाकर काम करते हैं, लेकिन मेहनत की मजदूरी समय पर नहीं मिलती। उनका आरोप है कि भुगतान मांगने पर ठेकेदार द्वारा आज-कल का हवाला देकर उन्हें लौटा दिया जाता है। दो से तीन महीने तक मजदूरी नहीं मिलने के कारण गरीब मजदूरों के परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है।

शिकायत पर भी नहीं हो रही सुनवाई

मजदूरों का आरोप है कि उन्होंने कई बार मौखिक रूप से मॉयल प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। शिकायत करने वाले मजदूरों को कथित तौर पर काम से निकालने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। मजदूरों का कहना है कि रोजगार छिनने के डर से कई श्रमिक अपनी समस्याएं खुलकर सामने नहीं रख पा रहे हैं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं देने का आरोप

शिकायत में मजदूरों ने सुकली मॉयल में पिछले करीब 6-7 वर्षों से रोजगार के अवसर नहीं बढ़ने का भी मुद्दा उठाया है। उनका आरोप है कि मॉयल का उत्पादन बढ़ने के बावजूद स्थानीय बेरोजगार युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया जा रहा है और बाहरी लोगों को लाकर काम कराया जा रहा है। मजदूरों ने 6 सूत्रीय शिकायत के माध्यम से मॉयल में संचालित गतिविधियों और स्थानीय रोजगार से जुड़े मुद्दों की जांच की मांग की है।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायत पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने बकाया मजदूरी का भुगतान कराने, मजदूरों को काम से निकालने की धमकी पर रोक लगाने और स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रबंधन ने कहा- दस्तावेज दिखाएंगे

उधर मजदूरों के आरोपों को लेकर मॉयल प्रबंधक आर.एस. दुबे से दूरभाष पर संपर्क किया गया। उन्होंने आरोपों को लेकर विस्तृत प्रतिक्रिया देने के बजाय कहा कि कार्यालय आने पर वे संबंधित दस्तावेज दिखाएंगे, जिनमें मजदूरों द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब मिल सकता है। ऐसे में अब मजदूरों की शिकायत और प्रबंधन के दस्तावेज सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

07वीं वाहिनी सीआरपीएफ, किरनापुर में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। 07वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), किरनापुर में रक्तदान शिविर का आयोजन 07वीं वाहिनी मुख्यालय के अस्पताल परिसर में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से किया गया।यह रक्तदान शिविर हजारी लाल, कमांडेंट, 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के मार्गदर्शन एवं दीपक कुमार, उप कमांडेंट, 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती रमा देवी, धर्मपत्नी हजारी लाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर के मुख्य अतिथि शशि भूषण सिंह बिष्ट, कमांडेंट, 208 कोबरा वाहिनी रहे। इस अवसर पर 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों के साथ साथ आम जनता ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवीय सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। रक्तदान को महादान बताते हुए उपस्थित जवानों को नियमित रूप से रक्तदान करने तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

शिविर के दौरान रक्तदाताओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। संपूर्ण कार्यक्रम 07वीं वाहिनी मुख्यालय, किरनापुर के अस्पताल में शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुचारू रूप से संपन्न हुआ। 07वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा आयोजित यह पहल समाज के प्रति सेवा, सहयोग एवं मानवीय संवेदनशीलता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बडगांव के बम्लेश्वरी मंदिर में आस्था एवं भक्ति भाव से मनाया जायेगा नवरात्र पर्व

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे नौ दिनो तक आस्था एवं भक्ति भाव से मनाया जाएगा।9 दिनों तक चलने वाला यह पर्व इस बार 11 अक्टूबर दिन रविवार से शुरू होने जा रहा है। हर साल की तरह इस बार भी भक्तजन देवी मां के नौ रूपो की पूजा अर्चना में लीन रहेंगे। इसी प्रकार किरनापुर मुख्यालय स्थित ग्राम बडगांव के शक्ति पीठ मां बम्लेश्वरी मंदिर में नवरात्र को लेकर मंदिर की साफ सफाई जोरो पर है। मंदिर में भक्तो के मनोकामनाएं के लिए मनोकामना ज्योति कलश भी रखा गया है, जिसमें घी कलश 1201 रूपए और तेल कलश 701 रूपए रखा गया है। नौ दिनो तक मंदिर में भंडारा का आयोजन होगा। अष्टमी के दिन हवन पूजन के साथ अठवाई चढ़ाई जायेगी। नवमी के दिन नौ कन्या भोज होगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में उपस्थित होकर पुन्य लाभ लेने कि अपिल अध्यक्ष केशोराव रहांगडाले, उपाध्यक्ष मनोहर कुशराम, सचिव महेन्द्र रहांगडाले, सहसचिव सुरेन्द्र कुशराम, पुजारी दिलीप सिहोरे एवं समस्त सदस्यगणों ने की है।

वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

पदमेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत चुटिया निवासी रविंद्र मन्नु सराटे (50) अपने खेत से चिचटोला परिसर से पैदल घर लौट रहा था. इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी. जिसमें उसकी मौत हो गई. फिर्यादी सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव गेडाम की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार पुलिस उपनिरीक्षक कांबले कर रहे हैं.

लाठी से मारकर किया घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के सर्वाटोला निवासी 57 वर्षीय फिर्यादी महिला की बहु गाय, बकरियों को चारा नहीं डालने को लेकर फिर्यादी पर चिल्ला रही थी. फिर्यादी ने उसे मेरी तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए नहीं डाला. मेरे पर क्यों चिल्ला रहीं है, ऐसा अपनी बहु को कहा. इसी बीच आरोपी भुपेंद्र खुमन बिसेन (35) शराब पीकर आया व फिर्यादी को देखकर कौन चिल्ला रहा है, ऐस कहते हुए गालीगलौज की. साथ ही लाठी से प्रहार कर उसे घायल कर दिया. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार कोरे कर रहे हैं।

पिता-पुत्र से मारपीट

तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

पदमेश न्यूज। गोंदिया। खेत की जमीन पर आने-जाने के रास्ते पर कंपाउंड वॉल के लिए गड्ढे खोदने से रोकने पर विवाद हो गया. इस दौरान पिता-पुत्र से मारपीट करने तथा गालीगलौज और धमकी देने के आरोप में सालेकसा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, साखरीटोला निवासी फिर्यादी देवराम मोतीराम चुटे (40) अपने खेत की ओर जाने वाले रास्ते पर कंपाउंड वॉल के लिए गड्ढे खोदने का विरोध करने पहुंचे थे. उसके साथ उसके पिता मोतीराम सितकुरा चुटे (65) भी थे. इस दौरान साखरीटोला निवासी आरोपी अनिल श्रीराम लांजेवार (52), स्वप्निल अनिल लांजेवार (26) व मंगला गोपालराव कापसे (55) ने उनके साथ गालीगलौज की. अनिल और स्वप्निल ने मोतीराम चुटे के साथ लोहे की सब्बल से मारपीट की, जिससे उसके दाहिने हाथ की हथेली में चोट आई. बीच-बचाव करने पहुंचे देवराम के साथ भी मारपीट की गई. वहीं, विवाद छुड़ाने आए देवराम के छोटे भाई को गाली देकर मारपीट करने की धमकी दी गई. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार खड़से कर रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान- बिसोनी में आंगन मिलन कार्यक्रम, पौधारोपण कर लिया संरक्षण का संकल्प

लांजी। सेवा, सम्मान और जनकल्याण के संदेश के साथ समीपस्थ ग्राम बिसोनी में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1, 2, 3 एवं 4 के संयुक्त तत्वावधान में 29 सितंबर को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, मातृ सहयोगियों, आशा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं वंदन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सरपंच श्रीमती वर्षा विजय वारे एवं श्रीमती लता कुचलाहे की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सुपरवाइजर श्रीमती ललिता वासनिक सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं मौजूद रहीं। अतिथियों ने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं देखभाल के साथ परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के कार्य की सराहना की।

पौधारोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण किया गया। अतिथियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने पौधे रोपकर उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण तैयार करने की जिम्मेदारी है।

हितग्राहियों से योजनाओं के लाभ की ली जानकारी

कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी बालिकाओं सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया गया। हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ और परिवारों को प्राप्त हो रहे सहयोग के अनुभव साझा किए। इस दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में मातृ सहयोगी समिति अध्यक्ष श्रीमती वीणा भिमटे, शौर्यादल समिति अध्यक्ष श्रीमती रामनंदनी वैद्य, सेवा समिति अध्यक्ष श्रीमती सरिता करहि, पंचगण श्रीमती सीमा श्यामकुंवर, नीरा राउत, हीरा वारे एवं श्रीमती माया चौधरी सहित कैलाश वैद्य, मीना करहि, ममता नारंग उपस्थित रहे। आशा सहयोगिनी श्रीमती माधुरी करहि, आशा कार्यकर्ता लक्ष्मी करहि तथा ग्राम की महिलाएं भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं में श्रीमती रेखा वासनिक, इंदु मेश्राम, लक्ष्मी रामटेक्कर, सीमा तेलासे, पदमा कुशले, उषा बोरकर, शारदा नारनौरे, सुनंदा कावडे, सुनीता मेश्राम, ममता नागवंशी एवं किरणमाला चौरे सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी बालिकाएं रोशनी केकती, दिव्या करहि एवं गरिमा करहि भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिवनीखुर्द
जनपद पंचायत किरनापुर,जिला बालाघाट(म.प्र.)

निविदा सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि वित्तिय वर्ष 2026-27 के विभिन्न निर्माण कार्यों मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,विधायक) सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेंस ग्रांट,एसबीएम,जनपद/जिला स्तर के कार्य, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना सहित अन्य योजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, पेवर ब्लॉक, आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत,खराड़ी,मुरम,मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी,ईट लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग,टेंकर,ट्राली,पम्प,सेनेटरी,पानी टंकी,नल जल फिटींग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री,हाईमास्क,एलईडी,लैम्प,बल्ब, स्ट्रीट लाईट,फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

कृष्ण कुमार रनगिरे, सरपंच — चुमेश मस्करे, उपसरपंच — दुर्गेश भीमटे, सचिव — ईश्वरीप्रसाद धामडे, सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत सिवनीखुर्द

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

युवक के सिर पर डंडे से किया वार : गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

आपसी रंजिश में मारपीट का आरोप मलाजखंड थाने के भीमलाट गांव की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम भीमलाट में आपसी रंजिश के चलते एक युवक के सिर पर डंडे से वार कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। घटना 29 सितंबर की रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। घायल रविंद्र पिता शिवराम मरावी 29 वर्ष को पहले बिरसा अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविंद्र मरावी खेती किसानी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। उसकी पत्नी की कोरोना काल के दौरान मृत्यु हो चुकी है और उसका करीब आठ वर्षीय बेटा है। बताया जा रहा है कि रविंद्र हाल ही में ग्राम अलना की एक युवती से विवाह करने की तैयारी कर रहा था। युवती का रविंद्र के घर आना-जाना बताया गया है।इसी बात को लेकर गांव के ही अरुण उइके द्वारा कथित तौर पर आपत्ति जताई जा रही थी। 29 सितंबर की रात रविंद्र अपने गांव में गोले नामक व्यक्ति के यहां किसी काम से गया था। इसी दौरान वहां अरुण उइके भी मौजूद था। दोनों के बीच युवती के रविंद्र के घर आने-जाने को लेकर बातचीत हुई। आरोप है कि इसी दौरान अरुण ने रविंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी।बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान अरुण ने रविंद्र को कुछ थप्पड़ मारे। रविंद्र द्वारा मारपीट करने का कारण पूछे जाने पर विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान अरुण ने डंडे से रविंद्र के सिर पर वार कर दिया।सिर पर डंडे की चोट लगते ही रविंद्र मौके पर बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों ने उसे 108 एंबुलेंस की मदद से बिरसा अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया।घटना की जानकारी मिलने के बाद मलाजखंड पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस द्वारा घटना के कारणों, मारपीट में शामिल लोगों और विवाद की वास्तविक स्थिति के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस जांच के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी।

2 गांवों से आधी रात 6 मवेशी चोरी, नागपुर तक पहुंचा मामला

पिकअप में भरकर बापड़ी-हल्बीटोला से ले जाए गए मवेशी, कलमना बाजार में मिले मालिक खुद नागपुर पहुंचकर वापस लाए जानवर, चैकिंग व्यवस्था पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम बापड़ी और हल्बीटोला से 28 सितंबर की मध्यरात्रि 6 मवेशियों को पिकअप वाहन में भरकर महाराष्ट्र ले जाने का मामला सामने आया है। पशु मालिकों ने 29 सितंबर को लांजी थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सूचना मिली कि उनके मवेशी नागपुर के कलमना बाजार में हैं। पशु मालिक खुद नागपुर पहुंचे और अपने 6 मवेशियों को वापस लेकर गांव लौटे। मामले में पिकअप वाहन और उसके चालक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया है।घटना के बाद जहां पशु मालिकों को अपने मवेशी वापस मिलने से राहत मिली है, वहीं आधी रात में दो गांवों से छह मवेशियों को पिकअप में भरकर महाराष्ट्र तक पहुंचाए जाने से अंतरराज्यीय सीमा पर निगरानी और वाहनों की जांच व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

पिकअप चालक ग्रामीणों के हाथ लगा

इधर, मवेशियों को ले जाने वाले पिकअप वाहन के चालक सुभाष फुण्डे निवासी शंभूटोला, महाराष्ट्र को पशु मालिकों और ग्रामीणों ने पकड़ लिया। उसे ग्राम कारंजा लाया गया, जहां ग्रामीणों ने उससे पूछताछ की। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक और पिकअप वाहन को अपने कब्जे में ले लिया तथा छह मवेशियों को भी लांजी थाने लाया गया।पूछताछ में चालक ने कथित तौर पर बताया कि वह शंभूटोला निवासी मुश्ताक लाल का पिकअप चलाता है। उसके अनुसार उसे कारंजा की ओर जाकर मवेशी लोड करने के लिए कहा गया था। चालक के कथित बयान के मुताबिक कारंजा बस स्टैंड पर उसकी मुलाकात महाराष्ट्र निवासी परमेश्वर भक्तवर्ती से हुई, जिसके बाद वह बापड़ी रोड की ओर गया।

बापड़ी और हल्बीटोला से तीन-तीन मवेशी लोड करने का दावा

चालक के कथित बयान के अनुसार बापड़ी रोड से तीन मवेशी वाहन में लोड किए गए। इसके बाद हल्बीटोला पहाड़ी के पास से भी तीन मवेशी वाहन में लोड किए गए। इस तरह पिकअप में कुल छह मवेशी हो गए और वाहन को नागपुर ले जाया गया।पूछताछ के दौरान बापड़ी निवासी एक व्यक्ति का नाम भी सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि, घटना में उसकी वास्तविक भूमिका क्या थी, इसकी पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

नागपुर के व्यापारियों को सौंप दिये थे मवेशी

चालक ने कथित तौर पर यह भी बताया कि छह मवेशियों को नागपुर ले जाकर कुछ व्यापारियों को सौंपा गया। उसके अनुसार इसके बाद वाहन मालिक के खाते में फोन के माध्यम से करीब 45 हजार रुपये भेजे गए। यह राशि किसने और किस उद्देश्य से भेजी, इसका खुलासा पुलिस जांच और बैंकिंग रिकॉर्ड की जांच के बाद ही होगा।

चेकपोस्ट पार कर महाराष्ट्र कैसे पहुंचा वाहन?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल अंतरराज्यीय सीमा पर निगरानी व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। पुलिस द्वारा सीमा क्षेत्रों में चेकपोस्ट और वाहनों की जांच की व्यवस्था होने के बावजूद यदि आधी रात में छह मवेशियों से भरा पिकअप महाराष्ट्र पहुंचा, तो रास्ते में वाहन की जांच हुई या नहीं, यह जांच का विषय है।यदि वाहन की जांच हुई थी तो मवेशियों के परिवहन से संबंधित दस्तावेज क्या पाए गए और उनकी जानकारी दर्ज की गई या नहीं? वहीं यदि वाहन की जांच नहीं हुई तो इसकी वजह क्या रही? इन सवालों के जवाब पुलिस जांच में सामने आ सकते हैं।

रात में संदिग्ध वाहनों की जांच की मांग

घटना के बाद ग्रामीणों ने रात के समय गांवों में आने-जाने वाले पिकअप, बोलेरो और अन्य मालवाहक वाहनों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि पशु उनके लिए आर्थिक संपत्ति हैं और एक साथ छह मवेशियों का चोरी होना गंभीर मामला है। उन्होंने मांग की है कि मामले में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की जाए।

3 पशु मालिको के 6 मवेशी हुए थे चोरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 सितंबर की रात बापड़ी और हल्बीटोला गांव से छह मवेशी गायब हुए। सुबह पशु मालिकों को जब अपने मवेशी नहीं मिले तो उन्होंने आसपास तलाश की। इसके बाद बापड़ी निवासी कमलचंद पिता जयलाल बनोथे तथा हल्बीटोला निवासी रूपचंद राऊत और जितेंद्र खोबरागड़े ने 29 सितंबर को लांजी थाने पहुंचकर शिकायत की।बताया गया कि तीनों पशु मालिकों के कुल छह मवेशी गायब थे। शिकायत के बाद मवेशियों की तलाश की जा रही थी, तभी उनके नागपुर के कलमना बाजार में पहुंचने की सूचना मिली थी।

मालिको ने नागपुर पहुँचकर, वापस लाए मवेशी

उधर मवेशियों के नागपुर में होने की जानकारी मिलते ही पशु मालिकों ने लांजी पुलिस को सूचना दी और स्वयं वाहन से नागपुर रवाना हो गए। दूसरी ओर पुलिस टीम भी मामले की गंभीरता को देखते हुए रवाना हुई और गोंदिया तक पहुंची। गोंदिया में पुलिस ने पशु मालिकों से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि उनके मवेशी नागपुर में मिल गए हैं और वे उन्हें लेकर वापस लौट रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम लौट आई और पशु मालिक छह मवेशियों को लेकर गांव पहुंच गए।

जांच के बाद सामने आएगी पूरी हकीकत

फिलहाल पिकअप वाहन और चालक पुलिस के कब्जे में हैं तथा छह मवेशी अपने मालिकों के पास वापस पहुंच चुके हैं। मामले में वाहन मालिक मुश्ताक लाल, परमेश्वर भक्तवर्ती, एक स्थानीय व्यक्ति और चालक सुभाष फुण्डे के संबंध में पुलिस जांच कर रही है। आरोपों की पुष्टि उपलब्ध साक्ष्यों, पूछताछ और अन्य जांच के बाद ही होगी। अब पुलिस जांच में यह स्पष्ट होना है कि दो गांवों से मवेशियों को किस तरह नागपुर तक पहुंचाया गया और इस पूरी घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे।

साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास, 2 अक्टूबर को साहित्य गोष्ठी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिंदी साहित्य पखवाड़े के समापन अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को नगर पालिका सभागार में साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इसमें जिले के 30 से अधिक साहित्यकार अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।आयोजन को लेकर बुधवार 30 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान सहमत संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था द्वारा साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने तथा आम लोगों को साहित्य से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से हिंदी साहित्य पखवाड़े के समापन पर साहित्य गोष्ठी आयोजित की जा रही है।पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साहित्य के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को सामने लाना और साहित्य को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। संस्था के प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग साहित्यिक गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।उन्होंने बताया कि भविष्य में प्रत्येक रविवार को सहमत संस्था कार्यालय में साहित्य परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। यह परिचर्चा दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। इसके साथ ही मातृशक्ति के लिए भी विशेष साहित्यिक परिचर्चा आयोजित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को साहित्यिक गतिविधियों से जोड़कर उनकी प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा सके।पत्रकार वार्ता के दौरान सहमत संस्था के संरक्षक रमेश रंगलानी, अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, अशोक सागर मिश्रा, सुभाष गुप्ता, मोहन आचार्य, दीपक जैन बिट्टू, कौशल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर- 61 वर्षीय व्यक्ति घायल

सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड के सामने हादसा : टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में बिरसा रोड स्थित सांदीपनी विद्यालय के सामने बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार संपत सिंह पिता झगलू सैय्याम 61 ग्राम चारटोलानिवासी घायल हो गए। घायल को उपचार के लिए बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संपत सिंह खेती-किसानी का काम करते हैं। 30 सितंबर की सुबह करीब 8.30 बजे वे अपने घर से मोटरसाइकिल लेकर भीमजोरी स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने गए थे। पेट्रोल भरवाने के बाद करीब 9 बजे वे मोटरसाइकिल से अपने घर चारटोला लौट रहे थे।इसी दौरान बिरसा रोड पर सांदीपनी विद्यालय के सामने पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि संपत सिंह मोटरसाइकिल सहित सड़क किनारे जा गिरे और घायल हो गए। हादसे में उनकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल संपत सिंह को सड़क से उठाया। बताया गया कि कालू ग्राम भीमजोरी निवासी सहित अन्य लोगों ने घायल सम्पतसिह की मदद की और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।वहीं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मलाजखंड की ओर फरार हो गया।

पुलिस ने दर्ज किया मामलाट्रक की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलने पर मलाजखंड पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध धारा 125(ए), 281 भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 184 मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।पुलिस द्वारा फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश की जा रही है।हादसे के संबंध में पुलिस आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने के साथ ट्रक की पहचान के प्रयास कर रही है।

पेशी से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने बालाघाट बस स्टैंड से पकड़ा

चार साल पुराने चोरी के मामले में जारी हुआ था स्थायी वारंट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा लंबित स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की तामीली एवं फरार तथा वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्थायी वारंट में लंबे समय से वांछित आरोपी को बालाघाट बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपी कमलेश भज्जे पिता सुरेश भज्जे 27 वर्ष ग्राम मानपुर थाना लालबर्रा निवासी है।पुलिस ने इस आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया।

लालबर्रा पुलिस के अनुसार आरोपी कमलेश भज्जे ग्राम मानपुर, थाना लालबर्रा निवासी है जिसके विरुद्ध वर्ष 2021 में चोरी के मामले में धारा 379 एवं 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जमानत पर रिहा होने के बाद न्यायालय में निर्धारित पेशियों पर उपस्थित नहीं हो रहा था, जिसके चलते न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।मामले में माननीय न्यायालय श्रीमती दिव्या सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वारासिवनी के न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 370/2021, अपराध क्रमांक 342/2021, धारा 379, 34 भादवि में स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।पुलिस को जानकारी मिली थी कि वारंट में वांछित आरोपी कमलेश भज्जे ग्राम बड़ा जागपुर, थाना भरवेली क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के घर रहकर बालाघाट नगर में मजदूरी कर रहा था और फरारी काट रहा था। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।इसी दौरान पुलिस टीम को आरोपी के बालाघाट बस स्टैंड क्षेत्र में होने की सूचना मिली। 30 सितंबर को सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बालाघाट बस स्टैंड से कमलेश भज्जे को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद न्यायालय द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट की विधिवत तामीली करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी राजमल दायमा, थाना लालबर्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई।वारंट तामीली टीम में पुलिसकर्मचारी प्र.आर. बिसराम धुर्वे,प्र.आर. अजय कानतोडे,प्र.आर. महेन्द्र तुरकर,प्र.आर. कृष्णा कुमार पटले,आर. हरिकृष्ण राठौर,आर. पवनजीत चौधरी शामिल रहे।थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा लंबित स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की तामीली तथा फरार एवं वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान लगातार जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में आरोपी अमर सिंह कौशल को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में कुल 12 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम की अदालत ने सुनाया।

कार्यक्रम में परिवार के साथ गई थी बालिका

अभियोजन के अनुसार मामला जिले के बिरसा थाना क्षेत्र का है। घटना 28 मार्च 2025 की रात की बताई गई है। नाबालिग बालिका अपने माता-पिता के साथ पड़ोस में आयोजित एक कार्यक्रम में गई थी। कार्यक्रम के दौरान बालिका खेल रही थी।जबकि उसकी मां खाना बनाने में व्यस्त थी और पिता अन्य लोगों के साथ बैठे थे। रात करीब 8.30 बजे बालिका ने अपनी मां को घटना के संबंध में जानकारी दी कि वह चिंगम लेने अमर सिंह नाना की दुकान पर गई थी। अमर सिंह ने उसे बहाने से अपने घर के अंदर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

रात में आरोपी के घर पहुंचे परिजन

घटना की जानकारी मिलने के बाद बालिका ने अपनी मां को पूरी बात बताई। मां ने घटना की जानकारी अपने पति को दी। इसके बाद परिजन बालिका को लेकर अमर सिंह के घर पहुंचे। जिसके घर का दरवाजा अंदर से बंद था और काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खोला गया।रात अधिक होने के कारण उसी समय पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जा सकी। अगले दिन 29 मार्च 2025 को बालिका की मां अपने पति और बेटी के साथ बिरसा थाना पहुंची और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

विभिन्न धाराओं में दर्ज किया था मामला

रिपोर्ट के आधार पर बिरसा पुलिस ने आरोपी अमर सिंह कौशल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो एक्ट तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने

आरोपी अमर सिंह को गिरफ्तार कर मामले की विवेचना की और अनुसंधान पूर्ण होने के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दोषी करार

मामले की सुनवाई विशेष पॉक्सो न्यायालय में हुई। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रकरण की परिस्थितियों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना।न्यायालय ने आरोपी अमर सिंह कौशल को धारा 65 भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड, जबकि धारा 3(1)डब्ल्यू(1) एससी/एसटी एक्ट के तहत एक वर्ष के कठोर कारावास और 2 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।इस प्रकार विभिन्न धाराओं में लगाए गए अर्थदंड की कुल राशि 12 हजार रुपये है।

विशेष लोक अभियोजक ने की प्रभावी पैरवी

प्रकरण में अभियोजन की ओर से कपिल कुमार डहेरिया, सहायक संचालक/विशेष लोक अभियोजक बालाघाट ने प्रभावी पैरवी की। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को निर्धारित सजा भुगतनी होगी।नाबालिग पीड़िता की पहचान कानूनन गोपनीय रखी गई है।

डीएनए रिपोर्ट और उम्र संबंधी साक्ष्य रहे महत्वपूर्ण - विशेष लोक अभियोजक

विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डेहरिया ने बताया कि मामला थाना बिरसा क्षेत्र का है। 28 मार्च 2025 की रात अभियोक्त्री अपने परिवार के साथ पड़ोस में आयोजित कार्यक्रम में गई थी। इसी दौरान आरोपी उसे चिंगम देने के बहाने अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।घटना के संबंध में बिरसा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने प्रकरण को विवेचना में लिया और अनुसंधान पूर्ण होने के बाद आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि मामले के विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों में डीएनए रिपोर्ट महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में सामने आई। इसके साथ ही अभियोक्त्री की उम्र 11 वर्ष होना भी अभिलेखों और साक्ष्यों से प्रमाणित हुआ। इन साक्ष्यों सहित प्रकरण में आए अन्य सकारात्मक साक्ष्यों के आधार पर विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम ने आरोपी को दोषी पाया।उन्होंने बताया कि न्यायालय द्वारा आरोपी को पॉक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है।

तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर पलटी, 3 मजदूर घायल

पदमेश न्यूज।बालाघाट।तिरोड़ी थाना क्षेत्र की गर्रा चौकी और हाथौड़ा के बीच मंगलवार की रात करीब पौने आठ बजे तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में बोलेरो सवार 3 मजदूर घायल हो गए, जबकि अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल एक मजदूर को कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।जहां उसका उपचार जारी है।उधर हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।मौके पर पहुची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बोलेरो में सवार होकर चिखलाबांध गए थे 8 मजदूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सावरगांव निवासी ज्ञानदास नेवारे, संतोष नेवारे, अशोक भलावे सहित 8 मजदूर रोज की तरह मजदूरी करने के लिए बोलेरो में सवार होकर चिखलाबांध गांव गए थे। दिनभर मजदूरी करने के बाद सभी बोलेरो वाहन में सवार होकर वापस अपने गांव सावरगांव लौट रहे थे। इसी दौरान गर्रा चौकी और हाथौड़ा के बीच चालक ने वाहन तेज गति से दौड़ाया, जिससे बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।

गंभीर घायल को जिला अस्पताल भेजा

हादसे में ज्ञानदास नेवारे, संतोष नेवारे और अशोक भलावे घायल हुए। सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचाया गया। ज्ञानदास नेवारे की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि संतोष नेवारे और अशोक भलावे का कटंगी अस्पताल में उपचार जारी है। बोलेरो में सवार अन्य मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं।

चालक के खिलाफ मामला दर्ज-दियेवार

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार ने बताया कि प्रथम दृष्टया वाहन तेज गति से चलाए जाने के कारण हादसा होना सामने आया है। पुलिस ने बोलेरो चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

आस-पास की खबरें

युवा उमेश बाहेश्वर को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के नदीटोला निवासी ग्राम मरार माली समाज के युवा सदस्य, राजस्व विभाग के अंतर्गत सर्वेयर का कार्य कर रहे 28 वर्षीय उमेश/रामदयाल बाहेश्वर का बुधवार को सुबह अचानक तबियत खराब

होने एवं हृदय गति रूक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। जिनके निधन की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं शाम को गमगीन माहौल के बीच अमोली स्थित मोक्षधाम में स्व. उमेश बाहेश्वर का शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस शव यात्रा में उपस्थित जनसमुदाय ने युवक स्व. बाहेश्वर को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी 28 वर्षीय उमेश बाहेश्वर इलेक्ट्रानिक्स उपकरण सुधारने के अलावा राजस्व विभाग के अंतर्गत सर्वेयर का काम करता था। बुधवार को सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच अचानक तबियत खराब होने एवं हृदयगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। इतने कम अल्पायु में इस दुनिया से ग्राम मरार समाज के युवा सदस्य, राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करने वाले सर्वेयर उमेश बाहेश्वर के चले जाने से उनके परिजनों, शुभचिंतकों में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. उमेश बाहेश्वर एक सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे। जिनकी मृत्यु की खबर लगने पर ग्रामीणों को कुछ देर के लिए विश्वास नही हो पा रहा था कि इतनी अल्पायु में वे इस दुनिया से अलविदा हो गये। जिसके बाद चित-परिचित उनके निवास स्थान पहुंचे और परिजनों से चर्चा की तब उन्हे विश्वास हुआ है उमेश का निधन हो गया है। स्व. उमेश बाहेश्वर अपने पीछे मॉ-बाप, पत्नि, दो छोटे बच्चें, भाई सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार बुधवार की शाम 7 बजे अमोली स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की है। इस अवसर पर ग्रामीणजन, नाते-रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

88 मत्स्यपालकों ने लिया विभागीय प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मत्स्योद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 का विभागीय मत्स्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 88 मत्स्यपालकों ने भाग लिया और वे मत्स्यपालन के साथ ही विभागीय योजनाओं के लाभ से भी अवगत हुए। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग जबलपुर संभाग, जबलपुर गिरीष मेश्राम की उपस्थिति रही। संयुक्त संचालक मेश्राम ने प्रशिक्षणार्थियों से मत्स्यपालन को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान हृस्नष्ठक्क पोर्टल पर पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना, बचत सह राहत योजना सहित विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य मत्स्यपालकों को विभागीय योजनाओं एवं सुविधाओं से अवगत कराकर उनका लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट श्रीमती पूजा रोड़गे, सहायक मत्स्य अधिकारी व्ही.के. मेश्राम, श्रीमती वैशाली मेश्राम, रितेश चौधरी सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिपरिया छि. पटेलटोला के शास. माध्य. स्कूल में शिक्षकों की कमी

एक शिक्षक के भरोसे 3 कक्षा, शिक्षकों के अभाव में ठप पड़ा अध्यापन कार्य, अभिभावकों में आक्रोश

व्यवस्था न सुधरने पर बच्चों का टीसी (स्थानांतरण पत्र) कटवाने को मजबूर हुए अभिभावक, दो शिक्षक की नियुक्ति की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शिक्षा के क्षेत्र में शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित कर शिक्षा को बढ़ावा देने का दावा किया जा रहा है। लेकिन शिक्षकों की कमी को दुर करने हेतु कोई सार्थक प्रयास नही किये जा रहे है। ऐसी स्थिति में कुछ स्कूलों में नियमित शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल का सामने आया है। जहां शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों का भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। स्कूल में पर्याप्त शिक्षक न होने की वजह से अध्यापन कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो चुका है, जिससे छात्र-छात्राओं की नियमित पढ़ाई भगवान भरोसे चल रही है। इस तरह से माध्य. स्कूल में तीन कक्षाएं एक शिक्षक के भरोस चल रहा है। वहीं शिक्षा विभाग की लचर व्यवस्था के प्रति बच्चों के अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। बुधवार को बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक स्कूल पहुंचकर प्रभारी प्रधानपाठक तरूणकुमार तितरमारे से मुलाकात कर दो शिक्षकों की जल्द व्यवस्था करने की मांग की है। वहीं उक्त मांगे पूरी नही होने पर बच्चों की टीसी निकालकर दुसरे विद्यालय में प्रवेश दिलवाने की चेतावनी दी है। इस तरह से पिपरिया छि. पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल में दो नियमित या फिर अतिथि शिक्षिकों की नियुक्ति नही की गई तो सभी 52 बच्चों के अभिभावक अपने-अपने बच्चों की टीसी निकालने मजबूर हो जायेगें। इसलिए प्रशासन को स्कूल में चल रही शिक्षकों की कमी को जल्द दुर करना चाहिए।

अभिभावकों में शिक्षा विभाग एवं प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूल में कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक कुल 52 छात्र-छात्राएं दर्ज है। वहीं माध्यमिक स्तर की कक्षाओं को संचालित करने के लिए नियमानुसार 3 शिक्षक होने चाहिए, लेकिन एक मात्र शिक्षक प्रभारी प्रधानपाठक तरूणकुमार तितरमारे पदस्थ है। जिनके पास बच्चों को पढ़ाने के साथ ही स्कूल संबंधित कार्य की भी जिम्मेदारी है। इस तरह से स्कूल में लंबे समय से दो पद खाली पड़े हैं। शिक्षक नहीं होने के कारण बच्चे रोजाना स्कूल तो पहुंचते हैं और शिक्षक श्री तितरमारे के द्वारा गणित, विज्ञान विषय पढ़ाया जा रहा है। उसके बाद अन्य विषयों के शिक्षक न होने पर बिना पढ़ाई किये बच्चें वापस लौट आते हैं और इस सत्र के तीन माह बीत चुका है, ऐसी स्थिति में बचों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ ही उनका भविष्य अंधकार मय नजर आ रहा है। शिक्षकों की कमी के कारण स्कूल में पढ़ाई न होने से नाराज छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने शिक्षा विभाग और प्रशासन के प्रति गहरा असंतोष और नाराजगी व्यक्त की है। अभिभावकों का कहना है कि वे अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद में सरकारी स्कूल भेजते हैं, लेकिन यहां बुनियादी शैक्षणिक सुविधा ही उपलब्ध नहीं है।

टीसी कटवाकर अन्य स्कूलों में प्रवेश दिलाने की चेतावनी

ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा जल्द ही विद्यालय में दो शिक्षकों की पदस्थापना नहीं की गई, तो वे अपने बच्चों का नाम यहां से कटवाने के लिए मजबूर होंगे। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होते नहीं देख सकते और मजबूरी में उन्हें अपने बच्चों को अन्य निजी या दूरस्थ स्कूलों में प्रवेश दिलाना पड़ेगा। अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से पिपरिया छि. पटेलटोला के शास. मा. स्कूल में स्थायी या वैकल्पिक शिक्षकों की व्यवस्था की जाये ताकि बच्चों का शैक्षणिक सत्र खराब न हो।

शिक्षक की पदस्थापना नही होने पर टीसी निकालेगें - अभिभावक

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष सुखदेव बाहेश्वर, अभिभावक नंदलाल पंचेश्वर ने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक के लिए एक मात्र शिक्षक है, जबकि तीन पद स्वीकृत है लेकिन एक ही शिक्षक होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस संबंध में संकुल प्राचार्य को भी अवगत करवा दिया गया है, लेकिन समस्या का समाधान नही हो पा रहा है। आगे बताया कि अपने बच्चों के भविष्य को अंधकार में नहीं देख सकते। यदि शिक्षा विभाग जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति नहीं करता है, तो सभी अभिभावक टीसी निकालकर दुसरे स्कूल में दाखिला करवायेगें। ऐसे में विद्यालय के बंद होने की नौबत भी आ सकती है।

उच्चाधिकारियों को समस्या से करवा दिये है अवगत - तितरमारे

स्कूल के प्रभारी प्रधानपाठक तरूणकुमार तितरमारे ने बताया कि शिक्षकों के अभाव से पढ़ाई प्रभावित हो रही है, मैं गणित और विज्ञान विषय पढ़ाता हूं, लेकिन अन्य विषयों के लिए विषयवार शिक्षक न होने के कारण सभी कक्षाओं को सही समय और ध्यान देने में परेशानी होती है। नियमित शिक्षकों के अलावा अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के लिए भर्ती पोर्टल पर रिक्त पद प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं। इसलिए अतिथि शिक्षक की भी नियुक्ति नही कर पा रहे है, इस समस्या से शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है।

वैकल्पिक व्यवस्था की गई है - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में शास. उमावि. जाम संकुल प्राचार्य एमंत ठाकरे ने बताया कि पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. मा. स्कूल में वर्तमान में एक ही शिक्षक पदस्थ है, जबकि तीन शिक्षक के पद स्वीकृत है। लेकिन वर्तमान में शिक्षक विभाग के पोर्टल में दो शिक्षक केरिक्त पद नही दिख रहा है। इसलिए अतिथि शिक्षक की भी नियुक्ति नही कर पा रहे है, इस संबंध में शिक्षा विभाग के उ%चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। श्री ठाकरे ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दुसरे विद्यालय से एक शिक्षक की व्यवस्था की गई है ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो सके। लेकिन हमारा पुरा प्रयास है कि उक्त विद्यालय में शिक्षकों की कमी को दुर जल्द जिला प्रशासन करें।

जहरीले सर्प के काटने से किसान सुखराम की मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर में सर्पदंश की एक दु:खद घटना सामने आई है। 57 वर्षीय कृषक सुखराम गोले की जहरीले सांप के काटने से अकाल मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखराम गोले पेशे से किसान थे। वे रोजाना की तरह बुधवार की सुबह अपने खेत में कृषि कार्य एवं घास काटने के लिए गये थे। इसी दौरान अचानक खेत की मेढ़ से जाते समय उनके पैर में एक जहरीले सर्प ने डस लिया। जिसे देखकर वे घबरा गये और तुरंत घर पहुंचे एवं परिजनों को घटना की जानकारी दी। वहीं सुखराम ने खेत में जहरीले सर्प के काटने की जानकारी परिजनों को देने के कुछ ही देर बाद वहां बेसुध हो गये। जिसके बाद परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने परिवार के एकमात्र मुखिया थे। जिनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं, जिनमें से दोनों बेटियों का विवाह हो चुका है। परिवार के कमाऊ सदस्य की अचानक इस तरह मृत्यु हो जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे बल्हारपुर गांव में शोक की लहर व्याप्त है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। चर्चा में बल्हारपुर सरपंच सेवन काटेकर ने बताया कि सुखराम गोले सुबह खेत कृषि कार्य से गया था, इसी दौरान जहरीले सर्प ने काट दिया, जिन्हे बेसुध अवस्था में अस्पताल लेकर आये थे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक परिवार का मुखिया था, जिनके परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

समाज के विकास में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है-किशोर

महाविद्यालय में "नमो सेवा अनकही कहानिया" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में बुधवार को सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'नमो सेवा अनकही कहानियॉ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सेवा, समर्पण, जनकल्याण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना रहा। यह कार्यक्रम जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'नमो सेवा अनकही कहानियॉ' कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.ए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई एवं निबंध और चित्रकला प्रतिभागियों को उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों से कहा कि सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन, जिम्मेदारी, सहयोग एवं संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है एवं स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए बाहरी स्व'छता के साथ-साथ विचारों एवं आचरण की स्वच्छता भी आवश्यक है। जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल जी ने 'नमो सेवा-अनकही कहानी' विषय पर व्याख्यान देते हुए सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सरोकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के विकास में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है तथा सेवा भाव से किये गये छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है। भाजयुमो नगराध्यक्ष संजू अवधिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणादायी जीवन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे साधारण परिवार जन्म लेने के बावजूद कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की बल पर जीवन में निरन्तर प्रगति की। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि वर्ष 2027 तक विकसित भारत की दिशा में युवा शक्ति, शिक्षा, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता, विज्ञान एवं तकनीक, नवाचार तथा नागरिकों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण आधार है। वहीं कार्यक्रम प्रभारी नरेश सौलखे ने एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती संध्या भलावे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुस्ताक खान एवं गौरव ठाकुर की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेड़ाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, डॉ. हृषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

किसान गर्जना संगठन ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। किसान गर्जना संगठन लालबर्रा के द्वारा क्षेत्र के किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर 30 सितंबर को लालबर्रा विश्राम गृह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक संगठन के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद चौधरी की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित संगठन के पदाधिकारी एवं किसानों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत करवाये जिसमें क्षेत्रीय किसानों ने कहा कि कीट माऊ प्रकोप से फसल खराब हो चुकी है, साथ ही बघोली सहित आसपास के ग्रामों में बंदरों एवं अन्य वन्य प्राणी के द्वारा तुअर, धान, गन्ने की फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, कृषि कार्य हेतु नियमित बिजली नही मिलने, किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल में खरीदी करने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उक्त मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में सरकार के विरोध में रेल रोका आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की गई है। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम को कीट माउ के प्रकोप से जो फसल खराब हुई है उसका सर्वे कर मुआवजा दिये जाने, बैल बाजारों में हो रही अवैध वसूली एवं गो-तस्करी पर पूर्ण रोक लगाने, धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रदान करने हेतु मुख्यमंती तक ज्ञापन पहुंचने की मांग तहसीलदार, विद्युत विभाग से नियमित रूप से 10 घंटे बिजली प्रदाय करने, अन्य समस्या का निराकरण सहित अन्य मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की है। वहीं मांगे पूरी नही होने पर प्रशासन को रेल रोको आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

आवारा मवेशियों से सड़कों पर बढ़ा खतरा

राहगीरों की सुरक्षा पर मंडरा रहा संकट : प्रमुख मार्गों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर विचरण, रात में सड़क पर डेरा कार्यवाही के बावजूद नहीं थम रही समस्या

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी के साथ साथ दुर्घटना का कारण बनती जा रही है। नगर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्र और रहवासी इलाकों में बड़ी संख्या में मवेशी खुलेआम विचरण करते दिखाई देते हैं। दिन के समय जहां ये सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर घूमते रहते हैं वहीं रात होते ही कई मवेशी सड़कों पर बैठ जाते हैं। ऐसे में अंधेरे के कारण वाहन चालकों को मवेशी दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

आवारा मवेशियों से कई लोगों की जा चुकी है जान

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में आवारा मवेशियों की समस्या कोई नई नहीं है बल्कि यह कई वर्षों से बनी हुई है। समय समय पर नगर पालिका परिषद के द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए कार्यवाही की जाती रही है ,लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। कार्यवाही के बाद कुछ समय तक स्थिति में सुधार दिखाई देता है लेकिन पुन: बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर नजर आने लगते हैं। आवारा मवेशियों की समस्या नगर के मध्य क्षेत्र के साथ ही रामपायली रोड, बालाघाट रोड़ और लालबर्रा रोड़ पर भी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। इसके अलावा नगर मुख्यालय से लगे ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ला एवं सिकंद्रा क्षेत्र में भी दिनभर मवेशियों के झुंड घूमते रहते हैं। कई बार मवेशी अचानक सड़क पर आ जाते हैं अथवा आपस में धमा चौकड़ी करते हुए वाहन चालकों के सामने पहुंच जाते हैं। जिससे दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो जाती है। रात के समय समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। सड़कों पर बैठे मवेशी अंधेरे में वाहन चालकों को आसानी से दिखाई नहीं देते। तेज गति से आने वाले वाहन जब अचानक मवेशियों के सामने पहुंचते हैं तो दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है। पूर्व में भी सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। नगर पालिका द्वारा पकड़े गए आवारा मवेशियों को कांजी हाउस में रखने के बाद संबंधित मवेशी मालिक उन्हें वापस ले जाते हैं ,लेकिन इसके बाद कई मवेशी पुन: सड़कों पर छोड़ दिए जाते हैं। इससे नगर पालिका की कार्यवाही का अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ पाता और कुछ समय बाद वही समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है। केवल आवारा मवेशियों को पकड़ना ही समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसके साथ ही ऐसे मवेशी मालिकों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही की आवश्यकता है जो अपने मवेशियों को खुले में छोड़ देते हैं। आवारा मवेशियों के कारण लगातार बनी दुर्घटना की आशंका को देखते हुए राहगीरों और स्थानीय रहवासियों ने शासन प्रशासन से प्रभावी कार्यवाही की मांग की है।

आवारा पशु मालिकों पर हो कार्यवाही-सदन मानेश्वर

ग्रामीण सदन मानेश्वर ने बताया की मवेशी रोड़ पर बैठे रहते हैं दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है और दिनभर यह इधर उधर घूमते हैं। मवेशी शहर के पशुपालकों के हैं जिन्हें वह अपने घर में नहीं रखते हैं घूमने के लिए छोड़ देते हैं। जबकि इन्हें व्यवस्थित घरों में रखना चाहिए लंबे समय से यह समस्या हर तरफ बनी हुई है। रात में खतरा और ज्यादा हो जाता है काले रंग के जानवर दिखते नहीं है दुर्घटनाएं होती है और शहरी क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र की तरफ भी यह मवेशी आते हैं। रोड पर चलना सुरक्षित नहीं रहा है मुश्किल हो गया है ,नगर पालिका कार्यवाही करती है परंतु पशु मालिक उन्हें घरों में नहीं रखते स्वयं उन्हें सड़कों पर घूमने के लिए वह छोड़ते हैं जो बंद होना चाहिए।

आवारा पशु मालिको को शर्म आना चाहियें किसी भी जान जा सकती है-विरेन्द्र पारधी

नगरवासी विरेंद्र पारधी ने बताया कि आवारा मवेशी पूरी तरह सड़कों पर बैठे रहते हैं दिनभर इधर उधर घूमते हैं लोगों की दुर्घटनाएं अधिकतर आवारा मवेशियों से होती है। खेती में भी अभी लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं नगर पालिका कार्यवाही करती है तो तत्काल में मवेशी भाग जाते हैं फिर अगले दिन उतने ही मवेशी सामने बैठे रहते हैं। यह जो क्रम है वह खत्म नहीं हो रहा है समस्या यथावत बनी हुई है। धोखा होने में २ मिनट लगता है किसी के जीवन की हानि हो सकती है। यह जो आवारा मवेशी जिन किसी पशु मालिकों के हैं उन्हें अपने मवेशियों को अपने घरों में रखना चाहिए।

आवारा पशुओं को कांजी हाऊस छोड़ने की कार्यवाही की जायेगी-सूर्यभानसहिं पुसाम

सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम ने बताया कि हमारा गांव शहर से लगा हुआ है यहां पर चरागाह नहीं है। लोग मवेशी दूध उत्पादन के लिए पालते हैं फिर उसे छोड़ देते हैं यातायात अभी बढ़ चुका है यह सड़कों पर बैठ जाते हैं ,हटते नहीं है इस दौरान कार्यवाही भी करो तो कुछ दिन होती है फिर कोई इसका पालन नहीं करता। पंचायत के माध्यम से हमारे द्वारा मुनादी करवाई गई थी और करवा दी जाएगी कि लोग अपने मवेशियों को बांधकर रखें। फिर भी कुछ नहीं होता है तो इन मवेशियों को कायदी कांजी हाउस या गौशाला में छोड़ने का काम पंचायत के द्वारा किया जाएगा।

दीपिका अग्रवाल हत्याकांड में आरोपी को आजीवन कारावास

पति के साथ रामपायली मंदिर से दर्शन कर लौट रही महिला पर चाकू से किया था हमला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली में मंदिर दर्शन कर पति के साथ स्कूटर से लौट रही महिला की चाकू से हमला कर हत्या करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर ३ हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। प्रकरण की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायालय की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कविता इनवाती के न्यायालय में सत्र प्रकरण क्रमांक ३०/२०२४ शासन विरुद्ध रमाराम घुले के रूप में हुई। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक आर के दुबे ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार ७ दिसंबर २०२३ को मृतिका दीपिका अग्रवाल अपने पति अक्षय अग्रवाल के साथ रामपायली स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन करने गई थी। उस समय रामपायली में मेला लगा हुआ था। रात करीब ८.३० बजे दोनों स्कूटर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मदनलाल मेमोरियल स्कूल के सामने कुम्हारी मोहल्ला के पास आरोपी ने उनके स्कूटर को टक्कर मार दी। इससे स्कूटर डगमगा गया और पति वाहन संभालने लगे इसी दौरान दीपिका सड़क पर गिर गई। तभी आरोपी ने धारदार चाकू से दीपिका पर लगातार वार किए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। संजय चौहान , प्रभात अग्रवाल और गोपाल अग्रवाल सहित अन्य लोगों की मदद से उसे पहले रामपायली अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे वारासिवनी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना में उसके पति को भी चोटें आई थीं। मामले में रामपायली पुलिस ने महाराष्ट्र निवासी आरोपी के खिलाफ हत्या सहित धारा ३०२,२०१,३२३,५०६ तथा आर्म्स एक्ट की धारा २५ के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था। अभियोजन ने न्यायालय के समक्ष गवाहों और अन्य साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। न्यायालय ने अभियोजन की कहानी की पुष्टि करते हुए आरोपी को धारा ३०२ और ३२३ के तहत दोषसिद्ध किया। अतिरिक्त लोक अभियोजक आर के दुबे ने बताया कि न्यायालय ने आरोपी को धारा ३०२ के तहत आजीवन कारावास तथा ३ हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। फैसले से मृतिका के परिजनों को न्याय मिला।

महेश्वर नगर में हथियार लेकर घूमते दिखे पांच संदिग्ध

दो घरों के टूटे ताले नगर में लगातार चोरी की घटनाओं से रहवासियों में दहशत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ८ स्थित महेश्वर नगर कॉलोनी में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात पांच संदिग्ध लोगों के हथियार लेकर घूमने और चोरी की नीयत से घरों में घुसने का मामला सामने आया है। रहवासियों के अनुसार संदिग्धों की गतिविधियां कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। घटना के बाद कॉलोनी के लोगों में भय का माहौल है। कॉलोनी वासियों के द्वारा ३० सितंबर को थाना वारासिवनी में दिए गए आवेदन में बताया कि रात करीब २ बजे से ३ बजे के बीच पांच अज्ञात व्यक्ति कॉलोनी में घूमते दिखाई दिए। संदिग्धों ने करीब तीन घरों में प्रवेश किया। जिसमें संतोष चौधरी के मकान के गेट और मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर का सामान अस्त व्यस्त किया गया। वहीं जे एस चौबे के मकान के मुख्य दरवाजे का ताला और कुंडी भी टूटी मिली। तीसरे मकान में प्रवेश किए जाने की भी जानकारी आवेदन में दी गई है। रहवासियों ने बताया कि महेश्वर नगर में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। वहीं हाल के दिनों में वारासिवनी के वार्ड नंबर ५ स्थित विश्वकर्मा मंदिर और सांई मंदिर में ताले तोड़कर दान पेटियां चोरी किए जाने की घटना सामने आई थी। इससे पहले भी नगर में मंदिरों, सूने मकानों और अन्य स्थानों पर चोरी की घटनाएं सामने आने से लोगों में चिंता बनी हुई है। महेश्वर नगर के रहवासियों ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में मामले की जांच कर अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फु टेज खंगालने तथा कॉलोनी में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। रहवासियों ने लोगों से रात के समय सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग बदहाल

गड्ढों और कटाव से बढ़ा दुर्घटना का खतरा, एक वर्ष से खस्ताहाल सड़क, ग्रामीणों ने मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण की करी मांग की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला से झाड़गांव को जोड़ने वाले करीब ढाई किलोमीटर लंबे डामर मार्ग की स्थिति लंबे समय से बदहाल बनी हुई है। सड़क की डामर परत जगह जगह से उखड़ जाने के कारण छोटे.बड़े गड्ढे बन गए हैं,वहीं सड़क के किनारों पर कटाव होने से साइड शोल्डर भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इसके चलते इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणों एवं राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस खराब सड़क के कारण कई बार दुर्घटना की स्थिति भी निर्मित हो चुकी है।

डामर की परत उखड़ने से गड्ढों का लगा अंबार

गर्राटोला से झाड़गांव जाने वाला यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस मार्ग से रामपायली, मोहगांव, थानेगांव सहित आसपास के विभिन्न गांवों के ग्रामीण झाड़गांव, मेढ़की, पदमपुर, डोंगरमाली सहित अन्य क्षेत्रों में आवागमन करते हैं। वहीं झाड़गांव सहित आसपास के ग्रामीणों का वारासिवनी मुख्यालय आना जाना भी इसी मार्ग से होता है। सुबह से देर रात तक इस सड़क पर दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के साथ बस, ट्रक और ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। लेकिन वर्तमान में सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि कई स्थानों पर डामर की परत पूरी तरह उखड़ चुकी है। इससे सड़क पर छोटे बड़े गड्ढे बन गए हैं और गिट्टी निकलकर सड़क पर बिखरी हुई है। बारिश एवं लगातार वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क के किनारे भी कटने लगे हैं जिससे कई स्थानों पर सड़क और साइड शोल्डर के बीच काफी ऊंचाई का अंतर दिखाई देता है। ऐसे स्थानों पर वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। यह समस्या करीब एक वर्ष से बनी हुई है लेकिन अब तक सड़क की स्थिति सुधारने के लिए प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है। खराब सड़क के चलते कुछ ग्रामीणों और यात्री वाहनों ने दूसरे मार्गों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। इससे लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है और समय भी अधिक लग रहा है। वहीं जिन्हें मजबूरी में इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है उन्हें क्षतिग्रस्त सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है। सड़क के गड्ढों और किनारों के कटाव के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषकर रात के समय स्थिति और अधिक परेशानी जनक हो जाती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि गर्राटोला झाड़गांव मार्ग का शीघ्र निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाए। साथ ही जहां सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है वहां पुन: डामरीकरण अथवा सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए।

गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग में जानलेवा गड्ढे और पूरी सड़क खराब हो गई-राधेश्याम मालाधारी

राधेश्याम मालाधारी ने बताया कि हम बाहर रहते हैं किसी कार्य से यहां आना जाना होता है। यह गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग है इसमें जानलेवा गड्ढे हो गए हैं बहुत ज्यादा समस्या हो रही है। पूरी सड़क खराब हो गई है मोटरसाइकिल कहीं भी स्लिप हो जाती है पूरा मार्ग खराब हो गया है। इसकी मरम्मत आज तक नहीं हुई है काफी तकलीफभी होती है इस सड़क को बनाना चाहिए ताकि लोग सुरक्षित आवागमन करें।

रोड़ बहुत खराब हो गया है आने जाने में परेशानी होती है-राज मरोतकर

राज मरोतकर ने बताया की डोके रहता हूँ यह पास का सड़क है खतरा बहुत ज्यादा है रात्रि में पूरा अंधेरा रहता है पूरा रोड भी खराब हो गया है इसे बनाना चाहिए। करीब ६ महीने से ज्यादा समय हो गया यही स्थिति है अब तो इस मार्ग पर लोग मजबूरी से आना जाना कर रहे हैं अन्यथा आगमन बंद कर दिया गया है। बड़े वाहन और यात्री बस अब गर्रा होते हुए आते हैं हमें भी गर्रा होते हुए आना जाना करना पड़ता है। वह बहुत दूरी का मार्ग पड़ता है हमें अपने कार्यों के लिए झाड़गांव आना होता है तो उल्टा गर्रा पड़ता है इसलिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। इस रोड को जल्द बनाया जाना चाहिए बहुत ज्यादा तकलीफहै।

0000000000000000000000

पिपरिया, बड़गांव में संकल्प से सेवा अभियान का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पिपरिया और बड़गांव के पंचायत भवन में संकल्प से सेवा अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन कर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह पूरा कार्यक्रम परियोजना अधिकारी राजू शिवहरे एवं परिक्षेत्र पर्यवेक्षक भारती मेश्राम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती सुशीला गंगाराम पटले तथा सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद टेंभरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना के साथ हुआ। जिसके बाद उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर नन्हे.मुन्ने बच्चों के लिए कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और बच्चों को मिठाइयों का वितरण किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आंगनवाड़ी परिसर में फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद टेंभरे के द्वारा आंगनवाड़ी क्रमांक १ में बच्चों के मनोरंजन एवं हरियाली हेतु एक सुंदर गार्डन बनाने के कार्य का शुभारंभ भी किया गया। इस आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता देवीनंदा खोबरागढ़े, ममता बिसेन, शीला गजभिए, गीता पखेल, लीलावती गौतम, ललिता तामेश्वर, ग्राम पटवारी श्री मिश्रा सहित समस्त ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर धान की फसल में रोगों से हुये नुकसान का सर्वे करने आदेश जारी-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले सहित क्षेत्र की ३ तहसीलों के लिए २९ सितंबर को फसलों में बीमारियों की शिकायत मिलने पर खराब हुई फसलों के सर्वे के आदेश जारी कर दिए है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी ने इस अनुविभाग अंतर्गत चालू खरीफ मौसम २०२६ में कृषकों के द्वारा बोई गयी प्रमुख फसल धान में किट व्याधियो एवं फफूंदजनित रोगों के प्रकोप से सम्भावित फसल क्षति होने की सूचना प्राप्त हुई है। अत:वारासिवनी,खैरलांजी व लालबर्रा तहसील के प्रभावित क्षेत्रों में वास्तविक स्थिति का त्वरित निदान वैज्ञानिक एवं पारदर्शी आंकलन किया जाना आवश्यक है। जिससे राजस्व पुस्तक परिपत्र नियमानुसार पात्र कृषकों को ससमय राहत सहायता उपलब्ध कराया जा सके। पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल ने क्षेत्र के किसानों से अपील की है कि उनके खेतों में फसलों की स्थिति के अनुरुप यथास्थिति की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध करायें, तथा उनके कार्यालय में भी जानकारी प्रदान करें। ताकि क्षेत्रवार हल्का पटवारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी एवं सर्वेक्षण दल को जानकारी दी जा सके।

बालाघाट एक्सप्रेस बालाघाट, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

www.balaghatexpress.in

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार

बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक पद्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन-यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है। शाकाहार इसी दृष्टि से शरीर और मन दोनों के लिए संतुलन का माध्यम बन सकता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ उचित संतुलन के साथ लिए जाएं तो वे स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि किसी भी आहार-पद्धति में पोषण-संतुलन आवश्यक है और व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य तथा जरूरतों के अनुसार भोजन का चयन किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी के अनुसार भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं, आत्मसंयम का भी विषय है। वे स्वाद पर नियंत्रण को जीवन-साधना का हिस्सा मानते थे। वास्तव में भोजन का उद्देश्य केवल जिह्वा को संतुष्ट करना नहीं, शरीर को स्वस्थ रखना और जीवन को संयमित बनाना होना चाहिए। आज जब स्वाद और बाजार की संस्कृति हमारे खानपान को तेजी से प्रभावित कर रही है, तब शाकाहार हमें संयम, सादगी और विवेक की ओर लौटने का अवसर देता है। शाकाहार का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, करुणा और अहिंसा से भी है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'अहिंसा परमो धर्मः' की भावना ने सदियों से जीवन को दिशा दी है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव में जीवन की समानता को स्वीकार करते हुए अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च आधार बनाया। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों-मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन का मूल मूल्य माना। जैन दर्शन तो जीव मात्र के प्रति मैत्री और करुणा को जीवन की आधारभूमि मानता है। इसलिए शाकाहार केवल थाली में परिवर्तन नहीं, दृष्टि में परिवर्तन है-वह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हमारे भोजन की कीमत किसी दूसरे जीव के जीवन से तो नहीं चुकाई जा रही। शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि, जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियां ग्रीनहाउस गैसों, जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं। ऐसे समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल-संकट, भूमि क्षरण और जैव-विविधता के संकट से जूझ रही है, टिकाऊ और संतुलित खाद्य प्रणालियों पर विचार करना जरूरी हो गया है।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जु? सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

-ललित गर्ग

नियमों की अनदेखी जिंदगी पर भारी पड़ रही, सड़क सुरक्षा पहली प्राथमिकता

-कांतिलाल मांडोत

सड़क पर सुरक्षित चलना केवल यातायात नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों के जीवन की रक्षा करना भी है। सड़क दुर्घटनाएं आज किसी एक शहर, जिले या राज्य की समस्या नहीं रह गई हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रतिदिन होने वाले हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली जाती है और कई परिवार हमेशा के लिए अपने प्रियजनों को खो देते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से अनेक दुर्घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें थोड़ी सी सावधानी और यातायात नियमों के पालन से टाला जा सकता है। इसलिए सड़क सुरक्षा को जीवन की पहली प्राथमिकता बनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सूरत ग्रामीण क्षेत्र में सामने आए सड़क हादसों के आंकड़े इसी गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यहां सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर बढ़कर 43.50 प्रतिशत तक पहुंचने की जानकारी कार्यक्रम में अधिकारियों ने दी। हादसों को कम करने और युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सांकरी में सड़क सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा अग्रदूत प्रशिक्षण के अंतर्गत 1500 से अधिक विद्यार्थियों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन न रहकर लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का माध्यम बनें, तभी इनका वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। कार्यक्रम में अधिकारियों ने जिस तरह सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की, वह आम नागरिकों के लिए भी गंभीर संदेश है। बारडोली आरटीओ की ओर से बताया गया कि सूरत ग्रामीण में राज्य में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। गुजरात में हर साल हजारों लोगों की सड़क हादसों में मौत होती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग नियमों को जानते हुए भी उनका पालन नहीं करते। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति से वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना जैसी सामान्य सावधानियां जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अक्सर लोग कुछ सौ मीटर की दूरी बचाने के लिए गलत दिशा में वाहन दौड़ा देते हैं। उन्हें लगता है कि इससे समय बच जाएगा, लेकिन यही जल्दबाजी कभी-कभी गंभीर दुर्घटना का कारण बन जाती है। सड़क पर गलत दिशा में वाहन चलाना केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि सामने से आने वाले वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा पैदा करता है। थोड़ी दूरी के लिए नियम तोड़ना किसी भी स्थिति में समझदारी नहीं है। सड़क पर हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि उसकी एक छोटी सी गलती किसी दूसरे परिवार के जीवन में बड़ा दुख ला सकती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत तक बताई गई है। इसका अर्थ है कि दोपहिया वाहन चलाने वालों को अपनी सुरक्षा के प्रति अधिक सजग होना होगा। हेलमेट केवल पुलिस के डर से पहनने वाली चीज नहीं है। यह सिर को गंभीर चोट से बचाने वाला सुरक्षा कवच है। हेलमेट हमेशा सही तरीके से और उसकी पट्टी बांधकर पहनना चाहिए। वाहन चलाते समय तेज गति, अचानक ओवरटेक और खतरनाक ढंग से वाहन चलाने से बचना चाहिए। माता-पिता की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देना उनके लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अभिभावकों को बच्चों को यह समझाना चाहिए कि सड़क कोई खेल का मैदान नहीं है। वाहन चलाने के लिए निर्धारित उम्र, लाइसेंस और यातायात नियमों का पालन जरूरी है। बच्चे यदि नियमों को छोटी उम्र से समझेंगे तो भविष्य में जिम्मेदार वाहन चालक बन सकते हैं। माता-पिता स्वयं हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करेंगे तो बच्चों पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत तक बताई गई है। सड़क पार करते समय निर्धारित स्थान का उपयोग करना, वाहन आने-जाने की दिशा देखकर आगे बढ़ना और मोबाइल फोन में ध्यान लगाए बिना सड़क पर चलना जरूरी है। वाहन चालकों को भी पैदल यात्रियों, बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों के प्रति अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। सड़क पर सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा का ध्यान रखना ही सभ्य यातायात व्यवस्था की पहचान है। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को सड़क सुरक्षा का अग्रदूत बनाने की बात कही गई। यह पहल महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा वर्ग यातायात व्यवस्था में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। विद्यार्थियों को केवल नियमों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें नियमों का पालन करने की आदत भी विकसित करनी होगी। सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार परिवार से शुरू होकर समाज तक पहुंचता है। सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। केवल चालान और दंड से दुर्घटनाओं को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। सड़क की स्थिति सुधारना, संकेतक लगाना, अंधे मोड़ों पर पर्याप्त व्यवस्था करना, गति सीमा का पालन कराना और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करना भी जरूरी है। साथ ही नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वाहन चलाने से पहले वाहन की स्थिति जांचना, ब्रेक, टायर और रोशनी की व्यवस्था ठीक रखना भी सुरक्षा का हिस्सा है। सड़क पर निकलते समय जल्दबाजी से बचना चाहिए। शराब या किसी नशीले पदार्थ के प्रभाव में वाहन नहीं चलाना चाहिए। थकान की स्थिति में भी वाहन चलाने से बचना चाहिए। बारिश, धुंध या कम दृश्यता के दौरान गति कम रखनी चाहिए। रात में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। यातायात संकेतों का पालन करना और आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखना दुर्घटना से बचाव में मदद करता है। हर चालक को यह संकल्प लेना चाहिए कि उसे सुरक्षित घर पहुंचना है और दूसरों को भी सुरक्षित घर पहुंचने देना है।

सड़क दुर्घटनाओं को केवल आंकड़ों के रूप में देखने के बजाय मानवीय त्रासदी के रूप में समझना होगा। एक दुर्घटना के पीछे किसी परिवार की उम्मीदें, बच्चों का भविष्य और कई लोगों का जीवन जुड़ा होता है। इसलिए सड़क सुरक्षा किसी अभियान का विषय भर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए। नियमों का पालन करने में कुछ मिनट अधिक लग सकते हैं, लेकिन यही सावधानी पूरी जिंदगी बचा सकती है। यदि प्रत्येक नागरिक गति से अधिक सुरक्षा, जल्दबाजी से अधिक संयम और सुविधा से अधिक नियमों को महत्व दे, तो सड़क दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है। सुरक्षित सड़क केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हम्मास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुक्सान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुन: 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत सहित इन विकासशील देशों को भी मुद्रा स्फीति को निर्यंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करनी होगी। कुल मिलाकर अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ कर विश्व के कई देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में समस्याएं खड़ी कर दी हैं। भारत अभी तक तो अपनी आर्थिक सेहत को सम्हाले हुए है, क्योंकि भारत के पास 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है एवं भारत में आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार के चलते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में वसूली प्रभावी बनी हुई है। परंतु, युद्ध यदि और अधिक लंबे समय तक चलता है तो भारत में भी आर्थिक क्षेत्र में कुछ परेशनियां आ सकती हैं। बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपनी अक्टोबर 2026 माह में होने वाली बैठक में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करने को मजबूर हो। ब्याज दरों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत के आर्थिक विकास की गति पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। भारत द्वारा आयात की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की कीमतें यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं तो भारत को इन वस्तुओं को उच्च कीमतों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार भी विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक भी भारतीय पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल कर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे है। इससे भारतीय रुपए पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न होगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक कम हो सकती है। विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच, भारतीय नागरिकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु आगे आना होगा। इस संदर्भ में केंद्र एवं समस्त राज्य सरकारें तो अपना कार्य पूरी ईमानदारी से सम्पन्न करने का प्रयास कर ही रही हैं, परंतु नागरिकों को भी स्वदेशी अपनाकर एवं विभिन्न उत्पादों का संयम के साथ उपयोग कर अन्य देशों से उत्पादों के आयात को कम करने के प्रयास करने होंगे। भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना होगा एवं आयातित वस्तुओं के उपयोग को कम करना होगा ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। भारतीय नागरिकों द्वारा यदि भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है तो भारतीय विनिर्माण इकाईयों को विस्तार में जाना होगा एवं इससे भारत में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। कुल मिलाकर अब अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के उपयोग को समाप्त करना होगा, यदि समाप्त नहीं कर सकते हैं तो कम तो करना ही होगा।

भविष्य में, भारत सहित विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में आने वाली कठिनाईयों के हल के लिए इन देशों के नागरिकों को अपनी महती भूमिका निभाने के लिए अपने आप को अभी से तैयार करना होगा। बहुत सम्भव है कि इन देशों के केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में वृद्धि करना पड़े एवं इन देशों में पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाईजर, गैस एवं अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि देखने को मिले, ऐसे समय में इन देशों के नागरिकों को अपने देश के हित में इस कठिन समय को सहज बनाने के लिए अपने आप को अभी से तैयार करना होगा।

-प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। घटे भावों पर माँग से बुधवार को अनाज मंडी में चना बड़त पर रहा। उड़द व मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में बाजार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सुस्ती रही। किराना जिंसों में शक्कर में तेजी अटकी। नारियल मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में घटे भावों पर लेवाली रहने से बाजार 50-100 रू. क्विंटल उछल गये। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सुस्ती बनी। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में कमोवेश नरमी देखी गयी। नारियल में मजबूती बनी रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4710-4770, खोपरा गोला 340-380, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1350-1355, सोया रिफाइंड 1410-1415, कपास्या 1490, धूलिया 1485, कड़ी 1490,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1700, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8300, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5600-5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 71000-7150, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8000-8100, मूंग पुराना बोल्ड 8200-8300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9400-9700, उड़द गर्मी 9000-9400, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मामूली बढ़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 226700, चॉंदी (99) 226500, टंच 225800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150000,

सरकार ने अधिसूचित किए नए एईएएफई-3 मानदंड

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले नए कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई-3) मानदंडों को अधिसूचित किया है। इन नियमों का उद्देश्य यात्री वाहनों की ईंधन दक्षता में सुधार करना और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है, जो 2032 तक कठोर लक्ष्य निर्धारित करेंगे। ये मानदंड हैचबैक, सेडान और एसयूवी सहित सभी यात्री कारों पर लागू होंगे। एक महत्वपूर्ण बदलाव के तहत, 909 किलोग्राम से कम वजन वाली पेट्रोल कारों के लिए प्रस्तावित रियायत हटा दी गई है। अब लक्ष्य रेखा को समतल किया गया है, जिससे हल्के वाहनों के लिए नरम और भारी वाहनों के लिए सख्त ईंधन दक्षता आवश्यकताएं होंगी। संदर्भ वजन को 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम किया गया है, जो बेड़े की बदलती विशेषताओं को दर्शाता है। यह ढांचा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए सुपर क्रेडिट की सुविधा देगा, जिससे निर्माताओं को स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 48.78 अंक की गिरावट के साथ ही 72,480.29 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.75 अंक टूटकर 22,620.45 पर बंद हुआ। बाजार में आज अच्छी शुरुआत रही थी पर अंत में गिरावट से बाजार टूट गया। आज टीसीएस के शेयर ऊपर आये जबकि मिडकैप इंडेक्स में आरवीएनएल और प्रेस्टीज एस्टेट्स के शेयरों में तेजी रही। वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल क्षेत्र के शेयर रहे। निफ्टी के तहत अपोलो हॉस्पिटल्स, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट और डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज आज के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार दिखा। हेंगसेंग 0.53 फीसदी और शंघाई इंडेक्स 0.02 फीसदी गिरकर

कारोबार करता नजर आया। वहीं निक्केई 1.20 फीसदी और कोस्पी 0.50 फीसदी की तेज के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स 0.26 फीसदी, एसएंड पी 500 0.17 फीसदी और नैस्डेक 0.09 फीसदी नीचे रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार में गिरावट हावी रही। ब्रेंट क्रूड 1.14 फीसदी चढ़कर 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय इक्विटी बाजार अब कंसोलिडेशन के चरण में प्रवेश करेगा। यह छह महीने के निचले स्तर और लगातार आठवें साप्ताहिक नुकसान के बाद हो रहा है, जो 2020 के बाद की सबसे लंबी गिरावट का सिलसिला है।

बाजार में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली जारी है। यह बाजार की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी एक प्रमुख कारण हैं। भारतीय रुपया भी दो महीने के निचले स्तर के करीब मंडरा रहा है। ये सभी कारक मिलकर बाजार में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुझान देखने को मिला

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से होगा लागू

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी 20 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यह समझौता घरेलू कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र को मजबूत करेगा। व्यापार संवर्धन निकाय टीपीसीआई ने बुधवार को यह जानकारी दी, जिससे भारतीय निर्यातकों में नई उम्मीद जगी है। टीपीसीआई के अनुसार, समझौते के लागू होते ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले, सीजनिंग, कन्फेक्शनरी, बेकरी उत्पाद, पैकेटबंद अनाज, सॉस, फलों के रस और प्रसंस्कृत सब्जियों पर लगने वाला शुल्क 5 प्रतिशत से घटकर तत्काल शून्य हो जाएगा। यह भारतीय कृषि-खाद्य उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। टीपीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि सभी उत्पाद श्रेणियों में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच सुनिश्चित होने से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र को ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया और प्रशांत महासागर के द्वीपों का क्षेत्र) में अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। परिषद सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों और कृषि-खाद्य कारोबारों को इन शुल्क रियायतों का लाभ उठाने, तकनीकी मानकों को पूरा करने और न्यूजीलैंड में खरीदारों से दीर्घकालिक संबंध बनाने में सहायता करेगी। सिंगला ने कहा कि शुल्क-मुक्त पहुंच भारत के मूल्यवर्धित कृषि उत्पादों के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल होने की महत्वपूर्ण संभावनाएं खोलेगी। अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए टीपीसीआई निर्यातक जागरूकता सत्र और लक्षित खरीदार-विक्रेता बैठकें आयोजित करेगा।

टैक्स बचाने के लिए बिना बिल सोना खरीद रहे लोग, क्या है खतरा?

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद पीली धातु अभी भी एक साल पहले के मुकाबले करीब 28 फीसदी अधिक महंगी है। इस बढ़ती कीमत और 3 फीसदी जीएसटी के बोझ से बचने के लिए ग्राहकों ने एक नया रास्ता अख्तियार किया है। कई ग्राहक बिना बिल के कैश में सोना खरीद रहे हैं, जहां उन्हें बाजार भाव से 6 फीसदी तक का आकर्षक डिस्काउंट मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी मात्रा में सोना खरीदने पर अनौपचारिक कैश डील में ग्राहकों को बाजार भाव से लगभग 6 फीसदी तक की छूट मिल रही है, जो प्रति 10 ग्राम सोने पर 10,000 रुपए तक हो सकती है। कारोबार से जुड़े डीलरों के अनुसार टैक्स और अन्य लागत में होने वाली बचत का कुछ हिस्सा वे ग्राहक को डिस्काउंट के रूप में देते हैं। एक 55 वर्षीय महिला ने बताया कि बेटी की शादी के लिए ज्वेलरी खरीदते समय उन्हें प्रति 10 ग्राम सोने पर करीब 5,000 रुपए की छूट मिली, हालांकि इस सौदे में उन्हें कोई रसीद नहीं दी गई। भारत में खुदरा ग्राहकों को सोने की खरीद पर 3 फीसदी जीएसटी और आयात शुल्क देना होता है, जिससे आधिकारिक चैनल से मिलने वाले सोने की कीमत बढ़ जाती है। इसी अतिरिक्त लागत से बचने के लिए कुछ खरीदार कैश और बिना बिल वाली खरीदारी की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार से जुड़े लोग दावा करते हैं कि अनौपचारिक कैश मार्केट में सोना घरेलू बाजार की कीमत से करीब 200 डॉलर प्रति औंस तक कम मिल सकता है, हालांकि यह छूट ग्राहक और डीलर के बीच बातचीत पर निर्भर करती है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ताओं में से एक है, जहां शादियों, त्योहारों और पारिवारिक बचत के लिए सोने की मांग काफी मजबूत रहती है। हालांकि, कम कीमत के लालच में बिना बिल सोना खरीदना जोखिम भरा हो सकता है। बिना रसीद के खरीदारी होने पर सोने की शुद्धता, स्वामित्व, दोबारा बिक्री और टैक्स से जुड़े मामलों में कोई औपचारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं रहता। ऐसे में शुरुआती डिस्काउंट के साथ-साथ ऐसी खरीदारी के संभावित जोखिमों को भी ध्यान में रखना ग्राहकों के लिए बेहद जरूरी है।

मेष- आज आपके भीतर उत्साह और कुछ नया करने की चाहत बनी रहेगी। कामकाज को लेकर नए विचार आएंगे और उन्हें पूरा करने के लिए आप पूरी मेहनत करेंगे। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता रहेगा। नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं तो आज परिस्थितियां सकारात्मक नजर आ सकती हैं।

वृषभ- आज समझदारी और संतुलन के साथ आगे बढ़ने का दिन है। बेवजह के खर्चों पर लगाम लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अपनी पहचान मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। आपकी नेतृत्व क्षमता दूसरों को प्रभावित करेगी और नए संपर्क भविष्य में काम आ सकते हैं।

मिथुन- आज भाग्य का साथ मिलने से कई काम उम्मीद से आसानी से पूरे हो सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनेगा। हालांकि अपनी छवि और प्रतिष्ठा को लेकर थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है, क्योंकि कोई व्यक्ति गलतफहमी पैदा करने की कोशिश कर सकता है। घर के अधूरे काम निपटाने का अच्छा समय है।

कर्क- आज आपका उत्साह और सकारात्मक सोच हर काम में दिखाई देगा। समझदारी से लिया गया फैसला आपको अच्छे परिणाम दिला सकता है। आध्यात्म और भक्ति की ओर मन आकर्षित होगा, जिससे भीतर से शांति और संतोष महसूस करेंगे। व्यापार में आपकी रचनात्मक सोच नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत में कमी नहीं आने देनी चाहिए।

सिंह- आज व्यापार और भविष्य की योजनाओं के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। आपके फैसलों का अच्छा असर देखने को मिल सकता है और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा। हालांकि काम को लगातार टालते रहना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए समय का सही इस्तेमाल करें। छोटी यात्रा या कहीं घूमने जाने की योजना मन को नई ताजगी दे सकती है।

कन्या- आज आर्थिक मामलों और निवेश से जुड़े फैसलों में सकारात्मकता दिखाई दे सकती है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़े तो यह आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकती है। अपनी सेहत को नजरअंदाज करने से बचें और आराम के लिए भी समय निकालें। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। माता-पिता के साथ समय बिताने से मन को विशेष संतोष मिलेगा। लंबे समय से अटकी हुई कोई महत्वपूर्ण डील अब आगे बढ़ने की उम्मीद है।

तुला- आज आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में साझेदारी का कोई प्रस्ताव सामने आ सकता है, जिस पर सोच-समझकर निर्णय लेना लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े नए रास्ते खुल सकते हैं। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से दिया हुआ उधार वापस मिल सकता है।

वृश्चिक- आज मेहनत का परिणाम मिलने से मन में संतोष रहेगा। कामकाज में प्रगति होगी और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के अवसर सामने आ सकते हैं। किसी से किया हुआ वादा आपको अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के लिए प्रेरित करेगा। किसी जरूरतमंद की मदद करने का मौका मिलेगा, जिससे मन को सुकून मिलेगा।

धनु- आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन की सराहना हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और अपनी स्थिति को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। व्यापार करने वालों को भी अपने प्रयासों का फायदा मिलना शुरू हो सकता है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को उत्साह बढ़ाने वाले संकेत मिल सकते हैं। परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा, हालांकि किसी विरोधी की बात कुछ समय के लिए आपका मूड खराब कर सकती है।

मकर- आज किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी करने से बचना आपके लिए जरूरी रहेगा। व्यापार में बदलाव का विचार है तो हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करने के बाद ही कदम उठाएं। परिस्थितियां थोड़ी कठिन हों तो धैर्य आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगा। कोई बनता हुआ काम अचानक रुक सकता है, लेकिन इससे निराश होने की जरूरत नहीं है। सही समय पर आपको सहयोग और मदद मिल सकती है, इसलिए भरोसा बनाए रखें।

कुंभ- आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। किस्मत आपका साथ दे सकती है, लेकिन सफलता के लिए आलस्य छोड़कर सक्रिय रहना जरूरी होगा। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आगे चलकर महत्वपूर्ण बन सकती है। अपनी जीवनशैली में कुछ अच्छे बदलाव करने का मन बनेगा।

मीन- आज सेहत को लेकर राहत महसूस हो सकती है और पुरानी परेशानी में कमी आने के संकेत हैं। फिर भी किसी विरोधी की गतिविधि को लेकर सावधान रहना बेहतर रहेगा। कुछ नया करने की इच्छा आपको रचनात्मक कामों की ओर प्रेरित करेगी। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभाली जा सकेगी।

शब्दजाल - 8367

श	रा	रो	ज	गा	र	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	का	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	का	म	गा	र	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	अं	गा	र
रा	रा	द	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	द	प	ह	ला	उ	ड़	न	आ
श्रं	ट	बु	अं	गा	म	ट	ह	द	ह	गा
गा	जी	वा	ला	र	र	सौ	न	ट	गा	र
र	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	र
र	ल	भं	गा	र	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बे	गा	र	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'गार' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रोजगार, कामगार, उदगार, भंगार, बेगार, पगार, मददगार, श्रंगार, आगार, अंगार

शब्दजाल - 8366 का हल

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	ञे	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7341

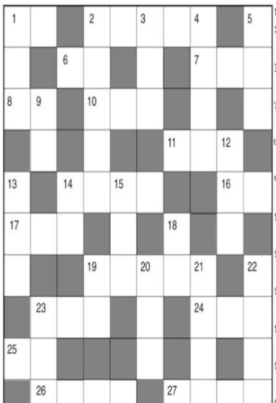

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉंद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7340

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		गिं		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ह्म	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

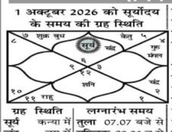

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.07 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	09.21 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.37 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.43 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.29 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.02 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.32 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.12 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.11 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.24 बजे से
1.30 से 3.00		सिंह	02.40 बजे से
बजे तक		कन्या	04.52 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 274 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 12.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 06.03 बजे तदनन्तर रोहिणी 04.27 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 21.18 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 12.36 बजे तदनन्तर गर 23.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 07' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872849 **जूलियन दिन** 2461314.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 19 **विशेष** रोहिणी व्रत, रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सफलता का रास्ता

एक बार प्रसिद्ध विचारक स्वेट मार्डेन के पास एक व्यक्ति आया और बोला, 'सर, मैं काम करने की इच्छा रखता हूं, लक्ष्य भी मैंने निर्धारित कर लिया है और उसके लिए आवश्यक साधन भी मेरे पास उपलब्ध हैं, फिर भी न जाने क्यों मुझे मेरे कार्य में शत-प्रतिशत सफलता नहीं मिलती। यदि मैं काम न करूं तो असफल होने की बात मेरी समझ में आती है, मगर काम करते रहने पर भी नाकामयाब होते रहने की बात मेरी समझ से परे है।' उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वेट मार्डेन बोले, 'तुम्हारे इस प्रश्न का उत्तर बेहद सरल है। फिर भी मैं तुम्हें इसका जवाब एक उदाहरण देकर समझाता हूं। उदाहरण से तुम भलीभांति समझ जाओगे कि तुम्हारे काम में क्या कमी रह जाती है।' व्यक्ति बोला, 'हां, आप मुझे अवश्य बताएं ताकि मैं अपने में सुधार कर सकूं।' स्वेट मार्डेन बोले, 'बहुत से लोग अपने जीवन की गाड़ी को गुनगुने पानी में चलाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते कि पानी को जब तक 212 फारेनहाइट तक गर्म न किया जाए उसमें भाप नहीं बनती है और जब तक पानी में भाप न बने तब तक इंजन गाड़ी को नहीं खींच सकता।' उदाहरण सुनकर वह व्यक्ति आश्चर्य से बोला, 'इंजन का मेरे काम से क्या संबंध है?' स्वेट मार्डेन बोले, 'भाई, बहुत ही गहरा संबंध है। तुम्हारे काम में उत्साह की कमी ठीक उसी तरह असर करती है, जिस तरह गुनगुना पानी इंजन के बायलर पर। जब तक पानी 212 फारेनहाइट तक गर्म नहीं हो जाता, तब तक वह इंजन को नहीं खींच सकता। उसी तरह जब तक तुम अपने काम में संपूर्ण आत्मशक्ति और एकाग्रता नहीं झोंक देते तब तक सफलता तुमसे दूर रहेगी। सारे साधन उपलब्ध होने पर भी मंद गति से काम करने पर मंजिल तक पहुंचना कठिन है।' युवक ने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह अपने उत्साह को गुनगुने पानी की तरह मंद नहीं पड़ने देगा और सफलता पाकर रहेगा।

सूडोकु नवताल- 7650

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7649 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8865

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का अराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैंदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 8864 का हल

स	ह	ल	ज			कु	ली	न
रि			र	सा	त	ल		फा
ता	ना			ग	म			स
	जा	म		र			म	त
	य	म	ज		आ	रा	म	
ह	ज			ह		न	त	
ज			क	र			ल	ब
र		स	ला	म	त			द
त	बा	ही			य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

गिरदावली अपडेट नहीं, धान पंजीयन अटका

तकनीकी अड़चन से किसान परेशान; 10 अक्टूबर अंतिम तिथि, पंजीयन की समय-सीमा बढ़ाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद लांजी क्षेत्र के कई किसान अब भी अपना पंजीयन नहीं करा पा रहे हैं। किसानों का कहना है कि कई मामलों में खेतों की गिरदावली का कार्य पूरा होने के बावजूद पोर्टल पर गिरदावली अपडेट नहीं दिख रही है, जिसके कारण ऑनलाइन केंद्रों और सोसायटियों में धान खरीदी के लिए पंजीयन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। वहीं दूसरी ओर 10 अक्टूबर को पंजीयन की अंतिम तिथि बताई जा रही है। समय-सीमा नजदीक आने के कारण किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है।

जानकारी के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 15 सितंबर से प्रारंभ किया गया है। पंजीयन के लिए किसानों की कृषि भूमि से संबंधित गिरदावली का रिकॉर्ड महत्वपूर्ण है। किसानों के अनुसार कई खेतों की गिरदावली का कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपडेट नहीं होने के कारण पंजीयन केंद्रों पर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। किसान पंजीयन कराने के लिए ऑनलाइन सेंटर और संबंधित सोसायटियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन तकनीकी अड़चन के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते गिरदावली का रिकॉर्ड पोर्टल पर अपडेट नहीं हुआ और पंजीयन की समस्या दूर नहीं हुई तो बड़ी संख्या में पात्र किसान निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन से वंचित हो सकते हैं। धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पंजीयन पहली और महत्वपूर्ण कड़ी है। ऐसे में तकनीकी समस्या का खामियाजा किसानों को नहीं भुगतना पड़े, इसके लिए व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने की मांग उठ रही है।

कहीं गिरदावली अपडेट की समस्या, कहीं पोर्टल की तकनीकी अड़चन

पंजीयन में आ रही परेशानी को लेकर किसानों और संबंधित कर्मचारियों से अलग-अलग जानकारी सामने आ रही है। कुछ मामलों में गिरदावली पोर्टल पर अपडेट नहीं होने की बात सामने आ रही है, जबकि पंजीयन प्रक्रिया से जुड़े स्तर पर पोर्टल की तकनीकी समस्या भी बताई जा रही है। इससे किसानों के सामने यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि उनका पंजीयन आखिर किस स्तर पर अटका हुआ है। पटवारियों की ओर से बताया जा रहा है कि उनके स्तर से कृषि भूमि की गिरदावली का कार्य किया जा चुका है। इसके बाद रिकॉर्ड के पोर्टल पर अपडेट होने तथा पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने की बात कही जा रही है। वहीं तकनीकी समस्या सामने आने पर संबंधित विभाग द्वारा उसके निराकरण के प्रयास किए जाने की जानकारी है।

अंतिम तिथि नजदीक, किसानों ने मांगी समय-सीमा बढ़ाने की मांग

धान पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित होने से किसानों के पास अब सीमित समय बचा है। किसानों का कहना है कि जब पंजीयन प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू हो चुकी है और इसके बावजूद कई किसानों की गिरदावली अपडेट नहीं हो पा रही है, तो केवल तकनीकी समस्या के कारण उन्हें पंजीयन से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। किसानों ने मांग की है कि गिरदावली अपडेट और पंजीयन की तकनीकी समस्या को तत्काल दूर कराया जाए तथा सभी पात्र किसानों को पर्याप्त अवसर देने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए। किसानों का कहना है कि समय-सीमा बढ़ने से उन किसानों को राहत मिलेगी, जिनका पंजीयन तकनीकी कारणों से अटका हुआ है।

एसडीएम ने बुलाई समीक्षा बैठक

किसानों से पंजीयन नहीं होने संबंधी शिकायतें मिलने के बाद एसडीएम लांजी आदित्य नारायण तिवारी ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने 1 अक्टूबर को लांजी में संबंधित अधिकारियों और प्रभारियों की समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक में पंजीयन की वास्तविक स्थिति, गिरदावली अपडेट नहीं होने के मामलों तथा पोर्टल पर आ रही तकनीकी समस्याओं की समीक्षा की जाएगी। प्रशासन की इस पहल से उम्मीद है कि बैठक में समस्या के मूल कारणों की जानकारी सामने आएगी और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर तकनीकी समस्या के निराकरण के लिए सहकारिता विभाग से संपर्क किया जाएगा।

किसानों को समय पर राहत मिलेगी या बढ़ेगी समय-सीमा?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि 10 अक्टूबर की अंतिम तिथि से पहले सभी पात्र किसानों का पंजीयन पूरा हो पाएगा या नहीं। यदि तकनीकी समस्या का समय रहते समाधान नहीं होता है तो प्रशासन के सामने उन किसानों को अतिरिक्त अवसर देने की चुनौती रहेगी, जिनका पंजीयन उनकी गलती के बजाय तकनीकी कारणों से अटका है। ऐसे में किसानों की मांग है कि पंजीयन की समय-सीमा बढ़ाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए।

इनका कहना है—

किसानों का धान खरीदी के लिए पंजीयन नहीं हो पाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए 1 अक्टूबर को सभी संबंधित प्रभारियों की समीक्षा बैठक बुलाई गई है। बैठक में पंजीयन में आ रही समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। यदि पोर्टल में तकनीकी समस्या सामने आती है तो सहकारिता विभाग से संपर्क कर उसे भी दूर कराने का प्रयास किया जाएगा।

आदित्य नारायण तिवारी
एसडीएम, लांजी

पंचायतों के आय-व्यय एवं कैशबुक मिलान को लेकर दृष्टि ऐप की कार्यशाला आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के सभा हाल में बुधवार को दृष्टि ऐप एवं पोर्टल को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित की गई। मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय स्तर से आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पंचायतों के वित्तीय रिकॉर्ड को

अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाना तथा पंचायतों के आय-व्यय का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कैशबुक से मिलान करने की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला में पंचायतों में संचालित वित्तीय गतिविधियों, आय-व्यय के लेखे-जोखे तथा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कैशबुक के बीच सामंजस्य स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि दृष्टि पोर्टल पंचायत दर्पण ऐप के सॉफ्टवेयर में संचालित होगा, जिसके माध्यम से पंचायत स्तर पर वित्तीय जानकारी को व्यवस्थित रूप से दर्ज एवं मिलान करने में सुविधा मिलेगी।

प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय से तारेंद्र कुमार झरिया विशेष रूप से जनपद पंचायत लांजी पहुंचे। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को दृष्टि ऐप की कार्यप्रणाली, उसके उपयोग तथा आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी दी।

इस अवसर पर जनपद पंचायत लांजी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सिंघई, खंड पंचायत अधिकारी लेखराज रामटेककर सहित बड़ी संख्या में रोजगार सहायक एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान कर्मचारियों ने दृष्टि ऐप से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा तथा प्रशिक्षण के दौरान अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल माध्यम से पंचायतों के वित्तीय रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने की दिशा में दृष्टि ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पंचायतों के आय-व्यय संबंधी रिकॉर्ड के मिलान एवं निगरानी की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

कोटेश्वर धाम की हाईमास्ट लाइट हुई चालू

लंबे समय से बंद पड़ी थी हाईमास्ट, समाचार प्रकाशन के बाद नगर परिषद ने कराई सुधार व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। लांजी। कोटेश्वर धाम के सामने लंबे समय से बंद पड़ी हाईमास्ट लाइट को लेकर प्रकाशित समाचार का असर सामने आया है। 30 सितंबर को समाचार प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद प्रशासन सक्रिय हुआ और बंद पड़ी हाईमास्ट लाइट को चालू करा दिया गया। लाइट चालू होने के बाद कोटेश्वर धाम के सामने लंबे समय से पसरा अंधेरा दूर हो गया है। दरअसल, कोटेश्वर धाम लांजी की धार्मिक पहचान से जुड़ा प्रमुख स्थल है। मंदिर के सामने लगी हाईमास्ट लाइट पिछले कई दिनों से बंद पड़ी थी। स्थानीय लोगों द्वारा इसकी जानकारी नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद लाइट चालू नहीं होने से व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे थे। इसी मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कोटेश्वर धाम के सामने कई दिनों से अंधेरा, हाईमास्ट बंद शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। समाचार में हाईमास्ट के बार-बार खराब होने, शिकायतों के बाद भी सुधार में देरी तथा धार्मिक स्थल की प्रकाश व्यवस्था को लेकर नगर परिषद की जवाबदेही का मुद्दा उठाया गया था। समाचार प्रकाशन के बाद नगर परिषद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए हाईमास्ट को दुरुस्त कराया और उसे पुन: चालू कर दिया।

अंधेरा दूर होने से श्रद्धालुओं को राहत

हाईमास्ट लाइट चालू होने के बाद कोटेश्वर धाम के सामने रात के समय प्रकाश व्यवस्था बेहतर हो गई है। इससे मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और आसपास के लोगों को राहत मिली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रमुख धार्मिक स्थल पर प्रकाश व्यवस्था का दुरुस्त रहना जरूरी है। हालांकि, हाईमास्ट के बार-बार खराब होने की समस्या को देखते हुए अब इसके नियमित रखरखाव और समय-समय पर जांच की जरूरत है, ताकि दोबारा लंबे समय तक अंधेरे की स्थिति निर्मित न हो।

सफाई मित्रों का स्वास्थ्य जांच, नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वच्छ शहर की व्यवस्था को संभालने वाले सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को लेकर नगर परिषद लांजी द्वारा सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन किया गया। वहीं शासकीय महाविद्यालय लांजी में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। दोनों कार्यक्रमों में स्वच्छता के साथ सफाई मित्रों के प्रति सम्मान और नागरिकों की जिम्मेदारी को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0, स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर में सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान उन्हें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित कार्यप्रणाली तथा कार्य के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। सफाई मित्रों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की गई।

सफाई मित्रों के योगदान को सराहा

कार्यक्रम के दौरान सफाई मित्रों के कार्य की सराहना करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि सफाई मित्र प्रतिदिन

विभिन्न परिस्थितियों में काम कर नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। शिविर नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कलबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, स्वच्छता सभापति विजय गोस्वामी, सभापति किशोर रामटेक्कर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में आयोजित किया गया।

नुक्कड़ नाटक से समझाई स्वच्छता की जिम्मेदारी

इसी क्रम में शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने संवाद और अभिनय के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा गीले और सूखे कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से लोगों को कचरा सड़क, नाली या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं फेंकने और निर्धारित स्थान पर ही कचरा देने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। नगर परिषद ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर लांजी का निर्माण केवल सफाई कर्मचारियों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और सक्रिय जनभागीदारी जरूरी है। इसी उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत जागरूकता, सफाई मित्रों के स्वास्थ्य-सुरक्षा और नागरिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं।

लांजी-हैदराबाद बसों की मनमानी फिर बेपटरी, पार्किंग में टिकट काउंटर, सड़क पर बसें

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी से हैदराबाद के बीच संचालित होने वाली स्लीपर बसों को लेकर कुछ समय पहले जिस अव्यवस्था पर लगाम लगाने की कवायद हुई थी, वह अब फिर पुराने ढर्रे पर लौटती नजर आ रही है। करीब एक माह पहले क्षेत्रीय विधायक की मौजूदगी में बस संचालकों और परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक में बस संचालन एवं यात्री किराए को लेकर व्यवस्था तय किए जाने के बाद कुछ दिनों तक हालात संभले रहे, लेकिन अब बस संचालकों की मनमानी फिर दिखाई देने लगी है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह टिकट काउंटर, पार्किंग स्थल पर अतिक्रमण और सड़क पर खड़ी बसों के कारण यात्रियों के साथ आम राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। लांजी से हैदराबाद के बीच निजी स्लीपर बस सेवा क्षेत्र के लोगों के लिए लंबी दूरी की यात्रा का प्रमुख साधन है। लेकिन सुविधा के साथ सुव्यवस्थित संचालन भी जरूरी है। वर्तमान में बस स्टैंड परिसर का नजारा ऐसा है कि पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान पर ही कई टिकट काउंटर संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं बसों के खड़े होने की उचित व्यवस्था नहीं होने से कई बार मुख्य मार्ग पर बसें खड़ी दिखाई देती हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ यात्रियों और राहगीरों को भी परेशानी होती है। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की बात कही है। उनका कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने परिवहन अधिकारी से चर्चा कर जल्द समस्या का समाधान कराने की बात कही है।

बैठक के बाद कुछ दिन चला नियमों का दौर, फिर वही स्थिति

करीब एक माह पूर्व क्षेत्रीय विधायक की मौजूदगी में बस संचालकों एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बसों का संचालन नियमानुसार करने तथा यात्री किराए को निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रखने को लेकर निर्देश दिए गए थे। साथ ही लांजी-हैदराबाद रूट पर सीमित संख्या में बसों के संचालन की बात भी कही गई थी। बैठक के बाद कुछ दिनों तक इसका असर दिखाई दिया, लेकिन अब स्थिति फिर पहले जैसी होने लगी है। बस संचालकों के बीच यात्रियों को लेकर प्रतिस्पर्धा और अधिक बसें संचालित करने की होड़ के चलते व्यवस्था प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बस स्टैंड परिसर में टिकट काउंटरों की बढ़ती संख्या और पार्किंग स्थल के उपयोग को लेकर भी स्थिति स्पष्ट रूप से व्यवस्थित नहीं दिखाई दे रही।

फिटनेस और परिवहन मानकों की जांच जरूरी

लंबी दूरी के इस रूट पर संचालित स्लीपर बसों की फिटनेस, परमिट, दस्तावेज और अन्य निर्धारित मानकों की नियमित जांच भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर बसों के संचालन को लेकर तरह-तरह की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में परिवहन विभाग द्वारा नियमानुसार सघन जांच की जाए तो बसों की वास्तविक स्थिति भी स्पष्ट हो सकती है। यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से यह केवल परिवहन व्यवस्था का विषय नहीं है। बसों का तकनीकी रूप से दुरुस्त होना, आवश्यक दस्तावेजों का उपलब्ध होना और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालन होना भी उतना ही जरूरी है। ऐसे में परिवहन विभाग से नियमित निरीक्षण और कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

इनका कहना है...

पिछले कुछ दिनों से लांजी-हैदराबाद रूट की बसों के संचालन को लेकर शिकायतें मेरे संज्ञान में आ रही हैं। इस संबंध में परिवहन अधिकारी से चर्चा कर जल्द ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। जो बस संचालक निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बसों की फिटनेस और अन्य निर्धारित मानकों की जांच भी कराई जाएगी। जो बसें तय मानकों के अनुरूप संचालित नहीं पाई जाती हैं, उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई के साथ नियमानुसार शुल्क भी वसूल किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

राजकुमार कर्राहे, विधायक
लांजी-किरनापुर विधानसभा

सैनिकों और उनके परिवारों के लिए प्रशासन के दरवाजे सदैव खुले

जिलाधिकारी मंदार पत्की ने शहीदों को नमन कर मनाया 'शौर्य दिवस'; जिला कार्यालय परिसर में बनेगा शहीद स्मारक

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना समाज की जिम्मेदारी है। पूर्व सैनिकों, वीर पत्नियों, वीर माताओं और सैनिकों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन के दरवाजे सदैव खुले हैं। यह प्रतिपादन जिलाधिकारी मंदार पत्की ने किया।

जिलाधिकारी कार्यालय के जिला नियोजन सभागार में आयोजित 'शौर्य दिवस' कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर कलेक्टर पत्की ने शहीद जवानों को नमन कर उनके शौर्य और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के जवान विपरीत परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा के लिए कर्तव्य निभाते हैं। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही नागरिक सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। पत्की ने कहा कि आने वाले समय में पूर्व सैनिकों के लिए आजीविका संबंधी सुविधाओं के साथ चिकित्सा सेवा और सैनिक कैंटीन की सुविधा जिले में ही उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंदार पत्की ने जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में शहीद

स्मारक बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

पहली बार पूर्व सैनिक को जमीन मंजूरी का आदेश

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिक प्रकाश तांडेकर को कलेक्टर मंदार पत्की के हाथों जमीन मंजूरी का आदेश प्रदान किया गया। कलेक्टर ने बताया कि जिले में यह पहला जमीन मंजूरी का प्रकरण है। पात्र अन्य पूर्व सैनिकों को भी आगामी समय में जमीन मंजूरी के आदेश जारी किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान कुछ पूर्व सैनिकों ने वेतन एवं आदिवासी भत्ते से संबंधित समस्याएं भी रखीं। इस पर कलेक्टर पत्की ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े, उपजिलाधिकारी एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मानसी पाटील, उपजिलाधिकारी दर्शन निकाळजे, जिला सूचना अधिकारी अंजु निमसरकर, राज्य उत्पादन शुल्क अधीक्षक मनोहर अंचुले सहित अधिकारी, कर्मचारी, पूर्व सैनिक, वीर पत्नियां और वीर माताएं उपस्थित थीं।

समस्याओं का समाधान प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी

अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने कहा कि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के साथ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सैनिक दिन-रात कर्तव्य निभाते हैं। उनके शौर्य, त्याग और समर्पण के कारण देश सुरक्षित है। उन्होंने उरी सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान भारतीय सेना के शौर्य का स्मरण करते हुए सैनिकों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों, वीर पत्नियों, वीर माताओं और उनके परिवारों की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। उनके लिए 'शासन आपल्या दारी' की तर्ज पर विशेष पहल चलाकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

वीर पत्नियों का सम्मान

कार्यक्रम में वीर पत्नी ममता गितेश चौधरी और वैशाली कार्तिक गौतम का कलेक्टर मंदार पत्की के हाथों सम्मान किया गया। वहीं, अनुसूचित जाति एवं नवबौद्ध निवासी विद्यालय, नंगपुरा/मुर्री के विद्यार्थियों ने भारतीय सर्जिकल स्ट्राइक पर आधारित नृत्य प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना की।

जिले में 1,242 पूर्व सैनिक, 200 वीर पत्नियां

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मानसी पाटील ने कार्यक्रम की प्रस्तावना में 'शौर्य दिवस' के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोंदिया जिले में 1,242 पूर्व सैनिक और 200 वीर पत्नियां हैं। पूर्व सैनिकों, वीर पत्नियों, वीर माताओं और उनके परिवारों के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के माध्यम से विभिन्न योजनाएं एवं उपक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोंदिया शहर के सहयोग हॉस्पिटल और बाहेकर हॉस्पिटल में पूर्व सैनिकों के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही कल्याणकारी निधि के माध्यम से विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

बिना परमिट रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

7.06 लाख रु. का माल जब्त ▪ अर्जुनी मोरगांव पुलिस की कार्रवाई

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। अवैध रूप से रेत उत्खनन कर बिना किसी परमिट के ट्रैक्टर-ट्रॉली से रेत परिवहन करते एक युवक को अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित करीब 7 लाख 6 हजार रु. का माल जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, हवलदार तुलसीदास ताराचंद लुटे अर्जुनी मोरगांव थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई के लिए गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जानकारी मिली कि एक व्यक्ति तालगांव से अर्जुनी मोरगांव मार्ग पर बिना परमिट के अवैध रेत का परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने पंचों के साथ अर्जुनी मोरगांव के रेल्वे क्रॉसिंग के पास बाजार चौक क्षेत्र में जाल बिछाया। इसी दौरान नीले रंग का स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर ट्रॉली सहित दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर चालक से ट्रॉली में भरी रेत के संबंध में परमिट मांगा। चालक ने रेत बिना किसी परमिट के होने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मौके से बिना नंबर का नीले रंग का स्वराज ट्रैक्टर व ट्रॉली, अनुमानित कीमत 6 लाख रु., एक बिना नंबर की रेत से भरी ट्रॉली कीमत करीब 1 लाख रु. तथा करीब एक ब्रास रेत कीमत 6 हजार रु. सहित कुल 7.06 लाख रु. का माल जब्त किया। हवलदार लुटे की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने अर्जुनी मोरगांव निवासी आरोपी समीर भुमेश्वर रणदिवे (24) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच हवलदार महेंद्र पुण्यपेंड्डीवार कर रहे हैं।

लोहे की रॉड से किया प्रहार

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। दवनीवाड़ा थाने के तहत बोरा निवासी फिर्यादी गोविंद मदनलाल कटरे (38) के लड़के आयुष (11) को आरोपी राजेश उर्फ कृष्ण हंसराज पटले (42) के श्वान ने काटा था। फिर्यादी अपने लड़के के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इंदोरा उपचार के लिए जा रहा था। इसी बीच आरोपी के वेल्डिंग की दुकान के पास आरोपी का तेरे श्वान ने काटा है, उपचार के लिए पैसे दे, ऐसा कहा। जिस पर आरोपी ने लोहे की रॉड से उस पर प्रहार कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया। फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जांच पुलिस नायक अमोल राऊत कर रहे हैं।

1 अक्टूबर से खुलेगा नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। बारिश का मौसम समाप्त होते ही जिले के नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प में एक बार फिर वन पर्यटन शुरू होने जा रहा है। 30 सितंबर को मानसून की अवधि समाप्त होने के बाद 1 अक्टूबर से प्रकल्प पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। इसके साथ ही पर्यटकों को जंगल सफारी और बाघ सहित अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा.मानसून के चार माह वन्यजीवों के प्रजनन काल के साथ जंगल के भीतर होने वाले प्राकृतिक बदलाव और संभावित जोखिमों को देखते हुए वन पर्यटन बंद रखा जाता है। इस दौरान 7 जून से 30 सितंबर तक जंगल सफारी पर रोक रहती है। अब मानसून समाप्त होने के बाद वन विभाग द्वारा पर्यटन गतिविधियां फिर शुरू की जाएंगी। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ समय प्रकृति के सानिध्य में बिताने के लिए शहरवासियों का रुझान वन पर्यटन की ओर बढ़ रहा है। नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प जिले के लिए पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। प्रकल्प में बाघों के साथ विविध वन्यजीव पाए जाते हैं, जिसके चलते वर्षभर पर्यटकों और प्रकृतिप्रेमियों में यहां आने को लेकर उत्सुकता रहती है.पिछले चार माह से वन पर्यटन बंद होने के कारण प्रकृतिप्रेमी जंगल सफारी से वंचित थे. अब सफारी शुरू होने से पर्यटकों में उत्साह है। आगामी दिनों में नवरात्रि और इसके बाद दीपावली का पर्व है। दीपावली की छुट्टियां शुरू होते ही नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। जंगल सफारी के लिए बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने की उम्मीद है।

तुडतुड़े के प्रकोप से धान की फसल बर्बाद

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। पूर्व विदर्भ के 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले गोंदिया जिले में इस वर्ष धान उत्पादक किसान संकट में हैं। पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव, उमस और बारिश के बीच अर्जुनी मोरगांव, सड़क अर्जुनी, सालेकसा, तिरोड़ा, गोरेगांव, देवरी, आमगांव और गोंदिया तहसील के धान खेतों में तुडतुड़े, खोडकीड़ और लष्करी अळी का प्रकोप बढ़ने की बात सामने आ रही है।

कई खेतों में तुडतुड़े के कारण धान के पौधों का रस सूखने से हरे-भरे खेत कुछ ही दिनों में सफेद और भूरे दिखाई देने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर इसे 'हॉपर बर्न' कहा जाता है। किसानों के अनुसार कई खेतों में बालियों में दाने भरने के बजाय पोचा निकल रहा है। जिन खेतों से प्रति एकड़ 20 से 25 बोरी तक उत्पादन की उम्मीद रहती थी, वहां उत्पादन प्रभावित होने से किसानों के सामने कटाई का खर्च निकालना भी चुनौती बन गया है। कीट नियंत्रण के लिए किसानों ने कर्ज लेकर दो से तीन बार महंगे कीटनाशकों का छिड़काव किया। इसके बावजूद प्रकोप नियंत्रित नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बीज, खाद, मजदूरी और कीटनाशकों पर किया गया हजारों रु. का खर्च अब डूबने की आशंका है। एक प्रभावित किसान ने कहा, धान की फसल से परिवार की पूरी उम्मीद जुड़ी थी. कीटों का प्रकोप बढ़ने के बाद कई बार दवा का छिड़काव किया, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिला. खेती पर पहले ही काफी खर्च हो चुका है. अब यदि फसल नहीं बची तो कर्ज चुकाना भी मुश्किल होगा. सरकार को खेतों का तत्काल निरीक्षण कर किसानों को राहत देनी चाहिए.

संयुक्त सर्वेक्षण व आर्थिक सहायता की मांग

किसान संगठनों और जनप्रतिनिधियों की ओर से प्रभावित क्षेत्रों को तत्काल कीटग्रस्त घोषित करने, प्रति हेक्टेयर पर्याप्त आर्थिक सहायता देने तथा फसल बीमा की भरपाई उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। साथ ही चालू वर्ष का कृषि कर्ज माफ करने की मांग भी उठ रही है। किसानों का कहना है कि जिला प्रशासन, कृषि और राजस्व विभाग को संयुक्त टीमें गठित कर गांव-गांव खेतों का प्रत्यक्ष निरीक्षण करना चाहिए. नुकसान का वस्तुनिष्ठ पंचनामा कर जल्द मुआवजा दिया जाए. इसके अलावा पूरे गोंदिया जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को सरसकट आर्थिक सहायता देने की मांग भी जोर पकड़ रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर भाकपा का प्रदर्शन

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की ओर से बुधवार को गोंदिया में प्रदर्शन किया गया. जयस्तंभ चौक से मोर्चा निकालकर कार्यकर्ता एसडीओ कार्यालय पहुंचे. यहां राष्ट्रपति के नाम एसडीओ को ज्ञापन सौंपा गया।

वामपंथी दलों की ओर से 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देशभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में 30 सितंबर को भाकपा ने गोंदिया में आंदोलन किया. प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रूक) और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर आपत्तियां दर्ज कराईं. देश के अन्य हिस्सों में भी वामपंथी दलों ने स्क्रूक और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए हैं. भाकपा ने आरोप लगाया कि स्क्रूकप्रक्रिया तथा फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर उठाई गई

आपत्तियों और चुनाव आयोग के कुछ फैसलों पर व्यक्त की गई चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया. पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की. ज्ञापन में स्क्रूकप्रक्रिया रोकने, मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए लोगों के मतदान अधिकार बहाल करने तथा चुनाव आयोग की स्वतंत्र और लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने की मांग की गई. इसके अलावा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव कर प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने वाली चयन प्रक्रिया अपनाने की मांग भी की गई. प्रदर्शन में हौसलाल रहांगडाले, मिलिंद गणवीर, रामचंद्र पाटील, करुणा गणवीर, अशोक मेश्राम, प्रल्हाद उके, शालू कुथे, गुणवंतराव नाईक, सुरेश रंगारी, जितेंद्र गजभिये, विमल रामटेके, प्रकाश डहाट, भोलाराम मरस्कोल्हे, अशोक बागडे, घनश्याम गजभिये सहित भाकपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

डेढ़ साल से अंधेरे में डा. आंबेडकर चौक

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। शहर के डा. बाबासाहब आंबेडकर चौक में करीब डेढ़ साल से हाईमास्ट लाइट बंद होने के कारण रात के समय अंधेरा पसरा रहता है. इससे चौक से गुजरने वाले नागरिकों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ट्रक की टक्कर से हाईमास्ट का पोल क्षतिग्रस्त होने के बाद उसे हटा दिया गया था. इसके बाद अब तक नया हाईमास्ट नहीं लगाया जा सका है। डा. बाबासाहब आंबेडकर चौक में स्थानीय विकास विधायक निधि से वर्ष 2008 में हाईमास्ट लाइट लगाई गई थी. 1 जनवरी 2009 को तत्कालीन विधायक केशवराव मानकर के हाथों इसका लोकार्पण हुआ था. इसकी देखभाल व दुरुस्ती की जिम्मेदारी नगर परिषद को दी गई थी. करीब डेढ़ वर्ष पहले तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर

से हाईमास्ट का पोल जमीन पर गिर गया. हादसे में पोल के साथ उसका बेस भी क्षतिग्रस्त हो गया. इसके बाद नगर परिषद की ओर से नया पोल लगाने की बात कही गई, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी काम नहीं हुआ. चौक जैसे प्रमुख स्थान पर प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी है.

अंधेरे से नागरिक परेशान

शहर के प्रमुख चौक में हाईमास्ट लाइट बंद रहने से रात के समय नागरिकों को असुविधा हो रही है. स्थानीय लोगों की मांग है कि नया हाईमास्ट लगाने की प्रक्रिया जल्द पूरी कर चौक में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

डा. बाबासाहब आंबेडकर चौक का हाईमास्ट ट्रक की टक्कर से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था. संबंधित ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. नए हाईमास्ट के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है. निधि के अभाव में काम लंबित है. निधि उपलब्ध होते ही नया हाईमास्ट लगाया जाएगा.

शुभम मेश्राम, विद्युत अभियंता, नप आमगांव

चौक में हाईमास्ट लगाने के लिए विद्युतीकरण और बेस का निर्माण स्मारक समिति की ओर से किया गया था तथा इसकी देखभाल भी समिति करती थी. पोल को ट्रक की टक्कर के बाद नगर परिषद को इसकी जानकारी दी गई. पुलिस थाने में शिकायत करने के साथ ही हाईमास्ट के संबंध में कई बार नगर परिषद से पृच्छा भी की गई, लेकिन अब तक इस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है.

जनार्दन शिंगाडे, सचिव, डा. आंबेडकर स्मारक समिति, आमगांव

प्रधानमंत्री आवास का निधि अटका, लाभार्थियों में रोष

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव नगर परिषद क्षेत्र में शामिल सात गांवों के प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को अंतिम चरण की निधि का इंतजार है. पहले और दूसरे चरण की राशि मिलने के बाद कई लाभार्थियों ने मकान का निर्माण काफी हद तक पूरा कर लिया है. लेकिन अंतिम चरण की निधि नहीं मिलने से अनेक मकान अधूरे पड़े हैं. इससे लाभार्थियों में तीव्र असंतोष है.

योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए चरणबद्ध तरीके से निधि दी जाती है. लाभार्थियों ने शासन से मिली राशि के साथ अपनी बचत, उधारी और कर्ज लेकर निर्माण कार्य आगे बढ़ाया. अब अंतिम किश्त अटकने से मकान का शेष निर्माण पूरा करना मुश्किल हो गया है. कई मकानों में छत और अंतिम चरण का काम बाकी है. लाभार्थियों द्वारा नगर परिषद प्रशासन से बार-बार संपर्क किए जाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का राष्ट्रीय पोर्टल करीब एक महीने से बंद होने की जानकारी दिए जाने की बात सामने आई है. पोर्टल बंद होने के कारण अंतिम चरण की निधि वितरण प्रक्रिया रुकी होने का प्रशासन की ओर से हवाला दिया जा रहा है. लेकिन पोर्टल कब शुरू होगा और लंबित

निधि कब तक मिलेगी, इसे लेकर लाभार्थियों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है.

घर पूरा होगा, इसी उम्मीद से पहले दो चरणों में मिली निधि से निर्माण कार्य कराया. अब अंतिम चरण की राशि अटकने से घर का काम अधूरा पड़ा है. परिवार के साथ अपने घर में रहने का सपना कब पूरा होगा, यह सवाल बना हुआ है. प्रशासन को लाभार्थियों की परेशानी समझते हुए तत्काल निधि उपलब्ध करानी चाहिए.

रामलाल ठाकरे, वरिष्ठ नागरिक

कुएं में डूबने से युवक की मौत

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। ग्रामीण थाना क्षेत्र के खमारी गांव के भरतनगर में घर के पीछे स्थित कुएं में डूबने से शंकर केशोराव बाहे (36) की मौत हो गई. बताया गया कि शंकर कुएं में डूब गया. घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. मृतक के भाई मंगल केशोराव बाहे (42) की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है. जांच हवलदार दशरिया कर रहे हैं.

नहर में गिरने से युवती की मौत

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। कपड़े धोने के लिए नहर पर गई युवती को अचानक दौरा पड़ने से वह नहर के पानी में गिर गई. डूबने से उसकी मौत हो गई. घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे नवेगांवबांध में हुई.

मृतका का नाम नवेगांवबांध निवासी वनिता बारकू किनाके (27) बताया गया है. वनिता मजदूरी का काम करती थी. सोमवार सुबह करीब 9 से 10.30 बजे के बीच वह घर के सामने स्थित नहर पर कपड़े धोने गई थी. इसी दौरान उसे अचानक दौरा पड़ा और वह नहर में गिर गई. पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आकस्मिक कार्रवाई की. मृतका के पिता बारकू गंगाधर किनाके (60) की शिकायत पर आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुरेश मेश्राम कर रहे हैं.

निवेदन का असर, रामपुरी योजना की मरम्मत शुरू

चार दिन में नौ गांवों में जलापूर्ति सुचारू करने का दावा

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के दुर्गम व आदिवासी क्षेत्र के नौ गांवों के लिए महत्वपूर्ण रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना पिछले कई महीनों से बंद पड़ी थी. योजना को तत्काल शुरू करने की मांग को लेकर रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना संघर्ष समिति ने उपअभियंता चेतन चेटूले को निवेदन सौंपकर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी थी. इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और दूसरे ही दिन योजना की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया.

योजना बंद होने से नौ गांवों के ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इसे लेकर संघर्ष समिति के नेतृत्व में पावनी के धाबे पवनी चौक में उपअभियंता चेतन चेटूले को निवेदन सौंपकर आठ दिन का

अल्टीमेटम दिया गया था. प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल तकनीकी कर्मचारियों को मौके पर भेजकर काम शुरू कराया. वर्तमान में पाइपलाइन की खराबी दूर करने के साथ पंपिंग व विद्युत व्यवस्था की मरम्मत का काम जारी है. प्रशासन के अनुसार आगामी चार दिनों में रामपुरी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के माध्यम से नौ गांवों में नियमित जलापूर्ति शुरू करने की तैयारी है. कई महीनों से पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को मरम्मत कार्य शुरू होने से राहत की उम्मीद जगी है. संघर्ष समिति के आंदोलन की चेतावनी के बाद प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई किए जाने से नागरिकों में संतोष व्यक्त किया जा रहा है.

ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए प्रशासन प्रयासरत - अभिजीत घोरपड़े

पदमेश न्यूज़। गोंदिया। जिले में बिखरे ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। जिले का गजेट तैयार करने के लिए आयोजित इतिहास संशोधक एवं अभ्यासक मंडल की बैठक में अपर जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने यह जानकारी दी। बैठक मंगलवार को अपर जिलाधिकारी के कक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में राज्य पुरातत्व विभाग के सहायक संचालक मयुरेश खडके सहित जिले के इतिहास संशोधक मंडल के सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान जिले में मौजूद ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों पर विस्तृत चर्चा की गई। तिरोड़ा क्षेत्र में लौह युग से संबंधित वस्तुएं मिलने के साथ ही नागरा क्षेत्र में भी अनेक पुरातात्विक अवशेष मिलने की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि जिले की कचारगढ़ गुफा अश्मकालीन मानी जाती है और इसकी प्राचीनता करीब 25 हजार वर्ष बताई जाती है। इसके अलावा छठी शताब्दी में चीनी बौद्ध भिक्षु ह्वेनसांग के नागरा मार्ग से गुजरने के संदर्भ में भी ऐतिहासिक

उल्लेख मिलने की जानकारी दी गई। प्रतापगढ़ की ऐतिहासिक वास्तुएं तथा नागरा की भैरवटेकड़ी सातवाहन काल से संबंधित होने के प्रमाणों पर भी चर्चा हुई। जिले में हेमाडपंथी मंदिरों के साथ कुशाण, वाकाटक, कुतुबशाही और मुगलकालीन दौर से संबंधित सिक्के एवं ईंटें मिलने की जानकारी भी इतिहास अभ्यासकों ने बैठक में साझा की। बैठक में मारोती बुटकुले, एड. लखनसिंहजी कटरे, अनिल देशमुख, भरत क्षत्रिय, दुलीचंदराव बुद्धे, नारायणप्रसाद जमईवार, प्रा. डॉ. कल्पना सांगोले, प्रा. विद्या रेटले, प्रा. सुनील शेंडे, अनुप शुक्ला, इंजि. सूर्यप्रकाश पारधी, विजयकुमार बैस, प्रा. चंद्रकुमार पटले, योगेश पारधी, संतोष पुंडकर, ओ.सी. पटले और सिद्धार्थ मेश्राम उपस्थित थे।

पदमपुर का भी ऐतिहासिक महत्व

इतिहास संशोधकों ने बताया कि प्राचीन साहित्य में पदमपुर का उल्लेख मिलता है। प्रसिद्ध कवि भवभूति से संबंधित संदर्भ तथा उनके द्वारा लिखे गए उत्तररामचरित से जुड़े प्रमाण यहां मिलने की बात भी बैठक में रखी गई। क्षेत्र में जैन धर्म से संबंधित अनेक मूर्तियां भी मौजूद हैं। इतिहास विशेषज्ञों ने जिले में मौजूद इस समृद्ध विरासत के संरक्षण के लिए शासन स्तर पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता जताई। इस पर अपर जिलाधिकारी घोरपड़े ने कहा कि राज्य पुरातत्व विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से आगामी समय में एक समिति गठित कर जिले की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

नई दिल्ली (ईएमएस)। जापान के निशिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निशिन में खेला जाएगा। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है।

इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है। अब सबकी निगाहें चौथे क्वार्टरफाइनल पर हैं। यदि वह मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचेगा और मलेशिया का अभियान समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। भारत और श्रीलंका सहित एशियन गेम्स 2026 के सभी सेमीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर को खेले जाने हैं। यदि सेमीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो जाते हैं, तो टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बेहतर रैंक वाली टीमें सीधे फाइनल में पहुंच जाएंगी। ऐसी स्थिति में, भारत और पाकिस्तान के बीच गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला होने की संभावना है, जबकि श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच ब्रॉन्ज मेडल का मैच खेला जाएगा।

एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भारत और अफगानिस्तान के बीच फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया था, और उस समय भारत को बेहतर रैंकिंग के आधार पर गोल्ड मेडल दिया गया था, जबकि अफगानिस्तान को सिल्वर मिला था। हालांकि, इस बार नियम बदल गया है। यदि 3 अक्टूबर को होने वाला फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो जाता है, तो दोनों फाइनलिस्ट टीमों को संयुक्त रूप से गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। बारिश ने नॉकआउट चरण का समीकरण कई बार बदला है, लेकिन अब भारतीय टीम के सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी के रूप में श्रीलंका तय है। भारत की नजर 1 अक्टूबर को यह मुकाबला जीतकर 3 अक्टूबर के फाइनल में अपनी जगह बनाने पर होगी।

भारत का स्क्वॉड- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, विप्रज निगम, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रित बुमरा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी

श्रीलंका का स्क्वॉड- सहान अराचिग्गे (कप्तान), एशेन बंडारा, लसिथ क्रूसपुले, सोहन डी लिवरा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), बिनुरा फर्नांडो, नुवानिदु फर्नांडो, थारिंडु रत्नायके, दुशान हेमंथा, सिनेथ जयवर्धने, चमिका करुणारत्ने, गरुका संकेथ, वानुजा सहन, नुवान तुषारा, विजयकांत व्यासकांत

मोहित बने सीएसके के नये गेंदबाजी कोच

चेन्नई। आईपीएल के अगले सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मोहित शर्मा को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। मोहित को एरिक सिमंस की जगह नया कोच बनाया गय है। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथन ने मोहित को कोच बनाने की पुष्टि करते हुए बताया है कि टीम के मुख्य कोच जहीर खान ने मोहित शर्मा के नाम की सिफारिश की थी। यह कदम आगामी सीजन के लिए टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

गौरतलब है कि मोहित का सीएसके और उसके पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ एक पुराना और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने धोनी की कप्तानी में चेन्नई के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेले और टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ उनके अनुभव का लाभ उठाया जाएगा। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मोहित का यह अनुभव खिलाड़ियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और वह टीम की गेंदबाजी इकाई को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्य कोच जहीर खान का मानना है कि मोहित का चेन्नई के माहौल से जुड़ाव और उनका खेल के प्रति गहरा ज्ञान टीम के लिए अमूल्य साबित होगा।

गौरतब है कि मोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपने करियर की शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने 2013 में टीम के लिए पदार्पण किया और अपने पहले ही सत्र में 15 मैचों में 20 विकेट हासिल कर सबको प्रभावित किया। इसके बाद आईपीएल 2014 में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और चेन्नई के लिए 23 विकेट लेकर उस सीजन में टीम के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बने। यह उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। चेन्नई के अलावा, उन्होंने पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस का भी प्रतिनिधित्व किया है।

63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीज़न के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौंकाने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हैरिस को रिलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है। इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमें एड़ी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थीं, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। उनकी वापसी से टीम का संतुलन काफी मजबूत होगा। दूसरी तरफ, आरसीबी ने ग्रेस हैरिस समेत कुल चार खिलाड़ियों को रिलीज करने का कड़ा फैसला लिया है। हैरिस के अलावा डी हेमलता, गौतमी नाइक और लिंसी स्मिथ को भी टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। कप्तान स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल और एलिस पेरी जैसे दिग्गजों के दम पर आरसीबी एक बार फिर खिताब रक्षा के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आगामी नीलामी में सबसे आक्रामक रुख यूपी वॉरियर्स का देखने को मिल सकता है। यूपी वॉरियर्स ने सबसे अधिक नौ खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है। इनमें किरण नवगिरे और वेस्टइंडीज की आक्रामक खिलाड़ी डीयांड्रा डॉटिन जैसी बड़ी मैच-विनर शामिल हैं। नौ खिलाड़ियों को रिलीज करने के बाद यूपी वॉरियर्स अब 3.65 करोड़ रुपये की अधिकतम राशि (पर्स) के साथ कोच्चि में नीलामी के दौरान सबसे मजबूत स्थिति में उतरेगा। वहीं, डब्ल्यूपीएल के इतिहास में चारों फाइनल गंवाने वाली दिल्ली कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में बदलाव के संकेत दिए हैं। दिल्ली ने छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर एलेना किंग, अनुभवी भारतीय खिलाड़ी स्नेह राणा और लिजेल ली शामिल हैं। दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने भी छह खिलाड़ियों को बाहर किया है, जिसमें जी कमालिनी और बाएं हाथ की स्पिनर साइका इशाक का नाम प्रमुख है। इसके अलावा, गुजरात जाइंट्स द्वारा रिलीज की गई खिलाड़ियों में इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डेनियल वाट हॉज सबसे बड़ा नाम बनकर उभरी हैं। डब्ल्यूपीएल 2027 का नया सीजन 14 जनवरी से शुरू होगा। इससे पहले, सभी टीमें अपनी रणनीति को अंतिम रूप देंगी और 28 अक्टूबर को होने वाली मिनी नीलामी में अपनी सूझबूझ का प्रदर्शन करेंगी ताकि खाली पड़े 27 स्थानों को सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से भरा जा सके। टीमों ने स्मृति मंधाना, एलिस पेरी (आरसीबी), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स (दिल्ली कैपिटल्स), हरमनप्रीत कौर, अमेलिया केर (मुंबई इंडियंस), एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी (गुजरात जाइंट्स) और दीप्ति शर्मा, मेग लैनिंग (यूपी वॉरियर्स) जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जो अपने-अपने खेमों के लिए प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

एशियाड में 10वां गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

-एशियन गेम्स के 11वें दिन तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोडक़र मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी के तीनों इवेंट में गोल्ड जीते। विमेंस टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपने खिताब का बचाव किया। मिक्स्ड टीम फाइनल में चिकिता और साहिल का मुकाबला साउथ कोरिया की पार्क जंगयून और चोई योंगही से था। भारत ने शूट-ऑफ में गोल्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी हासिल किया।पुरुष टीम फाइनल में साहिल, गणेश और कुशल की टीम ने चीन को 238-237 से हराया। भारत शुरुआती एंड में 58-60 से पीछे था, लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने लगातार शानदार निशाने लगाए। फाइनल के बाद के 180 में भारत ने 180 अंक हासिल किए। साहिल ने अपने सभी 8 शॉट में 10 अंक बनाए, जबकि गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच लगातार 10 लगाए।

नीरू-किनान ने शूटिंग में दिलाया गोल्ड

ट्रैप मिक्स्ड टीम फाइनल में नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने भारत को गोल्ड दिलाया। भारत ने शुरुआत में 10 में से 6 हिट किए थे और एक समय चार टीमों में सबसे नीचे था। इसके बाद दोनों ने एक भी टारगेट मिस नहीं किया और शानदार वापसी करते हुए गोल्ड जीता। भारत ने कतर को सिर्फ एक अंक से पीछे छोड़ा। चीन ने ब्रॉन्ज जीता। नीरू का यह इन गेम्स में दूसरा गोल्ड है। इससे एक दिन पहले उन्होंने विमेंस ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता था।

हॉकी में साउथ कोरिया को 2-0 हराकर फाइनल में भारत

भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत के लिए इशिका ने पेनल्टी कॉर्नर की वैरिएशन पर गोल किया, जबकि कप्तान सलिमा ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी की। अब भारत का गोल्ड मेडल मैच चीन से होगा। यह मुकाबला 2 अक्टूबर को खेला जाएगा।

वित्या ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकॉर्ड तोड़ा

आईची। भारत की वित्या रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकार्ड तोड़ दिया। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफललता हासिल कर वित्या ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्या ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले, वित्या एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्या के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं। ट्रक ड्राइवर पिता की बेटी वित्या के लिए यह सफलता रातों-रात नहीं आई है, बल्कि यह वर्षों के संघर्ष और त्याग का परिणाम है। उनके और उनके परिवार ने बचपन में अनगिनत आर्थिक कठिनाइयों और अभावों का सामना किया। परिवार में हमेशा सुख-सुविधाओं की कमी रही, लेकिन वित्या और उनकी जुड़वा बहन नित्या, जो खुद भी एक प्रसिद्ध एथलीट हैं, ने कभी हार नहीं मानी।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में कुलदीप और कोहली को हुआ लाभ

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लाभ हुआ है और वह चार स्थान ऊपर आये हैं। वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बल्लेबाज विराट कोहली को भी एक स्थान का लाभ हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की थी। बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली एक स्थान ऊपर आये हैं। अब विराट दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे अब केवल शुभमन गिल हैं। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर फिसल गए हैं। वहीं भारत के रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं।गेंदबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और वह अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

पारी की शुरुआत से अंत तक डटे रहने वाले पांच दिग्गज बल्लेबाज

नई दिल्ली । वनडे क्रिकेट में पारी की पहली गेंद से लेकर अंतिम गेंद तक क्रीज पर टिके रहना और नाबाद पवेलियन लौटना, जिसे क्रिकेट की भाषा में कैरीइंग द बैट कहा जाता है, एक असाधारण उपलब्धि है। यह धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का अद्भुत प्रदर्शन होता है। तेज रफ्तार वनडे फॉर्मेट में यह कारनामा बहुत कम देखने को मिलता है। इतिहास के ऐसे पांच बल्लेबाज जिन्होंने अपनी टीम के लिए अकेले किला लड़ाया और नया इतिहास रचा, वे इस प्रकार हैं।

इस गौरवशाली कारनामे को सबसे पहले जिम्बाब्वे के ग्रैंट फ्लावर ने 15 दिसंबर 1994 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंजाम दिया था। अपनी शांत और संयमित बल्लेबाजी से उन्होंने नाबाद 84 रन बनाए, जबकि दूसरे छोर से विकेट लगातार गिरते रहे। जिम्बाब्वे की टीम 205 रन पर सिमट गई, लेकिन फ्लावर अंत तक डटे रहे। ग्रैंट फ्लावर के इस कारनामे के कुछ ही महीनों बाद, 22 फरवरी 1995 को हरारे में पाकिस्तान के सईद अनवर ने एक और इतिहास रचा। जिम्बाब्वे के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने शानदार 103 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन उनकी टीम 219 रनों पर ऑलआउट हो गई और अनवर नाबाद लौटे। वह लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरीइंग द बैट करने वाले पहले और अब तक के एकमात्र बल्लेबाज बने।

1 सितंबर 1996 को नॉटिंघम में इंग्लैंड के निक नाइट ने पाकिस्तान के घातक तेज गेंदबाजों वसीम अकरम और वकार यूनुस के सामने डटकर मुकाबला किया। उन्होंने नाबाद 125 रन बनाकर अपनी टीम को 246 के स्कोर तक पहुंचाया और पारी की शुरुआत से अंत तक क्रीज पर बने रहे। 1999 क्रिकेट विश्व कप के दौरान 30 मई 1999 को मैनचेस्टर में वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिडले जैकब्स ने ग्लेन मैकग्रा और शेन वॉर्न जैसे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों के सामने अविश्वसनीय संघर्ष दिखाया। वेस्टइंडीज की टीम 110 पर ढेर हो गई, लेकिन जैकब्स 49 रन बनाकर नाबाद रहे। यह पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज ने बिना अर्धशतक बनाए यह कारनामा किया।

3 मार्च 2000 को ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के डैमियन मार्टिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 116 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी क्लास का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम ढहने के बाद मार्टिन ने अकेले पारी संभाली और टीम को 191 रनों तक पहुंचाया। उनकी इस जुझारू पारी ने साबित किया कि कठिन परिस्थितियों में एक बल्लेबाज का धैर्य टीम के लिए कितना महत्वपूर्ण होता है। ये पांच दिग्गज बल्लेबाज वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने अद्वितीय धैर्य और कौशल के लिए हमेशा याद किए जाएंगे।

वनडे क्रिकेट में चौकों-छक्कों से सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाज

नई दिल्ली। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में कई ऐसी पारियां खेली गई हैं, जिन्होंने बल्लेबाजों की अदम्य शक्ति और गेंदबाजों पर उनके प्रभुत्व का प्रदर्शन किया है। जब कोई बल्लेबाज क्रीज पर जम जाता है और चारों ओर बाउंड्री की बारिश करने लगता है, तो वह न केवल स्कोरबोर्ड को तेज़ी से चलाता है, बल्कि दर्शकों को भी अपनी सीट से बांधे रखता है। आइए जानते हैं उन पांच धुरंधर बल्लेबाजों के बारे में, जिन्होंने अपनी एक पारी में चौकों और छक्कों के दम पर सर्वाधिक रन बटोरे और क्रिकेट के मैदान पर रनों का एक विशाल पहाड़ खड़ा कर दिया।

भारत के हिटमैन रोहित शर्मा का नाम इस सूची में सबसे ऊपर है। 13 नवंबर 2014 को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडेन गार्डन्स में श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 264 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली थी। यह वनडे इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस पारी में रोहित ने 33 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के जड़े थे, जिससे उनके कुल 186 रन केवल बाउंड्री से आए थे। उन्होंने 173 गेंदों का सामना करते हुए 152.60 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह कारनामा आज भी वनडे क्रिकेट का एक अटूट रिकॉर्ड है, जो उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रमाण है।

न्यूजीलैंड के धाकड़ सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल ने 2015 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ वेलिंगटन में अपनी प्रचंड फॉर्म का प्रदर्शन किया था। 21 मार्च 2015 को खेले गए उस मुकाबले में गप्टिल ने 163 गेंदों में नाबाद 237 रनों की मैराथन पारी खेली। उन्होंने अपनी इस तूफानी पारी में 24 चौके और 11 छक्के लगाए, जिसके परिणामस्वरूप 162 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से आए थे। 145.39 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी विश्व कप इतिहास की सबसे यादगार पारियों में से एक है। भारतीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने 10 दिसंबर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में महज 131 गेंदों में 210 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक भी था, जिसने उनकी आक्रामक शैली को दर्शाया। ईशान ने अपनी इस पारी में 24 चौके और 10 छक्के जड़े, जिससे उनके खाते में 156 रन बाउंड्री से दर्ज हुए। 160.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से उन्होंने बांग्लादेशी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर शेन वाटसन ने 11 अप्रैल 2011 को मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ 96 गेंदों में नाबाद 185 रन बनाकर तहलका मचा दिया था। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 15 छक्के जड़े, यानी कुल 150 रन बाउंड्री के ज़रिए बटोरे। 192.70 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी यह पारी कम गेंदों में सर्वाधिक बाउंड्री रन बनाने वाली पारियों में से एक है, जो उनकी विध्वंसक बल्लेबाजी का प्रतीक है और यह दर्शाता है कि वह कितनी तेज़ी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ा सकते थे।

इस प्रतिष्ठित सूची में हिटमैन रोहित शर्मा का नाम एक बार फिर आता है। कोलकाता में 264 रन बनाने से ठीक एक साल पहले, 2 नवंबर 2013 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित ने अपना पहला दोहरा शतक जड़ते हुए 209 रन बनाए थे। उन्होंने 158 गेंदों में 222 मिनट तक बल्लेबाजी करते हुए 132.27 के स्ट्राइक रेट से यह स्कोर हासिल किया। इस पारी में 12 चौके और 16 छक्के शामिल थे, जिससे उन्होंने 144 रन केवल बाउंड्री से बटोरे थे। उस समय एक वनडे पारी में 16 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज हुआ था। इन सभी बल्लेबाजों ने अपनी-अपनी पारियों में केवल रन ही नहीं बनाए, बल्कि क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में अपनी छाप छोड़ी और वनडे क्रिकेट के स्वरूप को एक नई दिशा दी है।

विराट कोहली 35 की उम्र के बाद हुए और खूंखार, 27 पारियों में जड़े 1555 रन और सात वनडे शतक

नई दिल्ली । क्रिकेट की दुनिया में जहां उम्र बढ़ने के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अक्सर गिरावट देखी जाती है, वहीं विराट कोहली जैसे कुछ महामानव हैं जो इस धारणा को चुनौती देते हैं। 37 साल के हो चुके विराट कोहली अंग्रेजी कहावत एजिंग लाइक अ फाइन वाइन को पूरी तरह से चरितार्थ कर रहे हैं। उनके आंकड़े बताते हैं कि 35 साल की उम्र पार करने के बाद से उन्होंने वनडे क्रिकेट में एक नया अध्याय लिखा है। इस अवधि में उन्होंने 27 पारियों में अविश्वसनीय 70.68 की औसत और 100.51 के स्ट्राइक रेट से कुल 1555 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सात शानदार शतक और नौ अर्धशतक निकले हैं, जो उनकी बढ़ती रनों की भूख को दर्शाता है। वह गेंदबाजों पर पहले से भी ज्यादा कहर बनकर टूट रहे हैं।

हाल ही में, उन्होंने एक और मील का पत्थर पार करते हुए सचिन तेंदुलकर के 15 हजार वनडे रन बनाने के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। विराट ने यह उपलब्धि सचिन से 74 कम पारियों में हासिल की, जिससे वह सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। सचिन ने जहां 17528 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ था, वहीं कोहली ने 15950 गेंदों का सामना किया। यह उपलब्धि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर की शाम को हासिल की। वर्तमान में, कोहली के नाम 55 वनडे शतक दर्ज हैं और उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह संख्या अभी और बढ़ेगी। हालांकि, सचिन तेंदुलकर के 18,426 रनों के कुल आंकड़े को पार करना, खासकर वनडे मैचों की संख्या में कमी को देखते हुए, एक कठिन चुनौती प्रतीत होता है।

यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से बड़े खिलाड़ी हैं। हालांकि कुछ आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जा सकता है, लेकिन ऐसी तुलना करना हमेशा उचित नहीं होता। दोनों ही खिलाड़ी अपने-अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया। रिकॉर्ड्स के आधार पर ही उनकी महानता को मापना दोनों ही दिग्गजों के साथ न्याय नहीं होगा। विराट कोहली अपने बेहतरीन फॉर्म और रिकॉर्ड्स के साथ क्रिकेट जगत में अपनी छाप लगातार गहरी कर रहे हैं।

अनुकंपा नियुक्ति, पदोन्नति और भर्ती नियमों में बदलाव संभव

- स्थापना दिवस से पहले कर्मचारियों को राहत देने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस यानी एक नवंबर से पहले राज्य सरकार कर्मचारियों से जुड़े कई लंबित मामलों में नीतिगत निर्णय ले सकती है। अनुकंपा नियुक्ति, पदोन्नति, संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, सेवा शर्तों और आचरण नियमों में बदलाव के प्रस्तावों पर सरकार के स्तर पर मंथन चल रहा है। इसके साथ ही भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए समान प्रकृति के पदों के लिए अलग-अलग परीक्षाओं के बजाय एक परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग, वित्त विभाग सहित संबंधित विभागों को कर्मचारियों से जुड़े नीतिगत मामलों में जल्द कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि स्थापना दिवस से पहले सरकार कुछ मामलों में निर्णय लेकर लंबित प्रक्रियाओं को गति दे सकती है।

प्रदेश में लंबे समय से अनुकंपा नियुक्तियों के कई मामले लंबित हैं। हाल ही में स्कूल शिक्षा विभाग ने 700 से अधिक अनुकंपा नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। इसके बावजूद दूसरे विभागों में ऐसे मामलों का निराकरण होना बाकी है। इसी तरह संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति और नियमितीकरण को लेकर भी नीतिगत स्पष्टता की जरूरत है। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 2023 की नीति को कई विभागों में अभी पूरी तरह लागू नहीं किया गया है। नीति के तहत 50 प्रतिशत पदों पर संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा होती रही है। ऊर्जा विभाग ने करीब छह हजार पदों पर विभागीय परीक्षा के माध्यम से संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया शुरू की है। दूसरे विभागों में भी इसी तरह की प्रक्रिया शुरू करने को लेकर निर्णय लिया जाना बाकी है।

सीपीसीटी से प्रभावित पदोन्नति का मामला

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की तृतीय श्रेणी के पदों पर पदोन्नति में कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा यानी सीपीसीटी की अनिवार्यता एक बड़ी अड़चन बनकर सामने आई है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि कई कर्मचारियों को पदोन्नति मिलने के बाद सीपीसीटी की शर्त पूरी नहीं कर पाने के कारण पदावनत तक किया गया है। ऐसे मामलों को देखते हुए सीपीसीटी की अनिवार्यता में बदलाव या छूट देने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। कर्मचारी संगठनों की मांग है कि चतुर्थ श्रेणी से पदोन्नति और अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में सीपीसीटी को अनिवार्य नहीं रखा जाए।

पदोन्नति के लिए पात्रता अवधि में छूट संभव

पदोन्नति के नियमों में पात्रता अवधि को लेकर भी बदलाव की संभावना है। वर्तमान में कई संवर्गों में पदोन्नति के लिए पांच वर्ष की सेवा अवधि निर्धारित है। प्रस्तावित बदलाव में कुछ परिस्थितियों में इस अवधि में छूट देकर कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर देने पर विचार किया जा रहा है। इससे उन कर्मचारियों को राहत मिल सकती है जिनकी पदोन्नति प्रक्रिया निर्धारित सेवा अवधि के कारण अटकी हुई है।

भर्ती में बार-बार परीक्षा से राहत की तैयारी

सरकार भर्ती प्रक्रिया को भी सरल बनाने पर विचार कर रही है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत समान प्रकृति के पदों के लिए अलग-अलग भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने के बजाय एक साझा परीक्षा कराई जा सकती है। इसका उद्देश्य अभ्यर्थियों को बार-बार अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल होने की जरूरत कम करना और भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय व सरकारी संसाधनों की बचत करना है। भर्ती नियमों में आवश्यक संशोधन को लेकर संबंधित विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं।

अनुकंपा नियुक्ति खत्म होने के मामले ने बढ़ाई मांग

सीपीसीटी की अनिवार्यता को लेकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग का एक मामला भी कर्मचारी संगठनों के बीच चर्चा में है। विभाग में तृतीय श्रेणी कर्मचारी अनीता विश्वकर्मा को जून 2021 में अनुकंपा नियुक्ति इस शर्त के साथ दी गई थी कि वे तीन वर्ष के भीतर सीपीसीटी उत्तीर्ण करेंगी। उन्होंने इस अवधि में कंप्यूटर डिप्लोमा किया, लेकिन सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं कर सकीं। चार बार परीक्षा देने के बावजूद सफल नहीं होने के बाद विभाग ने उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने मांग की है कि अनुकंपा नियुक्ति और चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के मामलों में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त की जाए।

स्थापना दिवस से पहले फैसलों पर नजर

कर्मचारियों से जुड़े कई मामले लंबे समय से लंबित हैं। ऐसे में स्थापना दिवस से पहले सरकार की ओर से होने वाली बैठकों और प्रस्तावों पर कर्मचारी संगठनों की नजर है।

पांच आईपीएस समेत आठ अधिकारियों के तबादलें

मनीष भारद्वाज जबलपुर में होंगे एएसपी

भोपाल (ईएमएस) । मध्यप्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए आठ अधिकारियों की पदस्थापना बदली है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में पांच भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और तीन राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनीष भारद्वाज को सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली, नगरीय इंदौर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर पदस्थ किया गया है। इससे पहले भोपाल एमपी नगर एएसपी पद से हटाकर मनीष भारद्वाज को पुलिस मुख्यालय पदस्थ किया गया था। कुछ समय बाद उन्हें इंदौर भेजा गया था। अब उन्हें इंदौर से जबलपुर भेजा गया है।

आदित्य सिंघारिया को एसडीओपी सिहोरा, जबलपुर से हटाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला खंडवा बनाया गया है। मनस्वी शर्मा, जो एसडीओपी त्योंथर, रीवा थीं, अब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन की जिम्मेदारी संभालेंगी। मनीष भारद्वाज को सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली, नगरीय इंदौर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर पदस्थ किया गया है। विक्रम अहिरवार, नगर पुलिस अधीक्षक, नागदा, उज्जैन को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन-3, नगरीय पुलिस भोपाल बनाया गया है। वहीं जेण्डेन लिंगजर्पा, एसडीओपी महिदपुर, उज्जैन से अब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला ग्वालियर की जिम्मेदारी संभालेंगे।

राज्य पुलिस सेवा के तीन अधिकारियों के भी तबादले

राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी घनश्याम मालवीय को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शाजापुर से हटाकर सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। महेंद्र तारणेकर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, खंडवा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला शाजापुर भेजा गया है। वहीं शालिनी दीक्षित को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन-3, नगरीय पुलिस भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल की जिम्मेदारी दी गई है।

अफीम नीति में देरी से किसानों की चिंता बढ़ी

- मंदसौर-नीमच-रतलाम में 30 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच होती है बुवाई; नीति देर से आई तो उत्पादन घटने और पट्टे निरस्त होने का खतरा

भोपाल । पश्चिमी मध्यप्रदेश के मंदसौर, नीमच और रतलाम जिले के अफीम उत्पादक किसान इस साल केंद्र सरकार की 2026-27 की अफीम नीति का इंतजार कर रहे हैं। सितंबर का अंतिम सप्ताह शुरू होने के बावजूद नीति जारी नहीं होने से किसानों के सामने बुवाई को लेकर असमंजस की स्थिति है। किसानों का कहना है कि नीति जारी होने में ज्यादा देरी हुई तो अफीम की बुवाई का अनुकूल समय निकल सकता है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पडने् की आशंका है।

हर साल वित्त मंत्रालय और केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की ओर से अफीम उत्पादन नीति जारी की जाती है। इसमें किसानों की पात्रता, लाइसेंस, खेती का रकबा, न्यूनतम उपज, मॉर्फिन की मात्रा, खरीद की व्यवस्था और अफीम की खेती की पद्धति से जुड़े नियम तय किए जाते हैं। किसानों को इसी नीति के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उन्हें किस पद्धति से खेती करनी है।

अफीम उत्पादक किसानों के मुताबिक 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक का समय बुवाई के लिए अनुकूल माना जाता है। ऐसे में नीति जारी होने में देरी से किसानों को खेती की तैयारी और बुवाई शुरू करने में परेशानी हो रही है। किसानों की चिंता है कि बुवाई आगे खिसकी तो फसल के विकास और बाद में चीरा लगाने के समय मौसम का असर उत्पादन पर पड़ सकता है। अफीम उत्पादक किसान संगठन से जुड़े नरसिंह डांगी के अनुसार सामान्य तौर पर नीति सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में जारी हो जाती है, लेकिन इस बार अभी तक इसका इंतजार है। किसानों को यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस सीजन में पारंपरिक चीरा पद्धति से खेती की अनुमति मिलेगी या सीपीएस पद्धति लागू होगी।

कम उत्पादन हुआ तो पट्टा निरस्त होने का डर

किसानों की चिंता केवल बुवाई तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि अफीम उत्पादन के लिए नारकोटिक्स विभाग की ओर से निर्धारित मात्रा हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। यदि मौसम या देर से बुवाई के कारण उत्पादन निर्धारित स्तर से कम रहा तो किसानों के पट्टे पर भी असर पड़ सकता है। किसान लाखन सिंह का कहना है कि नीति जारी नहीं होने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि उन्हें किस पद्धति के तहत खेती करनी है। किसानों को आशंका है कि निर्णय में देरी का असर पूरी फसल चक्र पर पड़ सकता है।

दाम बढ़ाने और पुराने पट्टे बहाल करने की मांग

अफीम उत्पादक किसानों के संगठनों ने सरकार के सामने कई मांगें भी रखी हैं। इनमें अफीम का खरीद मूल्य बढ़ाना, नीति समय पर जारी करना और 1997-98 में काटे गए अफीम के पट्टों को दोबारा जारी करना प्रमुख हैं। किसानों का कहना है कि नीति में देरी से उन्हें खेती की तैयारी, बीज और अन्य कृषि कार्यों को लेकर भी अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नारकोटिक्स विभाग के उच्च अधिकारियों के अनुसार अफीम की नीति केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय और नारकोटिक्स विभाग द्वारा तय की जाती है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि 2026-27 की अफीम नीति जल्द जारी की जाएगी।

नवरात्रि बाद 4.50 लाख पेंशनर्स के हित में होगा आंदोलन

- 59 माह के एरियर्स पर पेंशनर्स में नाराजगी, कैशलेस इलाज और जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई राहत की भी मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में 59 माह के बकाया एरियर्स के भुगतान की मांग को लेकर पेंशनर्स का असंतोष बढ़ता जा रहा है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने नवरात्रि के बाद मंत्रालय के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। संगठन का कहना है कि छठवें और सातवें वेतनमान के 59 माह के एरियर्स, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और लंबित महंगाई राहत का भुगतान नहीं होने से प्रदेश के करीब 4.50 लाख पेंशनर्स प्रभावित हैं। शिवाजी नगर में हुई पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की भोपाल जिला शाखा की बैठक में लंबित मांगों को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष आमोद कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिलेभर से बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल हुए।

बैठक में पेंशनर्स ने आरोप लगाया कि लंबित मांगों के निराकरण में शासन की ओर से लगातार देरी की जा रही है। संगठन के मुताबिक 59 माह के एरियर्स का भुगतान किए जाने के बजाय इस मामले में कोर्ट से स्टे लेने के निर्देश की जानकारी सामने आने के बाद पेंशनर्स में नाराजगी और बढ़ी है। भोपाल जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि पेंशनर्स लंबे समय से छठवें और सातवें वेतनमान के बकाया एरियर्स के भुगतान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार को इस मामले का जल्द समाधान निकालना चाहिए।

कैशलेस इलाज और 2 प्रतिशत महंगाई राहत भी मुद्दा

पेंशनर्स ने केवल एरियर्स ही नहीं, बल्कि पेंशनर्स और उनके परिवार के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की मांग भी दोहराई। इसके अलावा जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत जारी करने की मांग की गई है। एसोसिएशन का कहना है कि उम्रदराज पेंशनर्स के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का खर्च लगातार बड़ी चिंता बनता जा रहा है। ऐसे में कैशलेस उपचार की सुविधा से उन्हें सीधे राहत मिल सकती है।

बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि यदि सरकार ने पेंशनर्स की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो नवरात्रि पर्व के बाद भोपाल में मंत्रालय के समक्ष व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी पेंशनर्स के हित में लंबित मांगों पर निर्णय लेने का आग्रह करेगा। बैठक में मौजूद पेंशनर्स ने आंदोलन में संगठन का सहयोग करने और अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का संकल्प लिया।

विनोद / 30 सितम्बर 26

मप्र में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन- इंदौर में धक्का-मुक्की, जंजीर से पुतला घसीटा, अर्थी निकाली, फांसी दी; 5 जिलों में चला वाटर कैनन

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पांढुर्णा में पुतला जंजीर से बांधकर 500 फीट घसीटा गया। देवास में प्रतीकात्मक अर्थी निकाली गई। बैतूल में पुतले को फांसी दी। वहीं, इंदौर में पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। जबलपुर, भिंड, सागर, दमोह और मंडला में वाटर कैनन चलाया गया। ग्वालियर में बैरिकेड्स तोडक़र कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश हुई, जबकि मऊगंज में दो बैरिकेड्स पार कर प्रदर्शनकारी तीसरे तक पहुंच गए। छतरपुर में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट के तीनों गेट पार कर अंदर पहुंच गए।

बैतूल में कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाया। लल्ली चौक पर पुतले को करीब 15 फीट ऊंची क्रेन पर लटका दिया गया। सांकेतिक फांसी दी गई। जबलपुर में घंटाघर पर बैरिकेड्स पार करने की कोशिश के दौरान वाटर कैनन चलाया गया। भिंड में परेड चौराहे पर भी पुलिस ने पानी की बौछार की। सागर में कालिचरण चौराहे पर बैरिकेड्स हटाने की कोशिश हुई। वहीं, दमोह में वाटर कैनन के बावजूद कांग्रेस ने तीन पुतले जला दिए। मंडला में भी बैरिकेड्स पर धक्का-मुक्की के बाद वॉटर कैनन चलाया गया। ग्वालियर में कांग्रेसियों ने बैरिकेड्स तोडक़र कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की। मऊगंज में पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना के नेतृत्व में दो बैरिकेड्स पार किए गए। उन्होंने कलेक्टर-एसपी को मौके पर बुलाने की मांग की। उज्जैन में बैरिकेडिंग हटाकर मुख्य गेट तक पहुंचे और पुतला जलाया।

स्वामित्व योजना पर गतिरोध

पटवारियों पर कार्रवाई की तैयारी, पुराने मामलों की जानकारी जुटा रही सरकार

भोपाल । स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री से जुड़े काम को लेकर सरकार और पटवारियों के बीच गतिरोध खत्म नहीं हुआ है। सरकार के निर्देश के बावजूद पटवारी इस काम को करने के लिए तैयार नहीं हैं। अब सरकार ने पटवारियों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जिलों से उनके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों और शिकायतों की जानकारी मांगी गई है। राजस्व विभाग ने सभी जिलों को एक प्रारूप भेजकर पटवारियों के खिलाफ लंबित मामलों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए हैं। इसमें भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों के साथ लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की जांच और प्रकरणों की जानकारी भी मांगी गई है। सरकार ने ऐसे मामलों का भी ब्योरा मांगा है, जिनमें पटवारियों की आय से अधिक संपत्ति की शिकायत या प्रकरण सामने आए हों। इसके अलावा लंबे समय से अभियोजन की मंजूरी लंबित मामलों और जांच एजेंसियों की जांच में दोषी पाए गए पटवारियों की जानकारी भी मांगी गई है। जिलों से यह भी पूछा गया है कि संबंधित मामलों में आगे क्या कार्रवाई की जा सकती है।

रजिस्ट्री के काम को लेकर नहीं बनी सहमति

स्वामित्व योजना के तहत होने वाली रजिस्ट्री के काम से पटवारियों ने दूरी बना रखी है। पटवारी संघ का कहना है कि वे योजना से जुड़े काम के अलावा दूसरे राजस्व कार्य कर रहे हैं। संघ का कहना है कि सरकार के साथ बातचीत के बावजूद अभी तक इस मुद्दे पर कोई सहमति नहीं बनी है। पटवारियों की आपत्ति को दूर करने के लिए सरकार की ओर से उन्हें कुछ आश्वासन भी दिए गए थे। इनमें रजिस्ट्री के दस्तावेजों में पटवारियों के नाम नहीं लिखे जाने और विवादित मामलों की रजिस्ट्री का काम नहीं सौंपे जाने की बात शामिल थी। चार मंत्रियों की समिति ने भी पटवारियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की थी। इसके बावजूद पटवारियों ने स्वामित्व योजना से जुड़े रजिस्ट्री कार्य से दूरी बनाए रखी है।

अब पुराने प्रकरणों पर कार्रवाई की तैयारी

पटवारियों के काम नहीं करने के रुख के बाद मुख्य सचिव ने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम गुरुवार से शनिवार तक करने के निर्देश दिए थे। साथ ही काम से इनकार करने वाले पटवारियों पर कार्रवाई की बात भी कही गई थी।

एमपी के अभ्यर्थियों का सफर होगा आसान! सागर भर्ती रैली के लिए रेलवे की सौगात, अक्टूबर में चलेंगी दो स्पेशल ट्रेनें

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर। सागर में होने वाली सेना भर्ती रैली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे ने मुरैना और भिंड से मकरोनिया के बीच दो अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। अक्टूबर में संचालित होने वाली दोनों ट्रेनों का ग्वालियर स्टेशन पर ठहराव रहेगा। इससे ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के अभ्यर्थियों को भर्ती स्थल तक पहुंचने में सुविधा होगी। दोनों ट्रेनों में सात-सात कोच रहेंगे। ट्रेन क्रमांक मुरैना-मकरोनिया अनारक्षित परीक्षा स्पेशल एक, तीन, चार, पांच, छह और आठ अक्टूबर को मुरैना से चलेगी। ट्रेन दोपहर 3:15 बजे रवाना होकर बानमोर, ग्वालियर, दतिया, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना मालखेड़ी, खुरई और सागर होते हुए रात 1:20 बजे मकरोनिया पहुंचेगी। ग्वालियर में इसका ठहराव शाम 4:47 से 4:52 बजे तक रहेगा। वापसी में ट्रेन क्रमांक 01832 मकरोनिया-मुरैना दो, चार, पांच, छह और सात अक्टूबर को मकरोनिया से रात 2:15 बजे रवाना होकर सागर, खुरई, बीना मालखेड़ी, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, दतिया, ग्वालियर और बानमोर होते हुए सुबह 10:25 बजे मुरैना पहुंचेगी। ट्रेन क्रमांक 01833 भिंड-मकरोनिया दो, सात, नौ, 10 और 11 अक्टूबर को भिंड से दोपहर 3:15 बजे रवाना होगी। सोनी, गोहद रोड, ग्वालियर, दतिया, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना मालखेड़ी, खुरई और सागर होते हुए रात 2:20 बजे मकरोनिया पहुंचेगी।

मुख्य सचिव बर्णवाल से मिलीं बाल अधिकार आयोग की अध्यक्ष डॉ. शर्मा बाल संरक्षण के मुद्दों पर की चर्चा

भोपाल । मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने बुधवार को भेंट कर प्रदेश में बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण, उनकी शिकायतों के त्वरित निराकरण और विद्यालयों में बच्चों के लिए बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। डॉ. शर्मा ने मुख्य सचिव के समक्ष विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, बालिका गरिमा सूचकांक, स्पॉन्सरशिप तथा बाल संरक्षण से संबंधित विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी समन्वय जरूरी है। बैठक में आयोग द्वारा प्रदेश स्तर पर बच्चों की शिकायतों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित करने के संबंध में भी चर्चा हुई। ऐसे शिविरों के माध्यम से बच्चों और उनके अभिभावकों की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर उनके त्वरित समाधान की दिशा में कार्रवाई किए जाने पर विचार किया गया। आयोग की अध्यक्ष ने बाल संरक्षण से जुड़े विषयों पर शासन और आयोग के बीच बेहतर समन्वय के महत्व पर भी चर्चा की।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब एवं सह प्रभारी रेखा वर्मा ने भोपाल में विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देब एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने बुधवार को भोपाल प्रवास के दौरान पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बिप्लब कुमार देब, रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर का प्रदेश कार्यालय में पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। विमानतल पर पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने गुफा मंदिर में की पूजा-अर्चना, वरिष्ठ नेताओं से की सौजन्य भेंट

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देब एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने लालघाटी स्थित गुफा मंदिर के बूढ़े हनुमान मंदिर में दर्शन, पूजन कर देशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देब ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी के नेहरू नगर, बी-176, आकृति गार्डन स्थित निवास एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के प्रोफेसर्स कॉलोनी स्थित निवास पहुंचकर उनसे सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर आत्मीय चर्चा की। हेमंत खण्डेलवाल व बिप्लब कुमार देब ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-32, बूथ क्रमांक-69 की कार्यकर्ता मीना जाटव के ए/131, शास्त्री नगर स्थित निवास पहुंचकर भोजन किया।

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या

भोपाल। राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाना इलाके में रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की उनके घर में ही हत्या किए जाने की सनसनी सेहत घटना सामने आई है। उन्होंने दो दिन पहले ही एक व्यक्ति को हाउस हेल्प के तौर पर रखा था,अब वह लापता है। 28 सितंबर को ही पंजाब की एक एजेंसी के जरिए उसे नौकरी पर रखा गया था। पुलिस का शक उसी नौकर पर है। मिली जानकारी के अनुसार राकेश अग्रवाल बुधवार सुबह सूरजनगर स्थित उनके घर में उनका शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धारदार हथियार से गला रेतकर उनकी हत्या की गई। वारदात के बाद घर में रखा गया केयरटेकर भी लापता है। पुलिस को उसकी भूमिका पर संदेह है, और उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि राकेश अग्रवाल ने इस केयरटेकर को महज दो दिन पहले ही काम पर रखा था। उसे 28 सितंबर को पंजाब की एक एजेंसी के माध्यम से नौकरी पर रखा गया था। हत्या के बाद से केयरटेकर का कोई पता नहीं है। खास बात यह भी है कि उसका सामान भी घर में नहीं मिला, जिससे पुलिस को उसके वारदात के बाद फरार होने का संदेह है।

- घर का दरवाजा बाहर से मिला बंद

राकेश अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ सूरजनगर स्थित मकान में रहते थे। बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे उनकी पत्नी की नींद खुली। वह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए निकलने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन जब उन्होंने घर का मुख्य दरवाजा खोलने की कोशिश की तो वह बाहर से बंद मिला। इसके बाद उन्होंने घर में काम करने वाले दूसरे नौकर राजन थापा को फोन किया। स्थिति संदिग्ध लगने पर वह राकेश अग्रवाल के कमरे की तरफ गईं। कमरे का दरवाजा खोलने पर अंदर फर्श पर राकेश अग्रवाल का शव जमीन पर पड़ा देख उनके होश उड़ गए। उनके गले पर धारदार हथियार से किए गए हमले के निशान थे। परिजनों की सूचना के बाद पुलिस को वारदात की जानकारी दी गई। कुछ ही देर में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

- घर में फैली थी एलपीजी गैस, आग लगाने की कोशिश का शक

पुलिस जांच में हत्या के साथ-साथ घर में आग लगाने की कोशिश के संकेत भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि किचन में एलपीजी सिलेंडर का पाइप निकला हुआ था और पूरे घर में गैस फैल गई थी। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद आरोपी ने वारदात के सबूत मिटाने या घर को आग लगाने की कोशिश की हो सकती है। हालांकि इस संबंध में पुलिस की जांच अभी जारी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर सिलेंडर ब्लास्ट से घर को उड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

- दो दिन पहले ही रखा गया था केयरटेकर

जानकारी के मुताबिक राकेश अग्रवाल ने 28 सितंबर को ही पंजाब की एक एजेंसी के जरिए उसे काम पर रखा था। यानी हत्या से कुछ ही दिन पहले वह घर में आया था वारदात के बाद उसके संदिग्ध परिस्थितियों में गायब होने और उसका सामान भी घर में नहीं मिलने से पुलिस का शक और गहरा गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि केयरटेकर का पिछला रिकॉर्ड क्या है, उसे किस एजेंसी ने भेजा था और वह वारदात के बाद किस रास्ते से फरार हुआ। पुलिस उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाने में भी लगी है। एजेंसी से भी उसके संबंध में जानकारी ली जा रही है।

- पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे

हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार समेत अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से अहम सुराग जुटाए हैं। हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाश की जा रही है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

- बीना रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी में नजर आया संदेही

एक्शन मोड में आई पुलिस को हत्या के संदेही आरोपी वरुण कुमार का सीसीटीवी फुटेज मिला है। वह बीना में सीसीटीवी फुटेज में नजर आया है। सूत्रो के अनुसार वरुण की आखिरी लोकेशन कुरवाई-बीना रोड मिली है। वरुण सीसीटीवी फुटेज में घर से जाते दिख रहा है। सूत्रो के मुताबिक जोन-1 और क्राइम ब्रांच की टीमें बीना में डेरा डालते हुए वरुण की तलाश में जुटी है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले प्रेस वार्ता में घिरी कांग्रेस

मीडिया के सवालों ने बढ़ाई बेचैनी : 1 अक्टूबर को जगलागांव पहुंचेंगे राहुल गांधी, मृत बच्चों के परिजनों से करेंगे मुलाकात

स्थानीय मीडिया की उपेक्षा और स्थानीय विधायक की जिम्मेदारी पर भी उठे तीखे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 1 अक्टूबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नव्ही के ग्राम जागला पहुंचेंगे। बैहर-बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे की जानकारी देने के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने प्रेस वार्ता आयोजित की। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी 1 अक्टूबर को सुबह 11.45 बजे बिरसी हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। इसके बाद करीब 1 बजे वे बिरसा विकासखंड के ग्राम जागला पहुंचकर मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात करेंगे और उनसे चर्चा करेंगे। राहुल गांधी बच्चों की मौत के कारणों के साथ-साथ क्षेत्र में व्याप्त मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाएंगे। कांग्रेस की ओर से इस दौरे को प्रभावित परिवारों की आवाज को सामने लाने और क्षेत्र की समस्याओं को उठाने से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि राहुल गांधी के दौरे की जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस वार्ता केवल कार्यक्रम की जानकारी तक सीमित नहीं रही और देखते ही देखते कांग्रेस के सामने ही कई तीखे सवाल खड़े हो गए। स्थानीय मीडिया कर्मियों ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के दौरे के लिए प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के बड़े मीडिया संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और मीडिया टीमों के साथ करीब 50 इन्फ्लुएंसर और क्रिएटरों को बुलाया जा रहा है, जबकि बालाघाट के स्थानीय पत्रकारों को कवरेज के लिए अनुमति पास जारी करने में आनाकानी की जा रही है। इसको लेकर स्थानीय मीडिया में नाराजगी दिखाई दी। सवाल यह था कि जब राहुल गांधी का कार्यक्रम बालाघाट की जमीन पर हो रहा है और पूरे वर्ष कांग्रेस को

स्थानीय मीडिया की जरूरत रहती है, तो फिर उसी स्थानीय मीडिया को कार्यक्रम की कवरेज से दूर रखने की स्थिति क्यों बन रही है?, मीडिया के सवालों पर मुकेश नायक ने सफाई देते हुए कहा कि बड़े मीडिया संस्थानों के ब्यूरो स्तर के पास जारी किए जा चुके हैं और कुछ स्थानीय मीडिया कर्मियों को भी पास दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस गांव में प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे, वह स्थान छोटा है और वहां अधिक संख्या में मीडिया कर्मियों को ले जाना व्यावहारिक नहीं होगा। लेकिन प्रेस वार्ता में उठे सवाल यहीं नहीं थमे। मुकेश नायक ने यह भी बताया कि भोपाल से दिल्ली तक करीब 50 मीडिया कर्मियों, क्रिएटरों और इन्फ्लुएंसर की टीम पहले ही तय की जा चुकी है। इसी बात ने स्थानीय मीडिया के साथ-साथ कांग्रेस के भीतर भी असहजता पैदा कर दी। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के बीच भी इस बात को लेकर नाराजगी बताई गई कि यदि बाहरी मीडिया को इतनी प्राथमिकता दी जाएगी तो बालाघाट के स्थानीय पत्रकारों और कांग्रेस के बीच दूरी बढ़ सकती है। यही वजह रही कि कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता भी स्थानीय मीडिया को पास दिलाने की कोशिश में जुटे दिखाई दिए। वहीं प्रेस वार्ता के दौरान सवालों का दायरा सीधे बैहर विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके की भूमिका तक पहुंच गया। मीडिया कर्मियों ने सवाल किया कि जब बैहर-बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत का इतना गंभीर मामला सामने आया है, तो क्या स्थानीय विधायक की भी कोई जिम्मेदारी तय नहीं होनी चाहिए? यहां तक कि संजय उईके को कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद से हटाए जाने को लेकर भी सवाल उठाया गया। इस पर मुकेश नायक ने कहा कि बैहर विधायक की कुछ जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, हालांकि इससे बड़ी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सरकार की है। इसके बाद सवालों का रुख लगातार तीखा होता गया और प्रेस वार्ता समाप्त कर दी गई।

मासूम बच्चों की मौत पर राजनीति या संवेदना?

प्रेस वार्ता खत्म होने के बाद सवाल खत्म होने के बजाय और गहरे हो गए। सबसे बड़ा सवाल यही सामने आया कि क्या आदिवासी बच्चों की मौत जैसा संवेदनशील मामला अब राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया प्रबंधन के बीच उलझकर रह जाएगा?, जिस तरह कुछ दिन पहले भाजपा पर बाहरी मीडिया और इन्फ्लुएंसर के जरिए क्षेत्र की छवि बेहतर दिखाने और डैमेज कंट्रोल की कोशिश के आरोप लगे, उसी तरह अब कांग्रेस की ओर से भी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के मीडिया कर्मियों, क्रिएटरों और इन्फ्लुएंसर को बुलाए जाने की बात सामने आ रही है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह दौरा वास्तव में प्रभावित परिवारों की आवाज बनेगा या फिर यह मामला भी राजनीतिक प्रचार के बीच कहीं पीछे छूट जाएगा?, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके लिए किसी राजनीतिक कार्यक्रम से ज्यादा जरूरी न्याय, जिम्मेदारी तय होना और उनकी मूलभूत मांगों का समाधान है। बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत के बाद समाज के पदाधिकारियों और युवा वर्ग ने भी आवाज उठाई थी तथा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, मृतक परिवारों को लाखों रुपए का मुआवजा देने और लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने को लेकर प्रदर्शन किए गए थे। ऐसे में अब राहुल गांधी के दौरे के बाद यही देखना होगा कि इन मांगों को राजनीतिक मंच से आगे बढ़ाकर समाधान तक पहुंचाया जाता है या कुछ दिनों की राजनीतिक हलचल के बाद मामला फिर उसी स्थिति में लौट जाता है।

1 अक्टूबर को जागला में तय होगी आगे की दिशा

इसी बीच एक और सवाल लगातार चर्चा में है कि क्या मासूम आदिवासी बच्चों की मौत का मामला अब राजनीतिक रोटियां सेंकने का जरिया बनता जा रहा है? पहले भाजपा की ओर से बाहरी मीडिया और इन्फ्लुएंसर के जरिए क्षेत्र की छवि बेहतर दिखाने की कोशिश किए जाने के आरोप सामने आए और अब कांग्रेस भी बाहरी इन्फ्लुएंसर तथा बड़े मीडिया हाउस के जरिए इस पूरे मामले को उठाने की तैयारी में दिखाई दे रही है। बीते कुछ दिनों की गतिविधियों को देखकर सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर इस पूरी कवायद का केंद्र प्रभावित परिवार हैं या फिर राजनीतिक प्रचार?, यदि दोनों राजनीतिक पक्ष इस मामले को लेकर सक्रिय हैं, तो फिर उन परिवारों की वास्तविक समस्याओं का समाधान कहां है? क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं कब पहुंचेंगी, मृतक परिवारों को उनकी मांग के अनुरूप मुआवजा कब मिलेगा और बच्चों की मौत के कारणों को लेकर जवाबदेही कब तय होगी?, बीते दिनों में हर कोई बैहर-बिरसा क्षेत्र में पहुंचकर मासूम बच्चों की मौत का मुद्दा उठा रहा है, लेकिन अब सवाल यह है कि इन आवाजों का जमीन पर परिणाम क्या निकल रहा है। यदि मामला वास्तव में गंभीरता से उठाया जा रहा है तो उसका असर प्रभावित परिवारों के जीवन में दिखाई देना चाहिए। केवल मीडिया कवरेज, बयानबाजी और राजनीतिक दौरे उन परिवारों के दर्द का समाधान नहीं हो सकते, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है। राहुल गांधी का 1 अक्टूबर का दौरा इसी सवाल के बीच हो रहा है कि क्या इस दौरे से प्रभावित परिवारों की मांगों को नई आवाज मिलेगी और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कोई ठोस पहल सामने आएगी। आखिर मासूम बच्चों की मौत का मामला केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रहेगा या न्याय, सुविधाओं और जवाबदेही की लड़ाई बनेगा इसका जवाब अब आने वाले दिनों में सामने आएगा।

सरिया खरीदने का सौदा पड़ा महंगा

हार्डवेयर कारोबारी से 3.14 लाख की ऑनलाइन ठगी

गूगल पर मिले फर्जी संपर्क के जरिए बनाया भरोसा

वाहन और ड्राइवर की फर्जी जानकारी भेजकर ऐंठते रहे रकम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। साइबर ठग अब लोगों को बैंक, केवाईसी या निवेश के नाम पर ही नहीं, बल्कि व्यापारिक सौदों का झांसा देकर भी अपना शिकार बना रहे हैं। किरनापुर क्षेत्र में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां सरिया खरीदने के लिए ऑनलाइन संपर्क करना एक हार्डवेयर कारोबारी को भारी पड़ गया। कथित रूप से लक्ष्य स्टील फरीदाबाद के नाम पर संपर्क करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने कारोबारी को विश्वास में लेकर अलग अलग बहानों से 3 लाख 14 हजार 302 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। इस मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला कायम कर लिया गया है।

गूगल पर मिले फर्जी नंबर से हुआ व्यवसाय

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम माटे निवासी देवेंद्र पांचे हार्डवेयर की दुकान का संचालन करते हैं। व्यवसाय के लिए सरिया खरीदने के उद्देश्य से उन्होंने 19 सितंबर को गूगल पर संबंधित कंपनी की जानकारी तलाश की। सर्च के दौरान मिले मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया। कुछ देर बाद उसी नंबर से कॉल आया और सामने वाले व्यक्ति ने स्वयं को फरीदाबाद स्थित लक्ष्य स्टील का प्रतिनिधि बताते हुए सरिया उपलब्ध कराने की बात कही।बातचीत के बाद 13 टन सरिया खरीदने का सौदा 567762 रुपये में तय हुआ। आरोपी ने बुकिंग और भुगतान के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों एवं स्कैनर के माध्यम से रकम भेजने को कहा। कारोबारी ने भरोसा करते हुए पहले 25-25 हजार रुपये की दो किस्तों में 50 हजार रुपये भेजे। इसके बाद भी अलग-अलग माध्यमों से भुगतान कराया गया।

ठगी करने वाले ने हार्डवेयर के संचालक का लिया विश्वास

ठगी करने वालों ने कारोबारी का विश्वास बनाए रखने के लिए व्हाट्सएप पर वाहन क्रमांक ।।क्र61ट0079 चालक का नाम हर्षवर्धन गिरी और एलआर नंबर तक भेज दिया। इसके बाद फोन कर बताया गया कि सरिया लेकर वाहन रवाना हो चुका है। फिर 20 प्रतिशत राशि जमा करने के नाम पर भुगतान मांगा गया।यहीं से ठगी का सिलसिला और बढ़ गया। आरोपियों ने कभी बैंक भुगतान तो कभी सेल टैक्स में वाहन फंसने की बात कहकर अतिरिक्त रकम की मांग की। कारोबारी से 38 हजार, 1,00,600 रुपये, 22 हजार और 30 हजार रुपये सहित अलग-अलग किस्तों में राशि ऑनलाइन ट्रांसफर कराई गई।

मोबाइल मिला बंद ठगी का हुआ अहसास

23 सितंबर को अचानक मोबाइल नंबर बंद हो गया। चालक से संपर्क करने का प्रयास भी विफल रहा। इसके बाद कारोबारी को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 319(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किरनापुर थाने में पिछले 6 माह से आधे दर्जन से अधिक ऐसे ऑनलाइन ठगी के मामले दर्ज किया जा चुके हैं।

व्यापारिक सौदों में भी बढ़ा साइबर ठगी का खतरा

यह घटना इस बात का संकेत है कि साइबर ठग अब ऑनलाइन व्यापारिक प्लेटफॉर्म और सर्च इंजन पर उपलब्ध संपर्क नंबरों का भी इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। कंपनी का नाम, वाहन नंबर, चालक की जानकारी और बिल जैसी चीजें दिखाकर पहले भरोसा कायम किया जाता है और फिर अलग-अलग कारण बताकर लगातार भुगतान कराया जाता है। बालाघाट जिले में ऑनलाइन ठगी की घटनाओं के सामने आने के बीच लोगों के लिए यह जरूरी है कि किसी अनजान व्यक्ति या ऑनलाइन मिले व्यापारिक संपर्क के आधार पर अग्रिम भुगतान करने से पहले कंपनी, बैंक खाता, मोबाइल नंबर और अन्य विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करें। किसी भी तरह की संदिग्ध ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करना महत्वपूर्ण है।

ग्रामीण परिवेश की दीपिका राहंगडाले बनीं सहायक प्राध्यापक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जले की बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम चीचगांव की कु. दीपिका राहंगडाले ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा 2024 में सफलता प्राप्त कर परिवार और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।सामान्य किसान परिवार एवं ग्रामीण परिवेश से आने वाली दीपिका के पिता श्री थानसिंह हीरालाल राहंगडाले कृषक हैं तथा माता श्रीमती केसर राहंगडाले गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने शिक्षा को सदैव प्राथमिकता दी। परिवार में शिक्षा के प्रति इस सकारात्मक सोच और दूरदृष्टि की नींव घर के मुखिया हीरालाल राहंगडाले ने रखी। उनका मानना है कि ग्रामीण परिवेश और सीमित साधन कभी भी शिक्षा एवं प्रगति की राह में बाधा नहीं बनने चाहिए। उनकी इसी दूरदर्शी सोच ने परिवार की नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

दीपिका का यह सफर निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। इससे पूर्व वे MPPSC 2024 की परीक्षा में साक्षात्कार चरण तक पहुंची थीं, परंतु अंतिम चयन नहीं हो सका था। असफलता से निराश हुए बिना उन्होंने अपने बड़े भाई डॉ. सोमनाथ राहंगडाले और मामाजी ओमकार प्रसाद एवं अनिल चौधरी के मार्गदर्शन में तैयारी को नई दिशा दी।उन्होंने MPSET परीक्षा-2024 प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की और इसके बाद MPPSC सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2024 में भी प्रथम प्रयास में सफलता हासिल कर सहायक प्राध्यापक पद पर चयन प्राप्त किया।दीपिका की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं ग्रामवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कानपुर की नेशनल कुबोडो चैंपियनशिप में उतरेंगे बालाघाट के चार खिलाड़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कानपुर में 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाली 4th नेशनल कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के चार खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर में किया जा रहा है, जिसमें देशभर से सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

प्रतियोगिता में बालाघाट से विनीता उईके, रिया राकेशीय, उमंग जघेले और वेद मडावी मध्यप्रदेश की टीम में शामिल होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन इंडिया कुबोडो के जनरल सेक्रेटरी शोभित पांडे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। खिलाड़ियों के चयन और प्रतियोगिता में सहभागिता को लेकर खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, जिला प्रशिक्षण केंद्र मुलना स्टेडियम के प्रशिक्षक एवं ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी सहित जिला थागता एसोसिएशन एवं कराटे स्पोर्ट्स

प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक अनिल धुवारे, जिला अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर सहित सदस्य एवं खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

राहुल गांधी के बालाघाट दौरे को लेकर ग्राम जंगला में प्रतिबंधात्मक आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी के 01 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत नव्ही के ग्राम जंगला में प्रस्तावित आगमन को देखते हुए अनुविभागीय दंडाधिकारी बैहर अनिकेत शांडिल्य ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार कार्यक्रम स्थल के 5 किलोमीटर क्षेत्र में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून एवं अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट/UAV का संचालन, आतिशबाजी, पटाखे, रॉकेट तथा अन्य विस्फोटक गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। सुरक्षा एवं अधिकृत शासकीय प्रयोजन के लिए आवश्यक ड्रोन संचालन निर्धारित अनुमति एवं नियमों के अधीन रहेगा। यह आदेश 01 अक्टूबर को पूरे दिन प्रभावी रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं अन्य प्रचलित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

त्रिवेणी और मानसी का संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शतरंज की बिसात पर अपनी बौद्धिक क्षमता और शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए शासकीय महाविद्यालय लांजी की दो छात्राओं ने जिले में महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। मलाजखंड में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में त्रिवेणी बढ़ई और मानसी बोरकर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया। दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि से महाविद्यालय सहित लांजी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में 29 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से पहुंचे प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बिसात पर हुए कड़े मुकाबलों के बीच शासकीय महाविद्यालय लांजी की त्रिवेणी बढ़ई और मानसी बोरकर ने धैर्य, एकाग्रता, रणनीति और सूझबूझ का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन का परिणाम रहा कि उन्होंने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हासिल कर लिया। अब त्रिवेणी और मानसी 5 अक्टूबर 2026 को पांढुर्ना में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में लांजी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। यहां उनका सामना संभाग के विभिन्न जिलों से चयनित श्रेष्ठ खिलाड़ियों से होगा।

मार्गदर्शन ने दिखाई सफलता की राह

छात्राओं की इस उपलब्धि में महाविद्यालय के क्रीड़ा एवं अन्य गतिविधियों के मार्गदर्शक डॉ. ललित कामड़े का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। उनके निर्देशन और निरंतर प्रोत्साहन से छात्राओं को प्रतियोगिता की तैयारी करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिली। जिला स्तर पर मिली इस सफलता ने महाविद्यालय की खेल प्रतिभाओं को भी नई ऊर्जा दी है।

महाविद्यालय परिवार ने दी बधाई

त्रिवेणी बढ़ई और मानसी बोरकर के संभाग स्तर पर चयन पर शासकीय महाविद्यालय लांजी के प्राचार्य, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों छात्राओं को बधाई दी। महाविद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी संभाग स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर लांजी महाविद्यालय का गौरव बढ़ाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट